

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 4]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 22 जनवरी—2010 माघ 2, शक 1931

भाग ४

विषय-सूची

- | | | |
|----------------------------|-------------------------------|----------------------------------|
| (क) (1) मध्यप्रदेश विधेयक, | (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, | (3) संसद में पुरःस्थापित विधेयक. |
| (ख) (1) अध्यादेश, | (2) मध्यप्रदेश अधिनियम, | (3) संसद के अधिनियम. |
| (ग) (1) प्रारूप नियम, | (2) अन्तिम नियम. | |

भाग ४ (क)—कुछ नहीं.

भाग ४ (ख)—कुछ नहीं

भाग ४ (ग)

अन्तिम विनियम

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग

चतुर्थ एवं पंचम तल, मेट्रो प्लाजा, ई-5, अरेरा कालोनी
बिट्टन मार्केट, भोपाल—462016

भोपाल, दिनांक 9 दिसंबर 2009

क्र. 2734-मप्रविनिआ-2009.—विद्युत अधिनियम, 2003 (क्रमांक 36, वर्ष 2003) की धारा 181(2)(जेड डी) सहपठित धारा 45 तथा 61 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, एतद्वारा निम्न अधिनियम बनाता है जो कि एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय की जा रही विद्युत के प्रभार निर्धारित किये जाने बाबत विधियां तथा सिद्धान्त बनाता है तथा दिनांक 1 अप्रैल 2010 से आरंभ अवधि जो दिनांक 31 मार्च 2013 तक तीन वर्षों के लिये जारी रहेगी, के दौरान मध्यप्रदेश राज्य में विद्युत के चक्रण तथा विद्युत प्रदाय की टैरिफ संबंधी निबंधन एवं शर्तें विनिर्दिष्ट करता है.

**मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम, 2009
(जी-35, वर्ष 2009)**

प्रस्तावना

यह जबकि आयोग द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर 2006 को मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत वितरण तथा खुदरा व्यापार के टैरिफ अवधारण संबंधी शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम 2006 अधिनियमित किये गये थे, बहुवर्षीय टैरिफ की प्रथम नियंत्रण अवधि दिनांक 31 मार्च 2010 को समाप्त हो जाएगी अतएव वित्तीय वर्ष 2010-11 से वित्तीय वर्ष 2012-13 की आगामी नियंत्रण अवधि हेतु विद्युत वितरण विद्युत दर (टैरिफ) की निबन्धन तथा शर्तें विनिर्दिष्ट किये जाने के प्रयोजन से, ये विनियम अधिनियमित किये जा रहे हैं.

अध्याय एक — प्रारंभिक

1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ :

- 1.1 ये विनियम "मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम, 2009 (जी-35, वर्ष 2009)" कहलायेंगे.
- 1.2 इन विनियमों का विस्तार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश राज्य होगा.
- 1.3 ये विनियम विद्युत दर (टैरिफ) अवधि दिनांक 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2013 तक प्रभावशील रहेंगे. दिनांक 1 अप्रैल 2010 से प्रारंभ होने वाली अवधि हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा विद्युत चक्रण एवं प्रदाय संबंधी याचिकाएं केवल इन विनियमों के अनुसार ही दायर की जा सकेगी.

2. विस्तार तथा लागू किये जाने की सीमा :

- 2.1 ये विनियम विद्युत अधिनियम की धारा 62 के अन्तर्गत राज्य के वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा उपभोक्ताओं को विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु प्रभारित की जाने वाली विद्युत दर (टैरिफ) के अवधारण संबंधी समस्त प्रकरणों में लागू होंगे.

3. प्रचालन के मानदण्डों का परिसीमन उच्चस्थ होना :

- 3.1 शंकाओं के निवारण के उद्देश्य से स्पष्ट किया जाता है कि इन विनियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट प्रचालन के मानदण्डों का परिसीमन उच्चस्थ है तथा यह वितरण अनुज्ञप्तिधारियों तथा उपभोक्ताओं को प्रोन्नत मानदण्डों पर सहमति से प्रतिबाधित नहीं करेगा तथा इस प्रकार के प्रोन्नत मानदण्डों पर जब भी सहमति हो जाएगी विद्युत दर (टैरिफ) अवधारण हेतु प्रयोज्य होंगे.

4. परिभाषाएं :

- 4.1 जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो, इन विनियमों में,

(ए) "अधिनियम (Act)" से अभिप्रेत है, विद्युत अधिनियम, 2003 (क्रमांक 36, वर्ष 2003);

(बी) "लेखांकन विवरण-पत्रों (Accounting Statements)" से अभिप्रेत है प्रत्येक वित्तीय वर्ष हेतु निम्नलिखित विवरण-पत्र, अर्थात् :

- (i) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग I में संबंधित अन्तर्विष्ट प्ररूप के अनुसार तैयार किया गया तुलन-पत्र (बैलेंस शीट); मय संबंधित टिप्पणियों तथा ऐसे अन्य सहायक अभिलेख तथा जानकारी के, जैसी कि वह आयोग द्वारा समय-समय पर आदेशित की जाए;
- (ii) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग II के उपबन्धों के परिपालन में लाभ तथा हानि लेखा;
- (iii) इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया के रोकड़-प्रवाह विवरण-पत्र (कैश-फ्लो स्टेटमेन्ट) (एएस-3) के लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किया गया रोकड़-प्रवाह विवरण-पत्र;
- (iv) अनुज्ञप्तिधारी के वैधानिक अंकेक्षक(ों) का प्रतिवेदन;

- (v) संचालकों का प्रतिवेदन तथा लेखांकन नीतियां;
- (vi) केन्द्र सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(1)(डी) के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट लागत अभिलेख, यदि कोई हों; तथा
- (vii) विनियामक अर्हताओं की आपूर्ति हेतु ऐसे अन्य विवरण-पत्र जैसे कि वे आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएं ;
- (सी) "सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता (Aggregate Revenue Requirement-ARR)" से अभिप्रेत है किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उसके अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापारों हेतु उक्त वर्ष(ों) हेतु सम्पूर्ण व्ययों का प्राक्कलन, जिन हेतु यह तैयार किया जाता है ;
- (डी) "आवेदक (Applicant)" से अभिप्रेत है एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी जिसके द्वारा इन विनियमों के अनुसार विद्युत चक्रण तथा प्रदाय की विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है;
- (ई) "अंकेक्षक (Auditor)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा कम्पनी अधिनियम, 1956 (क्रमांक 1, वर्ष 1956) की धारा 224 तथा 619 के उपबन्धों अथवा तत्समय प्रवृत्त अन्य किसी विधि के अन्तर्गत नियुक्त किया गया कोई अंकेक्षक ;
- (एफ) "अधिकृत भार (Authorised Load)" को किलोवॉट (केडब्लू), केवीए अथवा अश्वशक्ति (हार्स पावर) यूनिटों में अभिव्यक्त किया जाएगा तथा इसे मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, में निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार अवधारित किया जाएगा ;
- (जी) "बैंक दर (Bank Rate)" से अभिप्रेत है भारतीय रिजर्व बैंक के किसी सुसंगत वर्ष की दिनांक एक अप्रैल को लागू की गई बैंक दर ;
- (एच) "आयोग (Commission)" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग;
- (आई) "आयोग सचिव (Commission Secretary)" से अभिप्रेत है आयोग के सचिव;
- (जे) "संविदाकृत ऊर्जा (Contracted Power)" से अभिप्रेत है मेगावाट में अभिव्यक्त की गई ऊर्जा जिसे वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अपनी प्रणाली में चक्रण किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गई है;
- (के) "क्रेता (Customer)" से अभिप्रेत है, एक ऐसा व्यक्ति जिसके द्वारा एक कैप्टिव विद्युत उत्पादक संयंत्र स्थापित किया गया है अथवा एक अनुज्ञप्तिधारी अथवा खुली पहुंच का लाभ प्राप्त करने वाला एक उपभोक्ता जो वितरण अनुज्ञप्तिधारी की वितरण प्रणाली का उपयोग कर रहा हो;

- (एल) "वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि (Date of Commercial Operation-COD)" से अभिप्रेत है किसी वितरण अनुज्ञापतिधारी के तन्तुपथ (लाईन) अथवा उपकेन्द्र को उसके घोषित वोल्टेज स्तर पर प्रभारित किये जाने की तिथि अथवा वितरण अनुज्ञापतिधारी द्वारा इसे प्रभारित करने की तिथि अथवा वितरण अनुज्ञापतिधारी द्वारा प्रभारण हेतु तैयार घोषित तिथि से सात दिवस के भीतर की तिथि, परन्तु जो कि क्रेताओं संबंधी परिस्थितियों के कारणवश वास्तविक रूप से प्रभारित न की जा सकी हो ;
- (एम) "घोषित वोल्टेज (Declared Voltage)" से अभिप्रेत है भारतीय विद्युत नियम, 1956 की धारा 54 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट की गई वोल्टेज जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है ;
- (एन) "विद्युत वितरण कंपनी (Discom) से अभिप्रेत है डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी अथवा विद्युत वितरण कंपनी जिसके अंतर्गत "पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, "पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड तथा "मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से है;
- (ओ) "वितरण हानि (Distribution Loss)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञापतिधारी की विद्युत वितरण प्रणाली में घटित कुल ऊर्जा की हानियां जिन्हें आगमित ऊर्जा (energy input) तथा विक्रयों के अन्तर के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो ;
- (पी) "विद्यमान परियोजना (Existing Project)" से अभिप्रेत है दिनांक 1.4.2010 से पूर्व किसी तिथि को वाणिज्यिक प्रचालन के अंतर्गत घोषित की गई कोई परियोजना ;
- (क्यू) "किया गया व्यय (Expenditure incurred)" से अभिप्रेत है कोई निधि , भले वह पूंजी (Equity) अथवा ऋण (debt) हो अथवा दोनों हो जिसे उपयोगी परिसम्पत्तियों के सृजन अथवा अधिप्राप्ति हेतु वास्तविक रूप से रोकड़ अथवा रोकड़ समतुल्य भुगतान किया गया है तथा इनमें वे वचनबद्धताएं अथवा दायित्व सम्मिलित न होंगे, जिन हेतु कोई राशि मुक्त न की गई हो;
- (आर) "अति उच्च दाब उपभोक्ता [Extra High Tension (EHT) Consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 33000 वोल्ट से अधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो कि तथापि, भारतीय विद्युत नियम 1956 के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घट-बढ़ (variation) के अध्यधीन होगी ;
- (एस) "उच्च दाब उपभोक्ता [High Tension (HT) Consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 650 वोल्ट से अधिक तथा 33000 वोल्ट से अनाधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो कि तथापि, भारतीय विद्युत नियम 1956 के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घट-बढ़ (variation) के अध्यधीन होगी ;

- (टी) "निम्न दाब उपभोक्ता [Low Tension (LT) consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 650 वोल्ट से अनाधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो कि तथापि, भारतीय विद्युत नियम 1956 के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घट-बढ़ (variation) के अध्वधीन होगी ;
- (यू) "दीर्घ-अवधि क्रेता (Long-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो कि चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन वर्षों की अवधि से अधिक का ग्रहणाधिकार (lien) रखता हो ;
- (वी) "मध्यम-अवधि क्रेता (Medium-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो कि चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन माह से अधिक तथा तीन वर्षों की अवधि तक का ग्रहणाधिकार (lien) रखता हो ;
- (डब्लू) "अधिकारी (Officer)" से अभिप्रेत है, आयोग का कोई अधिकारी;
- (एक्स) "प्रचालन तथा संधारण व्यय (Operation and Maintenance expenses or O&M expenses)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञप्तिधारी के वितरण तथा प्रदाय-तन्त्र (नेटवर्क) के प्रचालन तथा संधारण पर किया गया कोई व्यय तथा उसके किसी अंश को सम्मिलित करते हुए तथा इसमें शामिल होंगे जनशक्ति, मरम्मत कल-पुर्जों, उपभोग-योग्य वस्तुओं, बीमा तथा उपरी-व्ययों (Overheads) पर किये गये कोई व्यय;
- (वाई) "परियोजना (Project)" से अभिप्रेत विद्युत वितरण प्रणाली में की गई किसी वृद्धि, परिवर्तन अथवा आवर्धन संबंधी योजना से है ;
- (जेड) "निर्धारित वोल्टेज (Rated Voltage)" से अभिप्रेत एक ऐसी वोल्टेज से है जिस पर विद्युत वितरण प्रणाली प्रचालन हेतु रूपांकित की गई है;
- (एए) "लघु-अवधि क्रेता (Short-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो कि चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन माह तक की अवधि का ग्रहणाधिकार (lien) रखता है;
- (बीबी) "विद्युत-दर (Tariff)" से अभिप्रेत है विद्युत वितरण तथा प्रदाय हेतु उपभोक्ताओं द्वारा प्रभारों की अनुसूची के साथ-साथ उनकी निबन्धन एवं शर्तों को सम्मिलित करते हुए;
- (सीसी) "विद्युत-दर अवधि (Tariff Period)" से अभिप्रेत उक्त अवधि से है जिस हेतु आयोग द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) का अवधारण किया गया है ;
- (डीडी) "अनियन्त्रणीय लागतें (Uncontrollable costs)" से अभिप्रेत उन लागतों से है जिनमें सम्मिलित होंगी (परन्तु जो कि इन्हीं तक ही सीमित न होंगी) ईंधन लागतें, मुद्रा-स्फीति के कारण लागतें, कर तथा उपकर, विद्युत क्रय यूनिट लागतों में

विषमताओं के साथ-साथ प्राकृतिक विपदाओं अथवा दैविक आपदा परिस्थितियों के कारण जल-विद्युत व ताप विद्युत मिश्र में किया गया कोई परिवर्तन अथवा अन्य कोई मदें जैसा कि आयोग द्वारा इनके संबंध में विचार किया जाए ;

(ईई) "उपयोगी जीवन काल (Useful Life) " किसी वितरण प्रणाली की इकाई के संबंध में वाणिज्यिक प्रचालन तिथि से उपकेन्द्र हेतु 25 वर्ष तथा तन्तु-पथों (लाईनों) हेतु 35 वर्ष मानी जाएगी ;

(एफएफ) "वर्ष (Year)" से अभिप्रेत है दिनांक 1 अप्रैल को प्रारंभ होकर अनुवर्ती वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष, तथा

(i) "चालू वर्ष (Current year)" से अभिप्रेत है वर्ष जिसमें वार्षिक लेखा का विवरण-पत्र अथवा विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु याचिका दायर की गई हो,

(ii) "पिछला वर्ष (Previous year)" से अभिप्रेत है चालू वर्ष से ठीक पूर्व का वर्ष,

(iii) "आगामी वर्ष (Ensuing year)" से अभिप्रेत है चालू वर्ष से ठीक अगला वर्ष।

4.2 इन विनियमों में प्रयुक्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां जो यहां परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ रखेंगी जैसा कि अधिनियम में दर्शाया गया है।

5. विद्युत-दर (टैरिफ) का अवधारण :

5.1 आयोग उपभोक्ताओं को विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु विद्युत-दर एवं प्रभारों का अवधारण, उनकी निबंधन तथा शर्तों को सम्मिलित करते हुए, अधिनियम की धारा 62 सहपठित धारा 86 के अंतर्गत करेगा।

6. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धान्त :

6.1 आयोग इन विनियमों के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु निबंधन एवं शर्तों को विनिर्दिष्ट करते समय अधिनियम की धारा 61 में निहित सिद्धान्तों से मार्ग-दर्शन प्राप्त करेगा।

6.2 विद्युत-दर (टैरिफ) में वितरण अनुज्ञापिधारी द्वारा विद्युत चक्रण तथा प्रदाय की अनुज्ञापि-प्राप्त गतिविधियों के प्रचालन में उपगत (incurred) युक्तियुक्त लागतों की वसूली का प्रावधान किया जाएगा जिसमें अनुपालन के विनिर्दिष्ट स्तर पर पूंजी पर प्रतिलाभ (Return on Equity) को भी जोड़ा जाएगा। अनुज्ञापिधारियों को उनके लेखांकन विवरण-पत्र तैयार करने होंगे जिन्हें उसके द्वारा विनियम 10.1 में दर्शायेनुसार नियमित रूप से आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

6.3 इन विनियमों में अपनाए गये बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्तों का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक सिद्धान्तों को अपनाया जाना, वितरण अनुज्ञापिधारी कार्य प्रणाली को दक्ष बनाना तथा उपभोक्ताओं के हितों को संरक्षण प्रदान करना है। टैरिफ

अवधि हेतु प्रचालन तथा लागत मानदण्ड, पूर्व अवधि में किये गये अनुपालन के आधार पर विनिर्दिष्ट किये गये हैं। स्वीकार्य विद्युत-दरों (टैरिफ) का अवधारण इन मानदण्डों के अनुसार किया जाएगा। वितरण अनुज्ञप्तिधारियों को इन विनियमों में विनिर्दिष्ट मानदण्डों से बेहतर प्रदर्शन दर्शाये जाने पर बचत का एक अंश पुरस्कार के रूप में उपभोक्ताओं के साथ बांटे जाने हेतु अनुज्ञेय किया जाता है। इसके द्वारा वितरण अनुज्ञप्तिधारियों से दक्ष अनुपालन तथा संसाधनों के मितव्ययी उपयोग हेतु उन्हें प्रोत्साहित किये जाने की अपेक्षा की जाती है।

- 6.4 केवल उन्हीं निवेशों तथा पूंजीगत व्ययों को विद्युत-दर (टैरिफ) के माध्यम से सेवाकृत किये जाने की लागतों को इस संबंध में वसूली बाबत अनुज्ञेय किया जाएगा जो आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं। इससे वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा युक्तियुक्त निवेश सुनिश्चित किये जाएंगे। वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अनुकूलतम निवेश सुनिश्चित करने होंगे तथा वितरण प्रणाली क्षमता में वृद्धि तथा आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट अनुपालन मानदण्डों की आपूर्ति हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में पर्याप्त प्रावधान करना होगा।
- 6.5 टैरिफ नीति के अनुरूप, प्रति-सहामतानुदान (cross subsidy) को उत्तरोत्तर कम किया जाएगा।

7. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु आवेदन प्रस्तुति की प्रक्रिया

- 7.1 विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु विद्युत दर (टैरिफ) अवधारण प्रक्रिया को पूर्व में शीर्षक मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004 तथा इसमें समय-समय पर किये गये संशोधनों द्वारा अधिसूचित किया जा चुका है। अनुज्ञप्तिधारी को बहु-वर्षीय अवधि हेतु विद्युत-दर अवधारण हेतु आवेदन विनिर्दिष्ट शुल्क के साथ जमा करना होगा।
- 7.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा बहु-वर्षीय अवधि हेतु टैरिफ अवधारणा के लिये जानकारी इन विनियमों में संलग्न प्ररूपों (परिशिष्ट-1) के अनुसार प्रस्तुत की जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी को परिशिष्ट-2 में विनिर्दिष्ट प्ररूपों में बहु-वर्षीय अवधि के टैरिफ अवधारण हेतु आवेदन की संक्षेपिका प्रकाशित करनी होगी। अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इन प्ररूपों में प्रस्तुत जानकारी आवेदन का एक भाग होगी। अनुज्ञप्तिधारी को आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार अतिरिक्त जानकारी, ऐसे प्ररूपों में जैसे तथा जब यह आयोग द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/विद्युत-दर (टैरिफ) को अंतिम किये जाने के प्रयोजन हेतु निर्देशित की जाएगी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7.3 आयोग को सदैव वितरण अनुज्ञप्तिधारी से संबंधित किसी स्वविवेक याचिका द्वारा अथवा किसी अभिरुचि रखने वाले या प्रभावित पक्षकार द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) का तथा उसके निबन्धन तथा शर्तों के अवधारण का अधिकार होगा तथा ऐसे अवधारण

की प्रक्रिया के अनुसार, जैसा कि इसे विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रारंभ कर किया जा सकेगा :

बशर्ते यह कि ऐसी विद्युत-दर (टैरिफ) के साथ संबंधित निबंधन तथा शर्तों के अवधारण संबंधी कार्यवाही को कार्य संचालन विनियमों, जैसा कि इन्हें समय-समय पर संशोधित किया गया हो, में निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार क्रियान्वित किया जाएगा।

- 7.4 आयोग अथवा आयोग सचिव अथवा आयोग द्वारा इस प्रयोज्य से नामोद्दिष्ट किसी अधिकारी द्वारा आवेदन के सूक्ष्म परीक्षण उपरांत आवेदक को कतिपय अतिरिक्त जानकारी अथवा विवरण अथवा अभिलेख जो कि आवेदन पर यथोचित कार्यवाही के प्रयोजन से उचित समझे जाएंगे, प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया जाएगा।
- 7.5 पूर्ण आवेदन की प्राप्ति के साथ समस्त वांछित जानकारी, विवरण एवं अभिलेख जो अर्हताओं के परिपालनार्थ आवश्यक हों, के प्राप्त होने की दशा में आवेदन को प्राप्त किया गया माना जाएगा तथा आयोग अथवा सचिव अथवा इस प्रयोज्य से नामोद्दिष्ट अधिकारी आवेदक को इस प्रकार संक्षिप्त रूप में एवं विधि अनुसार आवेदक को सूचित करेंगे कि आवेदन प्रकाशन हेतु तैयार है, जैसा कि विनिर्दिष्ट किया जाए [कृपया देखें मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004, जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है]
- 7.6 वितरण अनुज्ञप्तिधारी आयोग को प्रस्तुत की गई उनकी याचिकाओं के समस्त विवरण आयोग द्वारा उसे स्वीकार किये जाने की तिथि से तीन कार्यकारी दिवस के अंदर अपनी तत्संबंधी वैबसाईट पर प्रस्तुत करेंगे।
- 7.7 आवेदक, आयोग को ऐसी समस्त पुस्तकों तथा अभिलेखों (अथवा उनकी प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियों सहित) के साथ-साथ लेखांकन विवरण-पत्र, प्रचालन तथा लागत आंकड़े, जैसे कि वे आयोग द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु चाहे जाएंगे, प्रस्तुत करेगा। आयोग, यदि उचित समझे, तो वह किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को ऐसी जानकारी जो आवेदक ने आयोग को प्रस्तुत की है, मय ऐसी पुस्तकों तथा अभिलेखों की संक्षेपिका के (अथवा उनकी प्रमाणित सत्य-प्रतिलिपियों सहित) उपलब्ध करा सकेगा:

बशर्ते, यह कि आयोग कतिपय आदेश जारी कर यह निर्देशित कर सकेगा कि आयोग द्वारा संधारित की जाने वाली ऐसी जानकारी, अभिलेख व पत्र/सामग्रियां गोपनीय अथवा विशेषाधिकारयुक्त होंगी जो कि निरीक्षण हेतु अथवा प्रमाणित प्रतिलिपियों के रूप में उपलब्ध नहीं कराई जा सकेंगी तथा आयोग यह भी निर्देशित कर सकेगा कि ऐसे अभिलेख, पत्र अथवा सामग्री

को किसी ऐसी रीति द्वारा उपयोग न किया जा सकेगा सिवाय जैसा कि आयोग द्वारा विशिष्ट रूप से इस संबंध में प्राधिकृत किया जाए।

8. विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण तथा उसके सत्यापन की रीति

- 8.1 आयोग समय-समय पर वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत-दर (टैरिफ) अवधियों का निर्धारण करेगा। विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धान्त टैरिफ अवधि के दौरान प्रयोज्य होंगे। इन विनियमों के अन्तर्गत, टैरिफ अवधारण के मार्गदर्शी सिद्धान्त इन विनियमों के लागू होने की तिथि से दिनांक 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिये मान्य होंगे।
- 8.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा टैरिफ अवधि के आरंभ में तथा तदोपरांत प्रतिवर्ष अपनी याचिकाएं दाखिल की जाएंगी। आयोग द्वारा टैरिफ तथा उसका सत्यापन, जिस हेतु यह अनुरोध किया जा रहा है, के सूक्ष्म परीक्षण की समीक्षा पूंजीगत व्यय तथा वर्ष के दौरान किये गये अतिरिक्त पूंजीगत व्यय के आधार पर की जाएगी। तथापि, इस प्रकार के सत्यापन के संबंध में किसी प्रकार की असामान्य तथा अनियंत्रणीय विषमता पर भी विचार किया जा सकेगा। संचालन तथा संधारण (O&M) के मानदण्डों का अवधारण करते समय, वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा छटवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार दिनांक 31.8.2008 तक कर्मचारियों के वेतनमान के पुनरीक्षण की पूर्व अवधि का बकाया भुगतान कार्यान्वित किये जाने संबंधी घटक को भी सम्मिलित किया गया है। इस राशि का भी सत्यापन किया जाएगा तथा इस प्रयोजन हेतु भुगतान की गई वास्तविक बकाया राशि के विवरण भी प्रस्तुत करने होंगे।
- 8.3 यदि अद्यतन रूप से वसूल की गई विद्युत-दर (टैरिफ) की राशि सत्यापन उपरान्त किये गये अवधारित विद्युत दर अधिक हो तो ऐसी दशा में, वितरण अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं को इस प्रकार वसूल की गई आधिक्य राशि का प्रत्यर्पण उक्त रीति द्वारा करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा सत्यापन आदेश के अन्तर्गत आदेशित किया जाए। इसी प्रकार, यदि सत्यापन उपरांत इस प्रकार वसूल की गई विद्युत-दर अवधारित विद्युत दर से कम हो तो ऐसी दशा में वितरण अनुज्ञप्तिधारी से कम वसूल की गई राशि की वसूली उपभोक्ताओं से ऐसी विधि द्वारा, जैसा कि आयोग द्वारा इसके संबंध में निर्णय लिया जाए, करेगा जो कि आयोग द्वारा सत्यापन याचिका को दाखिल किये जाने हेतु विनिर्दिष्ट समयावधि के परिपालन के अध्यक्षीन होगा। कम वसूल की गई राशि के कारण बकाया वसूली योग्य राशि की विधि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
- 8.4 विद्युत-दर (टैरिफ) तथा सत्यापन याचिका की प्रस्तुति, मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी तथा उत्पादन कम्पनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004 (जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया हो) में विनिर्दिष्ट अनुसार तथा निर्धारित प्ररूपों में, प्रतिवर्ष दिनांक 31 अक्टूबर तक की जाएगी।

- 8.5 वितरण अनुज्ञप्तिधारी की सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता आयोग को याचिका के रूप में तीन सुव्यक्त भागों में प्रस्तुत की जाएगी, अर्थात्, प्रथम, ऊर्जा लागत हेतु जिसमें विद्युत क्रय लागत, पारेषण तथा वितरण हानियां तथा अन्तर्राज्यीय व राज्यान्तरिक लागू पारेषण प्रभार सम्मिलित होंगे, द्वितीय, चक्रण व्ययों के संबंध में तथा तृतीय, उपभोक्ताओं को ऊर्जा के प्रदाय के संबंध में होंगी जिसमें क्रेता सेवाएं भी शामिल होंगी।
- 8.6 तन्तु तंत्र (वायर नेटवर्क) के सृजन, संधारण, देख-रेख, नवीनीकरण तथा विकास संबंधी कार्य जिनमें उसे बदले जाने तथा विस्तार कार्य भी शामिल होंगे, से संबंधित व्ययों को चक्रण गतिविधि माना जाएगा। इसमें वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत चक्रण हेतु प्रयोग किये जा रहे उपकेन्द्र, संवाहक (कंडक्टर) ट्रांसफार्मर, संयन्त्र तथा उपकरण भी शामिल होंगे।
- 8.7 वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित लागतों में शामिल होंगी; (अ) उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय की व्यवस्था हेतु स्थापना लागत तथा (बी) उपभोक्ता सेवाएं प्रदान किया जाना, जिनमें मीटरीकरण, बिलिंग, वसूली तथा संबद्ध गतिविधियों पर किये गये व्यय भी सम्मिलित किये जा सकेंगे।
- 8.8 एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी, जो किसी अन्य व्यापार में भी लिप्त है तथा जो कि वितरण व्यापार की परिसम्पत्तियों का उपयोग करता हो, वह उसके अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापार तथा ऐसे अन्य व्यापार के पृथक लेखे संधारित करेगा तथा इन्हें आयोग को प्रस्तुत करेगा।
- 8.9 आयोग, सम्पूर्ण विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि बाबत, इन विनियमों में अर्न्तनिहित सिद्धान्तों पर आधारित वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत चक्रण तथा प्रदाय गतिविधियों बाबत सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता का अनुमोदन कर सकेगा एवं वितरण अनुज्ञप्तिधारी को प्राधिकृत अवधि के अन्तर्गत उपभोक्ताओं से प्रभारों की वसूली बाबत प्राधिकृत कर सकेगा। बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्तों के आधार पर, वितरण अनुज्ञप्तिधारी को विद्युत-दर(टैरिफ) /सत्यापन याचिकाएं विनियम 8.4 में विनिर्दिष्ट की गई विधि के अनुसार दायर करनी होंगी।
- 8.10 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि बाबत, एक बार अनुमोदित की गई सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में इन्हें लागतों तथा राजस्वों की अनियंत्रित विषमताओं के माध्यम से निकाले जाने हेतु केवल वार्षिक समायोजनों की आवश्यकता होगी। समस्त नियंत्रण-योग्य विषमताओं के संबंध में संव्यवहार सामान्य तौर पर विद्युत-दर अवधि के अन्त में किया जाएगा; तथापि, यदि ऐसी विषमताओं की मात्रा प्रचुर हो तो इसकी समीक्षा टैरिफ अवधि के दौरान भी की जा सकेगी। तथापि, वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रतिवर्ष अन्तिम रूप से दिनांक 31 अक्टूबर तक उपभोक्ताओं से प्रभारों की वसूली के संबंध में, उक्त अवधि के उपरांत, जिस हेतु उसे आयोग द्वारा पूर्व में

वसूली हेतु प्राधिकृत किया जा चुका हो, नवीनीकरण चाहे जाने के संबंध में आयोग के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

- 8.11 आयोग, वितरण अनुज्ञप्तिधारी की चक्रण गतिविधि को, आवंटन योग्य व्ययों की वसूली के प्रयोजन से प्रत्येक अनुज्ञप्ति क्षेत्र को, एकल क्षेत्र मानेगा तथा तदनुसार प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी हेतु पृथक-पृथक चक्रण प्रभारों को अवधारित किया जा सकेगा।
- 8.12 आयोग बाधित तथा अबाधित (interruptible and uninterruptible) विद्युत प्रदाय में विभेदीकरण किये जाने का प्रावधान करता है। अबाधित विद्युत प्रदाय अति उच्च दाब वोल्टेज पर किया जाएगा तथा अनुज्ञप्तिधारी 33 केवी पर भी अबाधित वोल्टेज का प्रदाय कर सकेगा, यदि यह तकनीकी रूप से संभव हो तथा यदि उपभोक्ता द्वारा इसके संबंध में मांग की जाए। आयोग, अनुज्ञप्तिधारी को अबाधित विद्युत प्रदाय हेतु एक विद्युत-प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार (Reliability Charge) की वसूली बाबत प्राधिकृत कर सकेगा।
- 8.13 आयोग किसी विशिष्ट अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ताओं से वसूली-योग्य ऊर्जा की प्रति यूनिट औसत लागत का अवधारण उक्त टैरिफ अवधि बाबत अनुज्ञेय की जाने योग्य वितरण हानियों पर यथोचित विचार करते हुए, करेगा।
- 8.14 अनुमोदित सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में विद्युत क्रय लागत, चक्रण व्यय तथा विद्युत प्रदाय व्यय से संबंधित घटक सम्मिलित होंगे तथा ये वितरण अनुज्ञप्तिधारी से विद्युत प्रदाय का लाभ प्राप्त कर रहे समस्त उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे।
- 8.15 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी की सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता का अवधारण करते समय, अनुज्ञप्तिधारी विद्युत लागत के विवरण प्रदान किये जाने के अतिरिक्त, चक्रण (वितरण वायर्स) तथा विद्युत प्रदाय से संबंधित गतिविधियों के संबंध में, पृथक-पृथक लेखांकन विवरण/लागत आवंटन विवरण भी प्रस्तुत करेगा :

अ. ऊर्जा लागत, अर्थात् विद्युत क्रय लागत को आवंटित मर्दे :

- (i) विद्युत क्रय की स्थाई लागत ;
- (ii) विद्युत क्रय की परिवर्तनीय लागत ;
- (iii) अन्तर्राज्यीय पारेषण हानियां ;
- (iv) अन्तर्राज्यीय पारेषण प्रभार ;
- (v) राज्यान्तरिक पारेषण हानियां ;
- (vi) राज्यान्तरिक पारेषण प्रभार; तथा
- (vii) विद्युत क्रय को आरोप्य अन्य कोई प्रभार।

ब. चक्रण गतिविधियों को आवंटित मदों में सम्मिलित होंगे :

- (i) वितरण तंत्र (नेटवर्क) की चक्रण गतिविधि से संबंधित प्रचालन तथा संधारण व्यय;
- (ii) चक्रण गतिविधि से अभिज्ञापित परिसंपत्तियों के संबंध में अवमूल्यन;
- (iii) जहां तक संभव हो अथवा आकल्पन पर आधारित चक्रण गतिविधि से अभिज्ञापित परियोजना ऋणों पर ब्याज तथा वित्त प्रभार ;
- (iv) चक्रण गतिविधि से अभिज्ञापित कार्यकारी पूंजी पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;
- (v) चक्रण गतिविधि को आवंटन योग्य पूंजी पर प्रतिलाभ;
- (vi) पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार; तथा
- (vii) विदेश विनिमय दर परिवर्तन (FERV) से अवेक्षित कटौती अथवा समायोजन की लागत।

स. विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित आवंटन योग्य व्ययों में सम्मिलित होंगे :

- (i) विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित प्रचालन तथा संधारण व्यय;
- (ii) विद्युत प्रदाय गतिविधि से अभिज्ञापित परिसंपत्तियों के संबंध में अवमूल्यन;
- (iii) जहां तक संभव हो अथवा आकल्पन पर आधारित, विद्युत प्रदाय गतिविधि से अभिज्ञापित परियोजना ऋणों पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;
- (iv) विद्युत प्रदाय गतिविधि से अभिज्ञापित कार्यकारी पूंजीगत पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;
- (v) उपभोक्ता प्रतिभूति निक्षेप पर ब्याज;
- (vi) विद्युत प्रदाय गतिविधि को आवंटन योग्य पूंजी पर प्रतिलाभ;
- (vii) डूबन्त तथा संदिग्ध ऋण; तथा
- (viii) पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार।

8.16 इन विनियमों के अन्य उपबंधों के अध्यक्षीन, किसी वित्तीय वर्ष में अनुज्ञेय किये गये व्यय, जिनकी पुनर्प्राप्ति (recovery) की जाना है, अनुवर्ती अवधि हेतु निर्धारित की जाने वाली किसी विद्युत-दर (टैरिफ) के समायोजन के अध्यक्षीन होंगे, यदि आयोग इस संबंध में सन्तुष्ट हो कि वास्तविक वसूल की गई राशि अथवा किये गये व्यय आधिक्य राशि अथवा राशि में कमी के संबंध में अत्यावश्यक हैं तथा वे वितरण अनुज्ञप्तिधारी को आरोप्य किसी भी कारण से नहीं है अथवा उसके नियंत्रण से बाहर किन्हीं परिस्थितियों के कारणों से हैं ।

9. **ईंधन अधिभार (Fuel Surcharge) :**

9.1 जैसा कि अधिनियम की धारा 62(4) में प्रावधानित किया गया है, आयोग द्वारा एक ईंधन अधिभार सूत्र विनिर्दिष्ट किया जा सकेगा तथा विद्युत-दर (टैरिफ) को विनिर्दिष्ट किये गये सूत्र के निबंधनों के अन्तर्गत प्रभारित किये जाने हेतु अनुज्ञेय किया जा सकेगा। किसी विद्युत उत्पादक कंपनी के संबंध में ईंधन प्रभार, जहां इसे अनुज्ञेय किया गया हो, के प्रभाव को उपभोक्ताओं से वसूल किया जा सकेगा तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारी आयोग से ऐसे आदेश जारी किये जाने के संबंध में सम्पर्क कर सकेगा जो कि अधिनियम की धारा 62 (4) के अन्तर्गत आवश्यक हों।

10. **वार्षिक लेखों, प्रतिवेदनों आदि को तैयार करना तथा उनका प्रस्तुतिकरण :**

10.1 प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी लेखों का वार्षिक विवरण-पत्र तथा ऐसी अन्य जानकारी, जैसा कि इसे आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करेगा। वार्षिक लेखे प्रस्तुत किये जाने के अतिरिक्त, वितरण अनुज्ञप्तिधारी को आयोग द्वारा समय-समय पर अधिसूचित विभिन्न विनियमों एवं अनुज्ञप्ति शर्तों की सूचना संबंधी अर्हताओं का भी परिपालन करना होगा।

11. **विद्युत-दर अवधारण में अंतराल (Periodicity of Tariff determination) :**

11.1 किसी एक वित्तीय वर्ष में, विद्युत-दर (टैरिफ) अथवा विद्युत-दर का कोई भी अंश, सामान्यतः एक वर्ष में एक से अधिक बार संशोधित नहीं किया जाएगा। आयोग, स्वयं द्वारा तुष्टि उपरान्त तथा इस हेतु कारण लिखित में अभिलिखित किये जाने के पश्चात् ही, विद्युत-दर एक वर्ष से कम के अन्तराल में इसे संशोधित किये जाने की अनुमति प्रदान कर सकेगा।

12. **सुनवाईयां :**

12.1 विद्युत-दर (टैरिफ) आवेदन पर सुनवाई संबंधी प्रक्रिया, मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी अथवा उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन देने की रीति एवं इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004, जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, में विनिर्दिष्ट अनुसार होगी।

13. याचिका की अभिस्वीकृति तथा आयोग के आदेश (**Admission of the Petition and Orders of the Commission**) :

- 13.1 अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के साथ-साथ सत्यापन याचिका से संबंधित प्रस्तुत की गई याचिका को एक प्रावधिक प्राप्ति क्रमांक (Provisional receipt number) आवंटित किया जाएगा। याचिका में प्रस्तुत की गई अपूर्ण जानकारी अथवा वांछित अतिरिक्त जानकारी के संबंध में आयोग द्वारा अनुज्ञप्तिधारी को संसूचित किया जाएगा। आयोग द्वारा चाही गई जानकारी को, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विनिर्दिष्ट की गई समय-सीमा के अन्तर्गत प्रस्तुत करना होगा जिसका परिपालन न किये जाने की दशा में याचिका को निरस्त कर दिया जाएगा तथा इसे अनुज्ञप्तिधारी को लौटा दिया जाएगा। याचिका को स्वीकार किया गया उसी दशा में माना जाएगा जबकि इसे अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण जानकारी के साथ-साथ अतिरिक्त वांछित जानकारी सहित प्रस्तुत किया जाए। इस प्रकार स्वीकार की गई याचिका को आयोग द्वारा अन्तिम याचिका क्रमांक आवंटित किया जाएगा।
- 13.2 किसी याचिका की अभिस्वीकृति होने पर, आयोग वितरण अनुज्ञप्तिधारी से किसी अधिक जानकारी, विवरण, दस्तावेज, सार्वजनिक अभिलेख आदि, जैसा कि आयोग उचित समझे, की मांग कर सकेगा ताकि आयोग याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत गणनाओं, अनुमानों एवं अभिकथनों के मूल्यांकन हेतु समर्थ हो सके।
- 13.3 जानकारी प्राप्त होने पर अथवा अन्यथा, आयोग मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी अथवा उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन देने की रीति एवं इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम 2004 जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, के उपबंधों के अनुरूप समुचित आदेश जारी कर सकेगा।

14. अनुमोदित विद्युत दर से भिन्न दर पर प्रभारित किये जाने पर कार्यवाही (**Charging of Tariff other than approved**) :

- 14.1 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी को, जिसे उपभोक्ताओं से आयोग द्वारा अनुमोदित से अधिक विद्युत-दर (टैरिफ) प्रभारित करते हुए पाया जाएगा, के संबंध में यह माना जाएगा कि उसके द्वारा आयोग के आदेशों का परिपालन नहीं किया गया है तथा उसे अधिनियम की धारा 146 और/या धारा 149 के अन्तर्गत तथा अधिनियम के अन्य उपबंधों के अन्तर्गत अनुज्ञप्तिधारी द्वारा देय तथा अन्य किसी दायित्व के, बिना किसी पक्षपात दण्डित किये जाने की पात्रता होगी। ऐसे प्रकरण में जहां वसूल की गई राशि, आयोग द्वारा अनुज्ञेय की गई राशि से अधिक हो तो इस प्रकार अधिक वसूल की गई राशि को उपभोक्ताओं को, जिनके द्वारा अधिक राशि का भुगतान किया गया है, मय उक्त अवधि के साधारण ब्याज के साथ, जिसकी दर भारतीय

स्टेट बैंक की तत्संबंधी वर्ष की दिनांक 1 अप्रैल की स्थिति में अल्पावधि प्रधान ऋण-प्रदाय दर के बराबर होगी, प्रत्यर्पण (रिफंड) किया जाएगा।

15. विद्युत-दर आदेश अवधि के दौरान तथा उसके अन्त में समीक्षा (Review during and at the end period of Tariff Period) :

- 15.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विनिर्दिष्ट की गई नियतकालिक विवरणिकाएं (returns) प्रस्तुत की जाएंगी जिसमें प्रचालन तथा लागत आंकड़े सम्मिलित किये जाएंगे जिससे आयोग को आदेश के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण किया जाना सुलभ हो।
- 15.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उसके अनुपालन तथा लेखों के वार्षिक विवरण-पत्रों के साथ-साथ अंकक्षित लेखों के नवीनतम प्रतिवेदन आयोग को प्रस्तुत किये जाएंगे।
- 15.3 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु, विद्युत विक्रयों को हानियों के अनुज्ञेय स्तर द्वारा समेकित किया जाएगा जैसा कि इसे बहुवर्षीय टैरिफ प्रक्षेप-वक्र (ट्रेजेक्टरी) में ऊर्जा क्रय लागत को प्राक्कलित किये जाने हेतु दर्शाया गया हो जो कि विनियमों के अनुसार न्यायसंगत विद्युत क्रय मिश्र के अन्तर के अध्यक्षीन होगा (उदाहरणतया, अल्प वर्षा की स्थिति में ताप ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों से अधिक विद्युत की मात्रा क्रय की जाएगी)।
- 15.4 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के दौरान कतिपय अन्य अनुमोदित लागतों की किन्ही विषमताओं पर, आयोग द्वारा केवल उसी दशा में विचार किया जाएगा यदि अनुज्ञप्तिधारी आयोग की तुष्टि हेतु यह सिद्ध कर सके कि ये विषमताएं उसके युक्तियुक्त नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों के घटकों के कारण हैं। नियंत्रण-योग्य कारणों के अन्तर्गत विषमताओं पर भी उसी दशा में विचार किया जाएगा यदि इनका अनुज्ञप्तिधारी के व्यापार पर ठोस प्रभाव पड़ता हो।
- 15.5 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि की समाप्ति से कम से कम बारह माह पूर्व, आयोग इन विनियमों में निहित मानदण्डों एवं दीर्घ-अवधि विद्युत-दर (टैरिफ) सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा प्रारंभ करेगा।
- 15.6 ऐसी समीक्षा दीर्घ-अवधि सिद्धान्तों के कार्यान्वयन के विश्लेषण के उद्देश्य से तथा मानदण्डों, सिद्धान्तों, प्रक्रियाओं एवं कार्य-विधि में संशोधन अथवा उन्नयन की दृष्टि से की जाएगी।

अध्याय – दो विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धांत

16. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण संबंधी याचिका :

- 16.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी इन विनियमों के अध्याय-1 में उपबंधों के परिपालन में ऐसे प्ररूपों (Forms) में संलग्न कर, जैसा कि इन्हें मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी अथवा उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन देने की रीति एवं इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम 2004, जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया जाए, में विनिर्दिष्ट किया गया हो, के अनुसार तथा आयोग द्वारा इन विनियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट सिद्धान्तों के आधार पर विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण बावत एक याचिका दायर करेगा। ये सिद्धांत दिनांक 01 अप्रैल, 2010 से कार्यान्वित किये जाएंगे तथा दिनांक 31 मार्च, 2013 तक की अवधि तक लागू रहेंगे।
- 16.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं को दिनांक 1.4.2010 से प्रारम्भ होने वाली अवधि से प्रावधिक तौर पर दिनांक 31.3.2010 को प्रयोज्य दर पर देयक प्रस्तुत किया जाना जारी रखेगा जब तक कि आयोग द्वारा नवीन विनियमों के अनुसार विद्युत-दर (टैरिफ) का अनुमोदन नहीं कर दिया जाता है।

17. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार :

- 17.1 जैसा कि उल्लेख किया गया है, बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्त दिनांक 1 अप्रैल, 2010 से तीन वर्षों की अवधि हेतु लागू होंगे तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारी को तदनुसार टैरिफ निर्धारण अवधि हेतु अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने अनिवार्य होंगे।
- 17.2 आयोग द्वारा विद्युत चक्रण तथा प्रदाय व्यय प्रति वर्ष अवधारित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त, आयोग द्वारा वितरण तंत्र (नेटवर्क) हेतु वांछित अप्रत्याशित अतिरिक्त तथा असाधारण निवेश के कारण चक्रण तथा व्ययों में परिवर्तन को सत्यापन याचिकाओं की प्राप्ति होने पर अनुज्ञेय किया जा सकेगा।

18. पूंजीगत लागत एवं पूंजीगत ढांचा :

- 18.1 किसी परियोजना की पूंजीगत लागत में निम्न सम्मिलित होंगे :

अ. कार्य के मूल प्रावधान के अनुसार उपगत (incurred) किया गया व्यय अथवा जिसे व्यय किया जाना प्रक्षेपित किया गया हो, जिसमें निर्माण अवधि के दौरान ब्याज तथा वित्तीय प्रबंधन प्रभार सम्मिलित होंगे परंतु प्रारंभिक पूंजीगत कलपुर्जे (Spares) शामिल न होंगे तथा परियोजना की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि तक विदेश विनिमय दर परिवर्तन (Foreign Exchange Rate Variation-FERV) के कारण कोई लाभ तथा हानि, जैसा कि ये आयोग द्वारा युक्तियुक्त

जांच-पड़ताल के उपरान्त स्वीकार किये गये हों, विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार बनेंगे।

ब. प्रारंभिक कल-पुर्जों की पूंजीगत राशि, जो निम्न उच्चस्थ मानदण्डों के अध्यधीन होगी :

- (i) तन्तुपथ (लाईनें) –मूल परियोजना लागत का 0.75%
- (ii) उपकेन्द्र –मूल परियोजना लागत का 2.50%
- (iii) अन्य यन्त्र जैसे कि कैपेसिटर, आदि-मूल परियोजना लागत का 3.50%

18.2 आयोग द्वारा युक्तियुक्त जांच-पड़ताल के उपरान्त अनुज्ञेय की गई पूंजीगत लागत ही विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार बनेगी। युक्तियुक्त जांच-पड़ताल में सम्मिलित पहलू होंगे-पूंजीगत व्यय, वित्तीय प्रबंधन योजना, निर्माण अवधि के दौरान ब्याज, दक्ष प्रौद्योगिकी का प्रयोग, लागत-आधिक्य (Cost Over-run) तथा समय-आधिक्य (Time Over-run) का पाया जाना तथा ऐसे अन्य विषय जिन्हें आयोग द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु उपयुक्त पाया जाए :

बशर्ते यह कि विद्यमान परियोजनाओं के प्रकरणों में, दिनांक 1.4.2010 से पूर्व स्वीकार की गई पूंजीगत लागत, पूंजीगत लागत के अवधारण का आधार बनेगी।

18.3 पूंजी (इक्विटी) एवं ऋण के आनुपातिक अंशदान के संबंध में पूंजीगत लागत की पुनर्संरचना को विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के दौरान अनुज्ञेय किया जा सकेगा, बशर्ते यह विद्युत-दर (टैरिफ) को विपरीतात्मक प्रभावित न करे। इस प्रकार प्राप्त की पुनर्संरचना द्वारा प्राप्त कतिपय लाभ को उपभोक्ताओं को अन्तरित कर दिया जाएगा जैसा कि आयोग द्वारा इस बाबत विनिर्दिष्ट किया जाए।

19. ऋण-पूंजी अनुपात (Debt-Equity Ratio) :

19.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के प्रयोजन से पूर्ण रूप से निर्मित की गई परिसम्पत्तियों हेतु कुल लगाई गई पूंजी पर ऋण-पूंजी (इक्विटी) अनुपात विनियम 19.2 के अध्यधीन 70:30 होगा। इस विनियम के अनुसार मूल्यांकित की गई ऋण-पूंजी राशि को ऋण पर ब्याज, पूंजी (इक्विटी) पर प्रतिलाभ, अवमूल्यन तथा विदेश विनिमय दर परिवर्तन की गणना हेतु प्रयोग किया जाएगा।

19.2 किसी परियोजना हेतु जिसे दिनांक 1.4.2010 को अथवा इसके उपरान्त वाणिज्यिक प्रचालन के अंतर्गत घोषित किया गया हो, यदि वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी, पूंजीगत लागत से 30 प्रतिशत अधिक हो तो 30 प्रतिशत से अधिक पूंजी को मानदण्डीय ऋण (Normative Loan) माना जाएगा :

बशर्ते जहां वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी, पूंजीगत लागत से 30 प्रतिशत कम हो तो ऐसे प्रकरण में विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी को ही मान्य किया जाएगा ।

बशर्ते यह भी कि विदेशी मुद्रा में निवेशित की गई पूंजी को प्रत्येक निवेश तिथि को भारतीय रूपयों में नामोद्दिष्ट (Designated) किया जाएगा ।

व्याख्या : वितरण अनुज्ञापतिधारी द्वारा परियोजना के वित्तीय पोषण हेतु उसकी मुक्त संचिति (Free reserve) में से सृजित आन्तरिक स्रोतों की अंशपूजी तथा पूंजी निवेश जारी करते समय अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि, यदि कोई हो, को पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना हेतु चुकाई गई पूंजी के रूप में गणना की जाएगी बशर्ते ऐसी अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि तथा आन्तरिक स्रोतों को वितरण प्रणाली के पूंजीगत व्यय की आपूर्ति हेतु वास्तविक रूप से उपयोग में लाया जाए ।

- 19.3 ऐसे प्रकरण में, जहां वितरण प्रणाली को दिनांक 1.4.2010 से पूर्व वाणिज्यिक प्रचालन के अन्तर्गत घोषित किया गया हो, आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2010 को समाप्त होने वाली अवधि के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु अनुज्ञेय किये गये ऋण-पूंजी (इक्विटी) अनुपात को ही मान्य किया जाएगा ।

20. कार्यकारी पूंजी (Working Capital) :

- 20.1 अनुज्ञापतिधारी की विद्युत प्रदाय गतिविधि हेतु कार्यकारी पूंजी में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :

- (i) एक माह की विद्युत क्रय लागत तथा दो माह की औसत बिलिंग के बराबर प्राप्ति-योग्य सामग्रियों के मूल्य में से कोई उपभोक्ता प्रतिभूति राशि को घटा करके,
- (ii) एक माह के प्रचालन एवं संधारण व्यय, तथा
- (iii) पिछले वर्ष की वार्षिक आवश्यकता पर आधारित दो माह की अवधि हेतु सामग्री की सूची (इन्वेंटरी) [विद्युत प्रदाय गतिविधि में मापयंत्र (मीटर), मापयंत्र उपकरण तथा जांच उपकरण विशेष रूप से सुसंगत होंगे]

- 20.2 अनुज्ञापतिधारी की चक्रण गतिविधि हेतु कार्यकारी पूंजी में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :

- (i) एक माह के प्रचालन एवं संधारण व्यय, तथा
- (ii) दो माह की अवधि हेतु सामग्री की सूची (इन्वेंटरी) (मापयंत्रों, आदि को छोड़कर जिन्हें कि विद्युत प्रदाय गतिविधि का अंग माना गया है) जो कि वार्षिक

आवश्यकता पर आधारित होगी तथा जिसे पिछले वर्ष की सकल स्थायी परिसम्पत्तियों के 1 प्रतिशत की दर से माना जाएगा।

20.3 उपरोक्त दर्शाये गये मानदण्ड विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु प्रयोज्य होंगे।

21. व्यवसाय योजना तथा पूंजीगत निवेश (Business Plan and Capital Investment) :

21.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी प्रतिवर्ष माह जुलाई में एक व्यवसाय योजना प्रस्तुत करेगा जो आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप, इस विषय में विस्तृत पूंजी निवेश योजना, वित्त-प्रबंधन योजना तथा भौतिक लक्ष्यों तक ही सीमित न होते हुए भार में अभिवृद्धि, वितरण हानियों में कमी, विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार, विश्वसनीयता, मीटरीकरण आदि की आपूर्ति हेतु भी होगा।

21.2 पूंजीगत योजना में पृथक से निर्माणाधीन परियोजनाएं, जिनका कार्य विचाराधीन आगामी वर्ष के दौरान भी जारी रहेगा तथा इसके साथ नवीन परियोजनाएं (औचित्य दर्शाते हुए) जो टैरिफ अवधि में प्रारंभ तो की जाएंगी परन्तु जो टैरिफ अवधि के अंतर्गत अथवा उसके उपरांत ही पूर्ण की जा सकेंगी, दर्शाई जाएंगी। आयोग अनुज्ञप्तिधारी की पूंजी निवेश योजना पर विचार करेगा तथा इसे अनुमोदन प्रदान करेगा जिस हेतु अनुज्ञप्तिधारी को सुसंगत तकनीकी एवं वाणिज्यिक विवरण प्रस्तुत करने अनिवार्य होंगे। विद्युत-दर (टैरिफ) आवेदन प्रस्तुत करने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी को पूंजी निवेश योजना को नियमित रूप से आयोग से अनुमोदन कराना होगा।

21.3 अनुमोदित पूंजी निवेश हेतु ऋण तथा पूंजी (इक्विटी) का अनुपात विनियम 19 के अनुरूप होगा।

22. विक्रयों का आकलन (Estimation of Sales) :

22.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु विक्रयों का आकलन पिछले चार वर्षों के श्रेणीवार तथा खण्डवार (Slab-wise) विद्युत के विक्रय, उपभोक्ता संख्या, संयोजित/संविदाकृत भार, आदि के वास्तविक/अंकेक्षित आंकड़ों पर आधारित होगा। विद्युत-दर अवधि हेतु उपरोक्त उल्लेखित मानदण्डों के वर्षवार आकलन भी विद्युत-दर याचिका के साथ प्रस्तुत किये जाएंगे।

22.2 पूर्व वर्षों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि, विद्युत खपत, विद्युत की मांग तथा पूर्व के वर्षों में हानियों में कमी के रुझान के औचित्य तथा आगामी वर्षों में प्रत्याशित वृद्धि तथा अन्य कोई घटक, जो कि आयोग द्वारा युक्तिसंगत समझे जाएं, का परीक्षण आयोग द्वारा किया जा सकेगा तथा अनुवर्ती रूप से अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा क्रय की जाने वाली विद्युत की मात्रा मय ऐसे संशोधनों के जो उचित समझे जाएं, का अनुमोदन किया जाएगा।

- 22.3 ऐसे किसी आकलन हेतु वितरण अनुज्ञप्तिधारी को निम्न दर्शाये अनुसार जानकारी देनी होगी:
- अ. उसकी प्रणाली का उपयोग कर रहे श्रेणीवार खुली पहुंच के उपभोक्ताओं, व्यापारियों तथा अन्य अनुज्ञप्तिधारियों की संख्या। उपभोक्ताओं के संबंध में मांग तथा चक्रित ऊर्जा निम्नानुसार पृथक-पृथक दर्शाई जाएगी :
- i. विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के अन्दर, तथा
 - ii. विद्युत आपूर्ति क्षेत्र से बाहर
- ब. विद्युत व्यापारियों अथवा अन्य वितरण अनुज्ञप्तिधारियों हेतु विद्युत का विक्रय, यदि कोई हो, तो इसका पृथक से उल्लेख किया जाएगा।
- 22.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अमीटकरीकृत उपभोक्ता श्रेणियों हेतु वितरण ट्रांसफार्मर मीटरीकरण के माध्यम से प्रतिनिधि नमूने/अंकेक्षण आदि द्वारा विद्युत खपत को प्रमाणित करना होगा। ऐसे ऊर्जा अंकेक्षण/प्रतिनिधि नमूनों/वितरण ट्रांसफार्मर मीटरीकरण, आदि के अभाव में, वितरण अनुज्ञप्तिधारियों के दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा विद्युत खपत का आकलन ऐसे मानदण्डों पर आधारित होगा जैसा कि आयोग द्वारा इन्हें उचित समझा जाए।

23. वितरण हानियां (Distribution Losses) :

- 23.1 म.प्र. शासन ने राष्ट्रीय विद्युत नीति की धारा 5.8.10 तथा टैरिफ नीति की धारा 5.8(बी)(2) के अनुसार अपने आदेश क्रमांक 8414/13/2006 दिनांक 28 दिसम्बर, 2006 के अनुसार हानि संबंधी प्रक्षेप-वक्र (Trajectory) निर्दिष्ट की है। आयोग द्वारा हानि संबंधी प्रक्षेप-वक्र (ट्रेजक्टरी) विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण के प्रयोजन हेतु अपनाया गया था। राष्ट्रीय विद्युत नीति की कथित धारा के अंतर्गत राज्य शासन से 5 वर्षों की अवधि हेतु हानि प्रक्षेप-वक्र निर्दिष्ट किया जाना चाहा गया था जो अवधि वित्तीय वर्ष 2010-11 तक समाप्त हो जाएगी। म.प्र. शासन द्वारा पुनः अपने प्रस्तुतिकरण में पत्र क्रमांक 8674 दिनांक 26 नवम्बर, 2009 द्वारा 2010-11 से 2012-13 तक के वर्षों हेतु हानि प्रक्षेप-वक्र का सुझाव प्रस्तुत किया था जिसमें उनके द्वारा माह दिसम्बर, 06 में पूर्व में संसूचित वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु भी हानियों के पुनरीक्षित लक्ष्य भी शामिल किये गये थे। आयोग द्वारा म.प्र. शासन द्वारा तैयार किये सुझावों के साथ-साथ भारत सरकार विद्युत मंत्रालय द्वारा विषय "एपीडीआरपी की पुनर्संरचना (Restructuring of APDRP)" पर गठित कार्यदल में हानियों में कमी हेतु की गई अनुशंसाओं तथा आपत्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर भी विचार किया गया है। आयोग ने विद्युत वितरण कंपनियों के बिगड़ते हुए वित्तीय स्वास्थ्य को, जो कि मौलिक रूप से विनिर्दिष्ट की गई हानियों को नियंत्रित न रखे जाने में उनकी असमर्थता के कारण है, को दृष्टिगत रखा है। वितरण हानि स्तर का प्रक्षेप-वक्र, जैसा कि आयोग द्वारा वितरण अनुज्ञप्तिधारियों हेतु समुचित माना गया है, निम्न तालिका में दर्शाया गया है :

(आंकड़े प्रतिशत में)

सरल क्रमांक	वितरण अनुज्ञप्तिधारी	वित्तीय वर्ष 2011	वित्तीय वर्ष 2012	वित्तीय वर्ष 2013
1	पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	30	27	24
2	पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	26	24	22
3	मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	33	29	26

23.2 यदि वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा हानियां कम किये जाने में तीव्र गति लाई जाती है तथा इस प्रकार वह विद्युत क्रय पर होने वाले व्यय में बचत करता है तो इस प्रकार प्राप्त किये गये लाभ अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उनकी परिचालन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किये जाने हेतु अपने स्वयं के पास धारित रखा जाना अनुज्ञेय किया जाएगा।

24. विद्युत क्रय की आवश्यकता का आकलन एवं उपलब्धता (Estimate of Power Purchase Requirement and Availability) :

24.1 विनियम 22 के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के प्राक्कलित विक्रय को विनियम 23.1 में दर्शाई गई प्रतिशत हानियों के अनुसार समेकित किया जाएगा जिसके अनुसार उक्त वर्ष हेतु अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत क्रय आवश्यकताओं का आंकड़ा प्राप्त किया जाएगा। विनिर्दिष्ट वितरण हानियों के अतिरिक्त, उक्त वर्ष हेतु दोनों अन्तर्राज्यीय तथा राज्यान्तरिक वितरण प्रणालियों हेतु वितरण हानियों को भी अनुज्ञेय किया जाएगा।

24.2 विद्युत वितरण कम्पनीवार विद्युत की उपलब्धता म.प्र. शासन द्वारा समय-समय पर अधिसूचित आवंटन के अनुसार होगी। समग्र उपलब्धता का अवधारण करते समय, कैप्टिव विद्युत संयंत्रों तथा किसी अन्य स्रोत से उपलब्धता पर भी विचार किया जाएगा।

24.3 इसके अतिरिक्त, आयोग ने अधिनियम की धारा 86(1)(ई) की अर्हता के अनुसार, वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अपारम्परिक/अक्षय ऊर्जा स्रोतों से क्रय की जाने वाली विद्युत की मात्रा भी निर्दिष्ट की है। विद्युत की समग्र आवश्यकता में ऐसे स्रोतों से विद्युत की उपलब्धता को भी सम्मिलित किया जाएगा।

25. विद्युत क्रय की लागत का आकलन (Estimation of Power Purchase Cost) :

25.1 राज्य विद्युत उत्पादक स्टेशनों से विद्युत क्रय की लागत आयोग द्वारा समय-समय पर अवधारित / अनुमोदित विद्युत-दर (टैरिफ) के आधार पर की जाएगी। केन्द्रीय क्षेत्र के स्टेशनों से विद्युत क्रय की लागत प्रयोज्य केन्द्रीय विद्युत-नियामक आयोग द्वारा समय-समय पर प्रयोज्य आदेशों पर आधारित होगी।

- 25.2 मध्यप्रदेश राज्य द्वारा अन्य राज्य(ों) के सहयोग से निष्पादित की गई परियोजनाओं के संबंध में, आयोग टैरिफ का अवधारण अन्य संबंधित विद्युत नियामक आयोगों के परामर्श से करेगा यदि यह दायित्व केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग को सौंपा न गया हो।
- 25.3 अन्य विद्युत उत्पादक कंपनियों, व्यापारियों तथा अन्य वितरण अनुज्ञप्तिधारियों से प्राप्त की गई विद्युत क्रय की लागत, आयोग द्वारा अनुमोदित विद्युत क्रय अनुबंधों तथा व्यापारिक व्यवस्थाओं के अनुसार की जाएगी जो कि इस शर्त के अध्यधीन होगी कि वितरण अनुज्ञप्तिधारी समुचित विनियमों के अनुसार आयोग से ऐसी व्यवस्थाओं के संबंध में पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेंगे।
- 25.4 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी के उत्पादन संयंत्र द्वारा उत्पादित विद्युत की लागत तथा उपभोक्ताओं को किये गये इसके विक्रय का निर्धारण आयोग द्वारा अवधारित विद्युत-दर (टैरिफ) पर आधारित होगा।
- 25.5 कैप्टिव विद्युत संयंत्रों से अधिप्राप्त की गई (Procured) विद्युत की लागत आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी।
- 25.6 विद्युत वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा ऊर्जा के अपारंपरिक/अक्षय ऊर्जा स्रोतों (Non Conventional / Renewable Sources of Energy) से क्रय की जाने वाली विद्युत की लागत आयोग द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाएगी। विद्युत की अधिप्राप्ति (Procurement) की लागत का आकलन करते समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा यह लागत सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में शामिल की जाएगी।
- 25.7 किसी वर्ष में क्रय की गई ऊर्जा से संबंधित कोई वित्तीय हानि, जो अतिरिक्त हानियों की आपूर्ति हेतु वहन की गई हो तथा अनुमोदित स्तर से अधिक हो, को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन किया जाएगा।

26. पारेषण अनुज्ञप्तिधारियों को भुगतान योग्य प्रभार (Charges Payable to Transmission Licensees) :

- 26.1 राज्य के बाहर से क्रय की गई विद्युत हेतु केन्द्रीय पारेषण अनुज्ञप्तिधारियों की पारेषण प्रणाली का उपयोग किये जाने पर, पारेषण प्रभारों को केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार मान्य किया जाएगा।
- 26.2 राज्य पारेषण अनुज्ञप्तिधारी की राज्य पारेषण प्रणाली के उपयोग हेतु पारेषण प्रभार आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार होंगे।

27. वितरण विद्युत-दर (टैरिफ) :

- 27.1 विद्युत के वितरण हेतु विद्युत-दर (टैरिफ) में विद्युत क्रय लागत, चक्रण लागत तथा विद्युत प्रदाय लागत सम्मिलित होगी जिसके घटक विनियम 8.15 में विनिर्दिष्ट अनुसार होंगे।

28. पूंजी पर प्रतिलाभ (Return on Equity) :

- 28.1 पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना, चुकाई गई पूंजी पर रूपयों के रूप में, विनियम 19 के अनुसार अवधारित की जाएगी।
- 28.2 पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना 16% की दर पर पूर्व-कर (Pre-tax) आधार पर की जाएगी। आयकर के भुगतान पर किये गये व्ययों को वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापार पर वास्तविक आधार पर अतिरिक्त रूप से अनुज्ञेय किया जाएगा।
- 28.3 पूंजीगत अंशदान जारी करते समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उत्थापित (raised) अधिमूल्य (प्रीमियम) एवं सुरक्षित कोष से सृजित आंतरिक संसाधनों का निवेश, यदि कोई हो, की गणना चुकाई गई पूंजी पर बतौर पूंजी (इक्विटी) पर प्रतिलाभ के अनुरूप की जाएगी बशर्ते ऐसी अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि एवं आंतरिक संसाधन वास्तविक तौर पर पूंजीगत व्यय की आपूर्ति हेतु उपयोग किये जाएं तथा अनुमोदित वित्तीय प्रस्तावों (पैकेज) का भाग बनें। प्रतिलाभ की संगणना के प्रयोजन हेतु, पूंजीगत व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु सुरक्षित कोष के भाग को उस तिथि से, जब से वह विद्युत वितरण व्यापार में उत्पादकता हेतु प्रयुक्त किया गया हो, माना जाएगा।

29. ब्याज एवं ऋण पूंजी पर वित्तीय प्रभार (Interest and Finance charges on Loan Capital) :

- 29.1 ऋण पर ब्याज की गणना के प्रयोजन हेतु विनियम 19 में दर्शाई गई विधि अनुसार प्राप्त किये गये ऋण, सकल मानदण्डीय ऋण माने जाएंगे।

- 29.2 दिनांक 1.4.2010 की स्थिति में बकाया मानदण्डीय ऋणों की गणना आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2010 तक अनुज्ञेय किये गये सकल मानदण्डीय ऋण में से संचिति (Cumulative) अदायगी को घटाकर की जायेगी।
- 29.3 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि 2010-11 से 2012-13 के प्रत्येक वर्ष हेतु अदायगी को उक्त वर्ष हेतु अनुज्ञेय किये गये अवमूल्यन के बराबर माना जाएगा।
- 29.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा भले ही कोई भी विलम्बकाल अवधि (Moratorium period) का लाभ लिया गया हो, ऋण की अदायगी को परियोजना के वाणिज्यिक प्रचालन के प्रथम वर्ष से ही माना जाएगा तथा यह वार्षिक अनुज्ञेय किये गये अवमूल्यन के समतुल्य होगा।
- 29.5 ब्याज की दर, ब्याज की भारित औसत दर के बराबर होगी, जिसकी गणना, परियोजना हेतु प्रयोज्य प्रत्येक वर्ष के प्रारम्भ में वास्तविक ऋण की श्रेणी (Portfolio) के आधार पर की जाएगी :
- बशर्ते यह कि यदि किसी विशिष्ट वर्ष में कोई वास्तविक ऋण न हो परन्तु मानदण्डीय ऋण अभी भी बकाया हो तो ऐसी दशा में अन्तिम उपलब्ध भारित औसत ब्याज दर मानी जाएगी।
- बशर्ते यह भी कि यदि वितरण प्रणाली में वास्तविक ऋण लंबित न हो तो ऐसी दशा में वितरण अनुज्ञप्तिधारी की समग्र रूप से भारित औसत ब्याज दर मानी जाएगी।
- 29.6 ऋण पर ब्याज की गणना वर्ष के मानकीकृत औसत ऋण पर भारित औसत ब्याज दर की प्रयुक्ति द्वारा की जाएगी।
- 29.7 वितरण अनुज्ञप्तिधारी ऋण की पुनर्वित्त (Refinance) व्यवस्था हेतु समस्त संभव प्रयास करेगा जब तक यह ब्याज पर सकल बचतों में परिणत हों तथा ऐसी दशा में ऐसी पुनर्वित्त व्यवस्था हेतु संबद्ध लागतों को उपभोक्ताओं द्वारा वहन किया जाएगा तथा इस प्रकार की गई सकल बचत को उपभोक्ताओं तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारी के मध्य 1 : 1 के अनुपात में बांटा जाएगा।
- 29.8 ऋणों की निबंधन तथा शर्तों में किये गये परिवर्तनों को इस प्रकार की गई पुनर्वित्त व्यवस्था की तिथि से दर्शाया जाएगा।
- 29.9 अनुज्ञप्तिधारी के पास जमा किये गये प्रतिभूति निक्षेपों पर ब्याज प्रभारों को आयोग द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की गई दर पर मान्य किया जाएगा।

30. अवमूल्यन (Depreciation) :

- 30.1 विद्युत-दर (टैरिफ) के प्रयोजन हेतु, अवमूल्यन की गणना निम्न विधि द्वारा की जाएगी :

- ए. अवमूल्यन के प्रयोजन हेतु मूल्य आधार (value base) परिसम्पत्तियों की पूंजीगत लागत होगा जैसा कि आयोग द्वारा इसे अनुज्ञेय किया जाए।
- बी. अनुमोदित/स्वीकृत लागत में विदेशी मुद्रा की निधि की प्राप्ति (फंडिंग) सम्मिलित होगी जिसे कि वास्तविक तिथि को प्राप्त की गई विदेशी मुद्रा पर प्रचलित विनिमय दर पर समतुल्य रूपों में परिवर्तित किया जाएगा।
- सी. परिसम्पत्ति का उपादेय मूल्य (Salvage Value) 10 प्रतिशत माना जाएगा तथा अवमूल्यन को परिसम्पत्ति की पूंजीगत लागत के अधिकतम 90 प्रतिशत तक अनुज्ञेय किया जाएगा।
- डी. पट्टे पर ली गई भूमि के अतिरिक्त किसी भी भूमि को अवमूल्यन योग्य परिसम्पत्ति नहीं माना जाएगा तथा परिसम्पत्ति के अवमूल्यन-योग्य मूल्य की गणना करते समय इसकी लागत को पूंजीगत लागत में से पृथक कर दिया जाएगा।
- ई. अवमूल्यन की गणना प्रतिवर्ष "सरल रेखा विधि (Straight Line Method)" के आधार पर तथा वितरण प्रणाली की परिसम्पत्तियों हेतु जो दिनांक 31.03.2010 के उपरान्त वाणिज्यिक प्रचालन हेतु घोषित की जाती हैं परिशिष्ट-3 (Appendix-III) में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार की जाएगी :

बशर्ते यह कि वर्ष के 31 मार्च की स्थिति में अवशेष अवमूल्यन-योग्य मूल्य को वाणिज्यिक प्रचालन तिथि के 12 वर्षों की अवधि के उपरान्त परिसम्पत्तियों के अवशेष उपयोगी जीवनकाल के अन्तर्गत विस्तारित कर दिया जाएगा।

बशर्ते यह भी कि परिसम्पत्ति के सृजन हेतु उपभोक्ता के अंशदान अथवा पूंजीगत सहायतानुदान/अनुदान आदि को आयोग द्वारा समय-समय पर जारी की गई अधिसूचना के अनुसार संव्यवहारित किया जाएगा।

- एफ. विद्यमान परियोजनाओं के प्रकरणों में, दिनांक 1.4.2010 की स्थिति में अवशेष अवमूल्यन मूल्य की गणना आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2010 तक स्वीकार की गई परिसम्पत्तियों के सकल अवमूल्यन योग्य मूल्य में अवमूल्यन के विरुद्ध अग्रिम राशि को सम्मिलित कर, में से संचयी अवमूल्यन को घटाकर की जाएगी। अवमूल्यन दर को परिशिष्ट-2 में विनिर्दिष्ट दर पर प्रभारित किया जाना जारी रखा जाएगा जब तक संचयी अवमूल्यन 70% तक पहुंच नहीं जाता। तत्पश्चात्, अवशेष अवमूल्यन योग्य मूल्य को परिसम्पत्ति के अवशेष जीवनकाल के अंतर्गत इस प्रकार विस्तारित किया जाएगा ताकि अधिकतम अवमूल्यन की बढ़ोत्तरी 90% से अधिक न हो।

जी. अवमूल्यन वाणिज्यिक प्रचालन के प्रथम वर्ष से आदेय (chargeable) होगा। यदि परिसम्पत्ति का वाणिज्यिक प्रचालन वर्ष के एक अंश हेतु हो तो अवमूल्यन को *आनुपातिक दर (Pro-rata)* पर प्रभारित किया जाएगा।

31 पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार (Lease/Hire Purchase Charges) :

31.1 पट्टे (लीज) पर ली गई परिसम्पत्तियों हेतु पट्टा प्रभारों पर वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा पट्टा संबंधी अनुबंध अनुसार विचार किया जा सकेगा बशर्ते आयोग द्वारा प्रभारों को युक्तियुक्त समझा जाए।

32. प्रचालन एवं संधारण व्यय (Operation & Maintenance Expenses) :

32.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि हेतु, प्रचालन एवं संधारण व्ययों का अवधारण इन विनियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट मानदण्डीय प्रचालन एवं संधारण व्ययों पर आधारित होगा। प्रचालन एवं संधारण व्ययों में सम्मिलित होंगे : कर्मचारी लागत, मरम्मत एवं संधारण (R&M) लागत और प्रशासनिक एवं सामान्य (A&G) लागत। प्रचालन एवं संधारण व्ययों के मानदण्ड वितरण अनुज्ञप्तिधारियों के मीटरीकृत विक्रय तथा सकल स्थाई परिसम्पत्तियों (Gross Fixed Assets-GFA) के आधार पर निर्धारित किये गये हैं। इन मानदण्डों में कर्मचारियों को भुगतान की जाने वाली पेंशन, टर्मिनल प्रसुविधाएं, प्रोत्साहन, शासन को देय कर, म.प्र. राज्य विद्युत मण्डल व्यय तथा मप्रविनिआ को देय शुल्क शामिल नहीं हैं। वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा शासन को देय करों तथा मप्रविनिआ को देय शुल्कों का दावा पृथक से वास्तविक भुगतान की गई राशि के आधार पर किया जाएगा। पेंशन तथा टर्मिनल प्रसुविधाओं के दावे का संव्यवहार विनियम 32.6 तथा 32.7 में विनिर्दिष्ट अनुसार किया जाएगा।

32.2 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रारंभ में, मानकीकृत प्रचालन तथा संधारण व्ययों में अभिवृद्धि, वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा कार्यान्वित छठवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार कर्मचारियों के वेतनमानों के पुनरीक्षण के कारण, कर्मचारियों को देय बकाया राशि को छोड़कर, थोक विक्रय मूल्य सूचकांक तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के भारित औसत पर 60:40 के अनुपात में विचार करते हुए 6.14 प्रतिशत दर पर की गई है।

32.3 नियंत्रण अवधि के प्रथम वित्तीय वर्ष हेतु, छठवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के कार्यान्वयन का कर्मचारियों संबंधी लागत (Employees Cost) पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार किया गया है जिसके अनुसार अनुवर्ती वर्षों में 6.14% की दर से अभिवृद्धि की गई है। आयोग द्वारा पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु प्रत्याशित व्यय रूपये 33.37 करोड़, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु रू. 31.31 करोड़ तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु रू. 29.52 करोड़ पर वितरण अनुज्ञप्तिधारियों हेतु प्रत्येक वित्तीय वर्ष हेतु दिनांक 31.8.2008 तक की बकाया राशि के भुगतान हेतु वर्ष 2010-11 से 2012-13 तक प्रति वर्ष एक तिहाई के आधार पर भी माना गया है।

- 32.4 नियंत्रण अवधि के अंतर्गत मरम्मत तथा संधारण हेतु अनुज्ञेय किये जाने वाले व्ययों के अवधारण हेतु वर्ष 2006-07, 2007-08 तथा वर्ष 2008-09 के अंकेक्षित आंकड़ों के अनुसार प्रारंभिक सकल स्थाई परिसम्पत्तियों के प्रतिशत पर मरम्मत एवं संधारण का रुझान लिया गया है। प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय हेतु, वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु अंकेक्षित आंकड़े आधार लिये गये हैं तथा नियंत्रण अवधि हेतु अनुज्ञेय की गई राशियों की गणना हेतु 6.14 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर के अनुसार वर्षवार अभिवृद्धि की गई है।
- 32.5 छटवें वेतन आयोग के कारण दिनांक 31.8.08 तक की अवधि हेतु बकाया राशि के भुगतान को सत्यापन के समय अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा वास्तविक रूप से किये गये भुगतान से प्रचालन एवं संधारण व्ययों में इस हेतु सम्मिलित की गई राशि से तुलना की जाएगी तथा इनमें पाये गये किसी अंतर का परिशुद्ध किया जाएगा।
- 32.6 म.प्र. राज्य विद्युत मण्डल से कम्पनियों को कर्मचारियों का स्थानान्तरण होना अभी भी शेष है। अनिधित अर्थात् बिना वित्तीय प्रावधान किये गये (unfunded) टर्मिनल दायित्वों के आकलन हेतु जीवनांकिक विश्लेषण (Actual Analysis) तथा पेंशनरों, कर्मचारियों द्वारा नामावली पर पूर्व में प्रदत्त सेवाओं तथा सेवारत कर्मचारियों हेतु चालू प्रावधान के इस दायित्व के पृथक्करण का कार्य पूर्ण किया जाना अभी भी शेष है। इस अनिधित दायित्व के वित्तीय प्रबंधन तथा टर्मिनल प्रसुविधा न्यास कोष के प्रचालन की योजना की घोषण राज्य शासन द्वारा की जा चुकी है।
- 32.7 आयोग के मतानुसार, विद्यमान कर्मचारियों के पेंशन अंशदान हेतु वांछित निधि अर्थात् केवल प्रत्येक वर्ष के चालू दायित्वों को एमपी ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड, एमपी जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड तथा तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों की कर्मचारी लागत में अनुज्ञेय किया जाना चाहिए। आयोग, इस बीच अन्तर्वर्ती अवधि में वास्तविक पेंशन भुगतान तथा अन्य टर्मिनल प्रसुविधाएं, जैसे कि उपादान (ग्रेच्युटी) हेतु वांछित निधि अनुज्ञेय करता आ रहा है। पेंशन देयकों की द्रुत वृद्धि के साथ-साथ, इसकी खुदरा विद्युत दर (टैरिफ) पर प्रभाव में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। पेंशन के वास्तविक भुगतान को अनुज्ञेय किये जाने की इस व्यवस्था को बनाए रखा जाना कठिन होता जा रहा है तथा निकट भविष्य में इसे विराम देना होगा। उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए, आयोग द्वारा पारेषण कंपनी संबंधी बहुवर्षीय टैरिफ विनियमों में निर्देश दिये गये थे कि पेंशनरों के पेंशन दायित्वों के अवधारण के साथ-साथ एक ओर विद्यमान कर्मचारियों द्वारा अभी तक प्रदान की गई सेवाओं हेतु तथा दूसरी ओर सेवारत कर्मचारियों हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 से प्रारंभ होने वाले राजकोषीय वर्ष (fiscal year) हेतु जीवनांकिक विश्लेषण प्रत्येक वर्ष हेतु कराया जाए तथा निष्कर्ष आयोग को प्रतिवेदित किये जाएं। म.प्र. ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को माह सितंबर, 2009 तक इस गतिविधि को कार्यान्वित किये जाने का दायित्व सौंपा गया था। इस संबंध में अब यह सूचित किया गया है कि यह गतिविधि माह फरवरी, 2010 तक पूर्ण होने की संभावना है। आयोग इस जीवनांकिक विश्लेषण के निष्कर्षों के आधार पर एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाएगा तथा इस अनिधित दायित्व की आपूर्ति हेतु एक रणनीति निर्धारित

करेगा। आयोग उपरोक्त को अंतिम रूप देते समय इस दायित्व की आपूर्ति हेतु अन्य राज्यों द्वारा की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के साथ-साथ समस्त पणधारकों (stakeholders) के दृष्टिकोण पर भी विचार करेगा।

32.8 युद्ध, विद्रोह अथवा कानून में कतिपय परिवर्तनों अथवा ऐसी समतुल्य परिस्थितियों के कारण प्रचालन तथा संधारण व्ययों में अभिवृद्धि के संबंध में आयोग का यह अभिमत है कि जहां उपरोक्त वृद्धि न्यायोचित है, वहां पर आयोग इसे विनिर्दिष्ट अवधि हेतु लागू करने पर विचार कर सकेगा।

32.9 किसी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किसी वर्ष में अर्जित कतिपय बचत को उसे स्वयं के पास प्रतिधारित रखे जाने की अनुमति दी जा सकेगी। किसी वर्ष में संचालन व संधारण व्ययों के निर्धारित लक्ष्य से आधिक्य के कारण होने वाली हानि को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन किया जाएगा।

32.10 प्रचालन एवं संधारण व्ययों हेतु मानदण्ड निम्नानुसार होंगे :

अ. मरम्मत तथा संधारण (R&M) व्यय वित्तीय वर्ष के प्रारंभिक सकल स्थाई परिसम्पत्तियों पर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2 प्रतिशत की दर से, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2 प्रतिशत की दर से तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2.3 प्रतिशत की दर से अनुज्ञेय किये जाएंगे।

ब. वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु कर्मचारी व्ययों तथा प्रशासनिक एवं सामान्य व्ययों की गणना अंकेक्षित तुलन-पत्रों (Balance sheets) के अनुसार पूर्व में उपगत किये गये वास्तविक व्ययों, छठवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन पुनरीक्षण एवं बकाया राशि के भुगतान आदि के कारण व्ययों के आधार पर निम्न तालिका में दर्शाये अनुसार की गई है :

वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुज्ञेय किये गये व्यय (करोड़ रुपये में)			
क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	पूर्व	पश्चिम	मध्य
कर्मचारी व्यय बकाया राशि को छोड़कर	415.06	389.37	367.15
बकाया राशि	33.37	31.31	29.52
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	73.37	64.39	69.57

नियंत्रण अवधि के अनुवर्ती वित्तीय वर्षों हेतु, कर्मचारी व्यय (बकाया राशि को छोड़कर) एवं प्रशासनिक एवं सामान्य व्ययों में सामान्य मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 6.14 प्रतिशत की दर से अभिवृद्धि की जाएगी। अनुवर्ती वित्तीय वर्षों के लिए बकाया राशि के भुगतान संबंधी व्ययों को उपरोक्त तालिका में निर्दिष्ट अनुसार वित्तीय वर्ष 2010-11 के स्तर पर अनुज्ञेय किये गये के अनुरूप ही स्वीकार किया जाएगा।

- 32.11 मीटरीकृत विक्रय में वृद्धि /कमी होने पर प्रोत्साहन/अप्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। मीटरीकृत विक्रय के वर्तमान स्तर पर आधारित विद्युत वितरण कंपनी वार प्रोत्साहन/अप्रोत्साहन निम्नानुसार होंगे :
- 1 म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लि. हेतु मीटरीकृत विक्रय की प्रत्येक 1% वृद्धि हेतु, जिसे कुल विक्रय के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाएगा, 80% (मीटरीकृत विक्रय का वर्तमान स्तर) से आगे रू. 3.27 करोड़ की राशि का प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, 20% से अधिक अमीटरीकृत विक्रय में प्रत्येक 1% अभिवृद्धि पर, अप्रोत्साहन (disincentive) राशि रू. 3.27 करोड़ की दर से भी लागू होगी।
 - 2 म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लि. हेतु मीटरीकृत विक्रय की प्रत्येक 1% वृद्धि हेतु, जिसे कुल विक्रय के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाएगा, 81% (मीटरीकृत विक्रय का वर्तमान स्तर) से आगे रू. 2.88 करोड़ की राशि का प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, 19% से अधिक अमीटरीकृत विक्रय में प्रत्येक 1% अभिवृद्धि पर, अप्रोत्साहन (disincentive) राशि रू. 2.88 करोड़ की दर से भी लागू होगी।
 - 3 म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लि. हेतु मीटरीकृत विक्रय की प्रत्येक 1% वृद्धि हेतु, जिसे कुल विक्रय के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाएगा, 70% (मीटरीकृत विक्रय का वर्तमान स्तर) से आगे रू. 3.48 करोड़ की राशि का प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार 30% से अधिक अमीटरीकृत विक्रय में प्रत्येक 1% अभिवृद्धि पर, अप्रोत्साहन (disincentive) राशि रू. 3.48 करोड़ की दर से भी लागू होगी।
- 32.12 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इस प्रकार अर्जित की गई प्रोत्साहन राशि का उपयोग मीटरीकरण योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु किया जाएगा जिसमें अमीटरीकृत संयोजनों पर मापयंत्रों (मीटरों) की अधिप्राप्ति (procurement) तथा स्थापना पर होने वाला व्यय तथा अन्य संबंधित गतिविधियां भी सम्मिलित होंगी। अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इस प्रकार से अर्जित किये गये प्रोत्साहनों तथा इस राशि के वास्तविक उपयोग के संबंध में पृथक लेखा रखा जाएगा तथा इसके विवरण आयोग को अनुवर्ती सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/सत्यापन याचिका के साथ प्रस्तुत किये जाएंगे।
- 32.13 प्रोत्साहन/अप्रोत्साहन के प्रयोजन से मीटरीकृत विक्रय की गणना हेतु, वितरण ट्रांसफार्मर मीटरों के माध्यम से अमीटरीकृत कृषि संयोजनों को किये गये वास्तविक विक्रय को मीटरीकृत विक्रय माना जाएगा बशर्ते अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा इसे प्रमाणित कर दिया गया हो।
- 32.14 मीटरीकृत विक्रय प्रतिशत की गणना के प्रयोजन हेतु, 0.5 से अधिक की भिन्न को आगामी अंक तक पूर्णांक किया जाएगा। इसी प्रकार, 0.5 से कम अथवा इसके बराबर की भिन्न को निम्न अंक तक पूर्णांक किया जाएगा।

33. डूबन्त तथा संदिग्ध ऋण (Bad and Doubtful Debts) :

33.1 डूबन्त तथा संदिग्ध ऋणों को जिस सीमा तक वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वास्तविक रूप से बट्टे खाते में डाला गया है, अनुज्ञेय किया जाएगा जो कि वार्षिक राजस्व राशि के एक प्रतिशत के अध्यक्षीन होगा।

34. कार्यकारी पूंजी पर ब्याज प्रभार (Interest Charges on Working Capital) :

34.1 कार्यकारी पूंजी की गणना इन विनियमों के उपबन्धों में किये गये प्रावधान के अनुसार की जाएगी तथा कार्यकारी पूंजी पर ब्याज की दर भारतीय स्टेट बैंक की सुसंगत वर्ष की दिनांक 1 अप्रैल को प्रयोज्य अग्रिम दर (Advance Rate) के बराबर होगी। कार्यकारी पूंजी पर ब्याज मानकीकृत आधार पर देय होगा, भले ही अनुज्ञप्तिधारी ने किसी बाहरी संस्था से ऋण लिया हो अथवा मानकीकृत आधार पर गणना की गई कार्यकारी पूंजीगत ऋण से अधिक ऋण कर लिया हो।

35. विदेश विनिमय दर परिवर्तन (Foreign Exchange Rate Variation) :

35.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी विदेश विनिमय की अनावृत्ति (exposure) को वितरण प्रणाली हेतु विदेशी मुद्रा में प्राप्त किये गये ऋण तथा विदेशी ऋण के पुनर्भुगतान के संबंध में समायोजन (hedge) एक अंश में अथवा पूर्ण रूप से, जो कि वितरण अनुज्ञप्तिधारी की स्वेच्छानुसार होगा, कर सकेगा।

35.2 प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी, मानदण्डीय विदेशी ऋण से तत्संबंधी विदेश विनिमय दर परिवर्तन का समायोजन, सुसंगत वर्ष में, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, उक्त अवधि के दौरान जब कि वह व्यय के रूप में उद्भूत होता है, करेगा तथा इस प्रकार के विदेश विनिमय दर परिवर्तन से तत्संबंधी अतिरिक्त रूपयों के भुगतान के दायित्व को, समायोजित (hedged) किये गये विदेशी ऋण के विरुद्ध अनुज्ञेय नहीं किया जाएगा।

35.3 उक्त सीमा, जहां तक कि वितरण अनुज्ञप्तिधारी विदेश विनिमय अनावृत्ति (exposure) का समायोजन करने में असमर्थ हो, रूपयों में भुगतान के दायित्व में किसी परिवर्तन हेतु ब्याज का भुगतान तथा ऋण की अदायगी जो मानदण्डीय विदेशी मुद्रा ऋण से सुसंगत वर्ष से तत्संबंधी है, को अनुज्ञेय किया जाएगा बशर्ते यह अनुज्ञप्तिधारी अथवा उसके सामग्री प्रदायकों अथवा ठेकेदारों के कारण न हो।

35.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी समायोजन (hedging) की लागत तथा विदेश विनिमय दर परिवर्तन के प्रभाव का समायोजन आय के रूप में उक्त अवधि के दौरान, जिस अवधि के अंतर्गत वह उद्भूत हो, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर इसे वसूल करेगा।

36. आय पर कर (Tax on Income)

36.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी के आय स्रोतों पर देय वास्तविक कर स्वीकार्य होगा :

बशर्ते यह कि दिनांक 31 मार्च, 2010 तक की अवधि के विलम्बित कर दायित्वों, अतिरिक्त लाभों (Fringe Benefits) को छोड़कर, के क्रियान्वित होने पर ये विद्युत दर (टैरिफ) के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे।

37. विद्युत-दर से आय (Tariff Income) :

37.1 आयोग द्वारा विद्युत के वितरण एवं प्रदाय हेतु अवधारित समस्त प्रभारों से आय को विद्युत-दर (टैरिफ) आय माना जाएगा। विद्युत-दर (टैरिफ) आय में स्थाई प्रभार (Fixed charges), ऊर्जा प्रभार (Energy Charges), न्यूनतम प्रभार (Minimum Charges) तथा अन्य प्रभार सम्मिलित होंगे जैसे कि ये भिन्न-भिन्न उपभोक्ता श्रेणियों हेतु आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएं।

38. अन्य आय (Other Income) :

38.1 मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये उत्पादन कंपनियों तथा अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन की रीति और उसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004, जैसा कि इसे समय-समय पर संशोधित किया जाए, के अन्तर्गत अन्य आय संबंधी अनुसूची, जैसा कि इसका प्रावधान विविध प्रभारों तथा सामान्य प्रभारों की अनुसूची में किया गया है, को 'अन्य आय' के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाएगा।

38.2 अन्य व्यवसाय से प्राप्त राजस्व को, अधिनियम की धारा 41 में विनिर्दिष्ट उक्त सीमा तक, जिसे आयोग द्वारा प्राधिकृत किया जाए, आय माना जाएगा।

39. विलंब भुगतान अधिभार (Late Payment Surcharge) :

39.1 यदि उपभोक्ताओं द्वारा देयकों का भुगतान निर्धारित तिथि तक नहीं किया जाता है तो उपभोक्ताओं को विनिर्दिष्ट किये गये अधिभार का भुगतान करना होगा। विलंबित भुगतान अधिभार की गणना के प्रयोजन से माह के किसी अंश को पूर्ण माह माना जाएगा। उपभोक्ता के विद्युत प्रदाय के स्थाई तौर पर विच्छेदन के उपरान्त की अवधि के अंतर्गत विलंबित भुगतान अधिभार को अधिरोपित नहीं किया जाएगा।

39.2 सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता व विद्युत-दर एवं अन्य आय के मध्य विक्षेप (Gap) के अवधारण हेतु, विलंबित भुगतान अधिभार को आय नहीं माना जाएगा।

40. उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय हेतु विद्युत-दरों (टैरिफ) का अवधारण :

40.1 आयोग द्वारा विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों से वसूली योग्य प्रभारों का अवधारण निम्न सिद्धांतों के आधार पर किया जाएगा :

- (ए) उपभोक्ताओं को प्रदाय की गई विद्युत की औसत लागत तथा प्राक्कलित वितरण हानियों की वसूली ऊर्जा प्रभार के रूप में की जाएगी ;
- (बी) अधिनियम की धारा 62(3) में उल्लेखित कारकों के आधार पर विद्युत चक्रण तथा प्रदाय गतिविधियों पर दक्षता से उपगत किये गये (incurred) व्यय उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे ;
- (सी) यथासंभव, एक विशिष्ट वोल्टेज वर्ग के अन्तर्गत स्थाई प्रभार (Fixed Charges) तथा ऊर्जा प्रभार (Energy Charges) एक समान होंगे। किसी विशिष्ट वोल्टेज वर्ग के अन्तर्गत प्रभारों का विभेदन, आवश्यकतानुसार अधिनियम की धारा 62(3) में सूचीबद्ध कारकों के आधार पर किया जाएगा।
- (डी) विद्युत-दर न्यूनतम (Tariff Minimum) : आयोग अति उच्च दाब/ उच्च दाब/निम्न दाब उपभोक्ताओं से विद्युत-दर (टैरिफ) न्यूनतम की वसूली किये जाने की अनुशंसा नहीं करता। तथापि, संविदा मांग से संबद्ध स्थाई प्रभार उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे तथा यदि यह पाया जाता है कि स्थाई लागत के माध्यम से वास्तविक स्थाई व्ययों की वसूली पूर्णतया विद्युत-दर को विकृत (distort) कर देगी जो कि उपभोक्ताओं पर उच्चतर वित्तीय बोझ में परिणत होगी तो ऐसी दशा में आयोग न्यूनतम प्रभारों को अधिरोपित रखा जाना जारी रखेगा जब तक कि स्थाई प्रभार स्थाई लागतों से पूर्ण रूप से संबद्ध नहीं हो जाते।
- (ई) भार-कारक प्रोत्साहन (Load Factor Incentive) : आयोग द्वारा समय-समय पर जारी विद्युत-दर (टैरिफ) आदेशों के अन्तर्गत अनुमोदित योजनाओं के आधार पर उपभोक्ताओं को विद्युत-दर में भार-कारक आधारित छूटें (concessions) अनुज्ञेय की जा सकेंगी।
- (एफ) त्वरित भुगतान प्रोत्साहन (Prompt payment incentive) : त्वरित भुगतान किये जाने पर, उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकेगा जैसा कि आयोग द्वारा इसके संबंध में निर्णय लिया जाए। वे उपभोक्ता, जिनके विरुद्ध बकाया राशि का भुगतान शेष है, उन्हें इस प्रोत्साहन प्राप्त करने की पात्रता नहीं होगी।
- (जी) ऊर्जा कारक प्रोत्साहन/अधिभार (Power Factor Incentive/Surcharge) : आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अपने विद्युत-दर (टैरिफ) आदेशों के अन्तर्गत अनुमोदित योजना के आधार पर विद्युत-दर (टैरिफ) में ऊर्जा कारक प्रोत्साहन/अधिभार उपभोक्ताओं को अनुज्ञेय किया जा सकेगा।

- (एच) अस्थाई संयोजन प्रभार (Temporary Connection Charges) : अस्थाई संयोजन प्रभार अधिरोपित किये जा सकेंगे, जैसा कि आयोग द्वारा इनके बारे में निर्णय लिया जाए।
- (आई) विद्युत प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार (Supply Reliability Charge) : आयोग उपभोक्ताओं की उन श्रेणियों हेतु विद्युत प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनके लिए अबाधित (uninterruptible) विद्युत प्रदाय का प्रबन्धन किया जाता है।
- (जे) मंहगी ऊर्जा की अधिप्राप्ति (procurement) के कारण अतिरिक्त प्रभारों का आरोपण: मंहगी ऊर्जा की अधिप्राप्ति किये जाने पर आयोग अतिरिक्त प्रभारों का निर्धारण किये जाने पर विचार कर सकेगा।
- (के) ऊर्जा संरक्षण तथा मांग-परक प्रबन्धन (Demand Side Management) से देय प्रोत्साहन: आयोग ऊर्जा संरक्षण उपायों तथा मांग-परक प्रबन्धन हेतु प्रोत्साहनों का निर्धारण कर सकेगा।
- (एल) वेल्डिंग अधिभार (Welding Surcharge) : वे संस्थापनाएं, जिनमें वेल्डिंग मशीनों का भार विद्यमान है, के लिये आयोग वेल्डिंग अधिभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (एम) दिवस के समय (टीओडी) प्रोत्साहन/अधिभार : आयोग विद्युत ऊर्जा के दिवस के समय/मौसम के अन्तर्गत उपयोग हेतु निर्दिष्ट दिवस के समय (टाईम ऑफ डे) प्रोत्साहनों/अधिभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (एन) प्रतिक्रिय ऊर्जा प्रभार (Reactive Energy Charge) : वे संस्थापनाएं जो प्रतिक्रिय ऊर्जा का आहरण करती हैं उनके लिये आयोग प्रतिक्रिय ऊर्जा प्रभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (ओ) अन्य कोई प्रोत्साहन/अधिभार : आयोग अन्य किसी प्रोत्साहन/अधिभार का भी निर्धारण कर सकेगा।

41. प्रति-सहायतानुदान का अन्तः-श्रेणी अन्तरण (Inter-category transfers of cross-subsidy) :

- 41.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण की समग्र प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि युक्तियुक्त लागतों को समस्त उपभोक्ताओं को अन्तरित किया जाए। तथापि, प्रयोक्ताओं के समस्त समूहों को बिना किसी असहनीय प्रघात के वहनीय दर पर विद्युत प्रदान करने के सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। अतएव, टैरिफ नीति के उपबन्धों को दृष्टिगत रखते हुए वैयक्तिक श्रेणी हेतु विद्युत-दर का अवधारण करते समय प्रति-सहायतानुदान प्रदान किये जाने की आवश्यकता है। विद्युत-दर अवधारण में उपभोक्ता श्रेणियों हेतु प्रति-सहायतानुदान दर्शाया जा सकता है तथा

इसकी गणना इस प्रकार की जाएगी जिससे टैरिफ नीति के उद्देश्यों की आपूर्ति हो सके।

42. विद्युत-दर श्रेणियों तथा उपभोक्ताओं को विद्युत दरों टैरिफ से अवगत कराया जाना (Tariff Categories and Intimation of Tariff Rates) :

- 42.1 आयोग, अधिनियम की धारा 62 के अन्तर्गत, विद्युत-दर (टैरिफ) का निर्धारण करते समय वितरण अनुज्ञापतिधारी द्वारा विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों से वसूली योग्य प्रभारों का विस्तृत विवरण विनिर्दिष्ट करेगा। टैरिफ अवधि हेतु, विनिर्दिष्ट वोल्टेज स्तरों पर उपभोक्ता श्रेणियां स्थूल रूप से, निम्नानुसार होंगी :
- भारी औद्योगिक उपयोग, रेलवे कर्षण (ट्रेक्शन), कोयला खदानें, मौसमी (सीजनल) को सम्मिलित करते हुए
 - गैर-औद्योगिक उपयोग
 - घरेलू उपयोग
 - गैर-घरेलू उपयोग
 - सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था / जल प्रदाय
 - कृषि, सिंचाई तथा कृषि आधारित उद्योग
 - लघु तथा मध्यम उद्योग हेतु औद्योगिक प्रेरक बल (मोटिव पावर)
 - अन्य कोई, श्रेणियां जिन्हें आयोग द्वारा उपयुक्त समझा जाए।
- 42.2 आयोग, विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के किसी भी वर्ष में, उपरोक्त दर्शाई गई स्थूल श्रेणियों के अन्तर्गत उपयुक्त उप-श्रेणियां (Sub Categories) / खपत खण्डों (consumption Slabs) / भार खण्डों (Load Slabs) को निर्धारित कर सकेगा तथा पृथक-पृथक विद्युत-दर (टैरिफ) ऐसी प्रत्येक उप-श्रेणी / खपत खण्ड / भार खण्डों बाबत निर्धारित कर सकेगा।
- 42.3 अनुज्ञापतिधारी प्रत्येक उपभोक्ता को टैरिफ कार्ड प्रेषित करेगा, जिसमें आयोग द्वारा प्रत्येक विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के उपरांत अनुमोदित विभिन्न प्रभारों से संबंधित विवरण दर्शाये जाएंगे।

अध्याय – तीन

43. स्वच्छ विकास कार्य विधि

- 43.1 अनुमोदित स्वच्छ विकास कार्यविधि (Clean Development Mechanism - CDM) के कार्बन आकलन (Carbon Credit) से प्राप्तियों का परस्पर बंटवारा निम्न विधि द्वारा किया जाएगा, नामतः:

- (अ) स्वच्छ विकास कार्यविधि के कारण सकल प्राप्तियों की 100 प्रतिशत राशि परियोजना के बिकास अभिकरण (Developer) द्वारा वितरण प्रणाली की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि के प्रथम वर्ष में स्वयं द्वारा धारित रखी जाएगी।

(ब) द्वितीय वर्ष में, उपभोक्ताओं का अंशदान 10 प्रतिशत होगा, जिसमें उत्तरोत्तर प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की दर से अभिवृद्धि की जाएगी, जिसे कि 50 प्रतिशत तक पहुंचने के उपरान्त, प्राप्तियों का बंटवारा वितरण अनुज्ञप्तिधारी तथा उपभोक्ताओं द्वारा समान अनुपात में किया जाएगा ।

44. मानदण्डों से विचलन :

44.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ताओं से वसूल की जाने वाली वितरण विद्युत-दर (टैरिफ) को इन विनियमों में विनिर्दिष्ट मानदण्डों से विचलन द्वारा भी अवधारित किया जा सकेगा ।

45. कठिनाइयां दूर करने की शक्ति :

45.1 यदि इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को मूर्त रूप देने में कोई कठिनाई आती हो तो आयोग किसी सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा अनुज्ञप्तिधारी को ऐसा कार्य करने अथवा उत्तरदायित्व संभालने हेतु निर्देशित कर सकेगा जो आयोग के मत में कठिनाइयां दूर करने हेतु आवश्यक अथवा वांछनीय हैं ।

46. संशोधन हेतु शक्ति

46.1 आयोग किसी भी समय इन विनियम के उपबन्धों में जोड़ने, बदलने, परिवर्तन करने, सुधारने अथवा संशोधन संबंधी प्रक्रिया कर सकेगा ।

47. निरसन तथा व्यावृत्ति :

47.1 विनियम नामतः "मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत वितरण तथा खुदरा व्यापार के अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण के संबन्ध में विधिया तथा सिद्धांत) विनियम, 2006 (आरजी-27(1), वर्ष 2006)" जो राजपत्र की अधिसूचना क्रमांक 2617/मप्रविनिआ/2006 दिनांक 26.10.2006 द्वारा संशोधनों के साथ सहपटित हैं जैसा कि यह इस विनियम की विषयवस्तु के साथ प्रयोज्य है, को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है ।

47.2 उपरोक्त दर्शाए गये विनियमों की निर्दिष्ट अवधि हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता के सत्यापन तथा विद्युत दर (टैरिफ) से संबंधित अन्य विषयों को कथित विनियमों के उपबन्धों के अनुसार व्यवहारित किया जाएगा ।

47.3 इस विनियमों की कोई भी बात आयोग को ऐसे किसी आदेश को पारित करने हेतु अन्तर्निहित शक्तियों को सीमित अथवा प्रभावित नहीं करेगी जो न्याय के उद्देश्य प्राप्त करने अथवा आयोग की प्रक्रिया के दुरुपयोग रोकने के उद्देश्य से आवश्यक हो ।

- 47.4 इन विनियमों में किया गया कोई भी उल्लेख आयोग को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूपता में मामलों में व्यवहार करने के लिये एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने से नहीं रोकेंगा, जो यद्यपि इन विनियमों के प्रावधानों से भिन्न हो, लेकिन जिसे आयोग मामले या मामलों के वर्ग की विशेष परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में और इसके कारणों को अभिलिखित करते हुए, आवश्यक या समीचीन समझता हो ।
- 47.5 इन विनियमों में किया गया कोई भी उल्लेख स्पष्टतया या परोक्ष रूप से आयोग को अधिनियम के आधीन किसी मामले में कार्यवाही करने से या शक्ति का प्रयोग करने से नहीं रोकेंगा, जिसके लिये कोई संहिता निर्मित नहीं की गई हो और आयोग इस तरह के मामलों में ऐसी कार्यवाही कर सकता है और ऐसी शक्तियों का प्रयोग या कृत्य कर सकता है, जैसा कि आयोग उचित समझता है ।

टीप : मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण के संबध में विधिया तथा सिद्धान्त) विनियम, 2009 के हिन्दी रूपांतरण की व्याख्या या विवेचन या समझने की स्थिति में किसी प्रकार का विरोधाभास होने पर इसके अंग्रेजी संस्करण (मूल संस्करण) के संबंधित प्रावधानों में की गई विवेचना के अनुसार ही उसका तात्पर्य माना जावेगा एवं इस संबध में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में आयोग का निर्णय अंतिम एवं बाध्य होगा ।

आयोग के आदेशानुसार

पी.के. चतुर्वेदी, आयोग सचिव

Bhopal, Dated: 9th December, 2009

No. 2734/MPERC/2009. In exercise of powers conferred under Section 181(2) (zd) read with Section 45 and 61 of the Electricity Act, 2003 (No. 36 of 2003), the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission makes the following Regulations to specify the methods and principles for fixing the charges for electricity supplied by a Distribution Licensee and to specify the terms and conditions for determination of tariff for wheeling and supply of electricity in Madhya Pradesh during the Tariff Period of three years commencing from 1st April 2010 and continuing up to 31st March 2013.

**MADHYA PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION
(TERMS AND CONDITIONS FOR DETERMINATION OF TARIFF FOR
SUPPLY AND WHEELING OF ELECTRICITY AND METHODS AND
PRINCIPLES FOR FIXATION OF CHARGES) REGULATIONS, 2009**

{G - 35 OF 2009}

PREAMBLE

Whereas the Commission had notified Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for Determination of Tariff for Distribution and Retail Supply of Electricity and Methods & Principles for Fixation of Charges) Regulations, 2006 (RG-27 (I) of 2006) on 26th October 2006 and whereas the first control period of Multi Year Tariff will cease to be in vogue on 31st March, 2010, therefore, in order to specify the terms and conditions of Distribution Tariff for the next control period of FY 2010-11 to FY 2012-13, these Regulations are being notified.

CHAPTER I – PRELIMINARY

1. Short Title and Commencement :

- 1.1. These Regulations shall be called “Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for Determination of Tariff for Supply and Wheeling of Electricity and Methods and Principles for Fixation of Charges) Regulations, 2009 {G- 35 of 2009}”.
- 1.2. These Regulations shall extend to the whole of the State of Madhya Pradesh.
- 1.3. These Regulations shall be in force for the tariff period commencing from 01st April 2010 and up to 31st March 2013. The petitions for the determination of Aggregate Revenue Requirement and Tariff for Wheeling and supply of Electricity for the period commencing from 01/04/2010 shall be filed in accordance with these Regulations only.

2. Scope and Extent of Application

- 2.1. These Regulations shall apply in all cases of determination of tariff under Section 62 of the Electricity Act, 2003 for wheeling and supply of electricity to be charged by the Distribution Licensees of the State from the consumers.

3. Norms of Operation to be threshold norms

- 3.1. For removal of doubts, it is clarified that the norms of operation specified under these Regulations are the threshold norms and this shall not preclude the Distribution Licensees and Consumers from agreeing to improved norms of operation and in such cases the improved norms as and when agreed to shall be applicable for determination of Tariff.

4. Definitions

- 4.1. In these Regulations, unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" shall mean the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);
- (b) "Accounting Statements" shall mean for each financial year the following statements, namely-
- (i) Balance Sheet, prepared in accordance with the form contained in Part I of Schedule VI to the Companies Act, 1956; together with notes thereto, and such other supporting statements and information as the Commission may direct from time to time,
 - (ii) Profit and Loss Account, complying with the requirements contained in Part II of Schedule VI to the Companies Act, 1956,
 - (iii) Cash Flow Statement, prepared in accordance with the Accounting Standard on Cash Flow Statement (AS-3) of the Institute of Chartered Accountants of India,
 - (iv) Report of the statutory auditors of the Licensee,
 - (v) Directors' report and accounting policies,
 - (vi) Cost records, if any, prescribed by the Central Government under Section 209(1)(d) of the Companies Act, 1956;
 - (vii) Such other Statements as may be specified by the Commission from time to time for meeting regulatory requirements.
- (c) "Aggregate Revenue Requirement (ARR)" shall mean the estimate of the aggregate expenses to be incurred by the Distribution Licensee for its licensed businesses for the Year(s) for which it is prepared.;

- (d) "Applicant" shall mean a distribution licensee who has made an application for determination of tariff for wheeling and supply of electricity in accordance with these Regulations;
- (e) "Auditor" shall mean an Auditor appointed by the Distribution Licensee in accordance with the provisions of Sections 224 and 619 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or any other law for the time being in force;
- (f) "Authorised load" shall be expressed in kW, kVA or HP units and shall be determined as per procedure laid down in the MP Electricity Supply Code, 2004 as amended from time to time;
- (g) "Bank Rate" shall mean the Bank Rate of Reserve Bank of India as on April 1, of the relevant year;
- (h) "Commission" shall mean the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission;
- (i) "Commission Secretary" shall mean Secretary of the Commission;
- (j) "Contracted Power" shall mean the power in MW, which the Distribution Licensee has agreed to wheel on his Distribution System;
- (k) "Customer" shall mean a person who has set up a captive generating plant or a Licensee or a consumer availing open access, utilising the Distribution System of the Distribution Licensee.
- (l) "Date of Commercial Operation" (COD) shall mean the date of charging the electric line or substation of a Distribution Licensee to its Declared Voltage level or seven days after the date on which it is declared ready for charging by the Distribution Licensee, but could not be charged for reasons attributable to its Customers;
- (m) "Declared Voltage" shall mean the voltage as specified under Section-54 of the Indian Electricity Rules, 1956 as amended from time to time;
- (n) "Discom" shall mean the Distribution Company or Vidyut Vitaran Company, wherein the "East Discom" shall mean the M.P. Poorv Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd. , "West Discom" shall mean M.P. Paschim Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd. and "Central Discom" shall mean M.P. Madhya Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd.
- (o) "Distribution loss" shall mean the total energy losses occurring in the Distribution sSstem of a Distribution Licensee expressed in percentage as difference between energy input to its system and its sale;
- (p) "Existing Project" means the project declared under commercial operation on a date prior to 1.4.2010;

- (q) "Expenditure incurred" means the funds, whether the equity or debt or both, actually deployed and paid in cash or cash equivalent, for creation or acquisition of a useful asset and does not include commitments or liabilities for which no payment has been released;
- (r) "Extra High Tension (EHT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage higher than 33000 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation allowed by I.E. rules, 1956;
- (s) "High Tension (HT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage not exceeding 33000 volts but higher than 650 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation allowed by I.E. rules, 1956;
- (t) "Low Tension (LT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage which does not exceed 650 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation allowed by I.E. rules, 1956;
- (u) "Long-Term Customer" shall mean a person having a long-term lien exceeding three years over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;
- (v) "Medium-term Customer" shall mean a person having a lien for the period exceeding three months and up to three Years over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;
- (w) "Officer" shall mean an Officer of the Commission;
- (x) "Operation and Maintenance expenses" or "O&M expenses" shall mean the expenditure incurred on operation and maintenance of the distribution and supply network of Distribution Licensee, including part thereof, and includes the expenditure on manpower, repairs, spares, consumables, insurance and overheads;
- (y) "Project" shall mean a scheme for addition, alteration or augmentation of Distribution System;
- (z) "Rated Voltage" shall mean the voltage at which the Distribution System is designed to operate;
- (aa) "Short-term Customer" shall mean a person having short term lien for a period up to three months over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;

- (bb) "Tariff" shall mean the schedule of charges payable by the consumers for Distribution and Supply of electricity together with terms and conditions thereof;
- (cc) "Tariff Period" shall mean the period for which Tariff is determined by the Commission under these Regulations;
- (dd) "Uncontrollable costs" shall mean the costs which include (but not limited to) fuel costs, costs on account of inflation, taxes and cess, variations in power purchase unit costs including on account of change in hydro-thermal mix due to adverse natural events or force majeure conditions or any other items as may be considered by the Commission;
- (ee) "Useful life" in relation to a unit of a Distribution System from the COD shall mean 25 years for sub-station and 35 years for lines;
- (ff) "Year" shall mean financial year commencing on 1st April and ending on 31st March of the succeeding year, and
- (i) "Current Year" shall mean the year in which the statement of annual accounts or petition for determination of tariff is filed,
- (ii) "Previous Year" shall mean the year immediately preceding the current year,
- (iii) "Ensuing Year" shall mean the year next following the current year;

4.2 Words or expressions occurring in these Regulations and not defined shall bear the same meaning as in the Act.

5. Determination of Tariff

- 5.1. The Commission shall determine Tariff and charges including terms and conditions thereof under Section 62 of the Act read with Section 86 for wheeling and supply of electricity to consumers.

6. Principles for Tariff determination

- 6.1. The Commission, while specifying the terms and conditions for the determination of Tariff under these Regulations is guided by the principles contained in section 61 of the Act.
- 6.2. The tariff shall provide for recovery of prudent cost incurred in the operation of the licensed activities of wheeling and supply of the Distribution Licensee plus Return on Equity (RoE) at prescribed level of performance. The Distribution Licensee shall be required to prepare their Accounting Statements, which shall be regularly submitted before the Commission as detailed in Regulation 10.1.

- 6.3. The Multi Year Tariff principles adopted in these Regulations seek to promote competition, adoption of commercial principles, efficient working of the Distribution Licensees and protection of Consumers' interest. The operating and cost parameter norms for the Tariff Period have been prescribed after duly considering the past performance. The allowable Tariffs shall be determined in accordance with these norms. The Distribution Licensees are allowed to share savings with the consumers as a reward for performance better than those prescribed in these Regulations. This is expected to incentivise the Distribution Licensees for efficient performance and economical use of resources.
- 6.4. Only cost of servicing those investments and capital expenditure that are in accordance with the guidelines issued by the Commission in this regard shall be allowed to be recovered through Tariff. This shall ensure prudent investments by the Distribution Licensees. The Distribution Licensee shall be required to ensure optimum investments and to make sufficient provision in the Aggregate Revenue Requirement (ARR) for investment to enhance Distribution System capacity and meet performance standards prescribed by the Commission.
- 6.5. The cross-subsidy shall be progressively reduced in accordance with the Tariff Policy.

7. Procedure for making an application for determination of Tariff

- 7.1. Procedure for making application for determination of tariffs for wheeling and supply of electricity has earlier been notified under the title MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of tariff and manner of making an application) Regulations, 2004 and its amendments from time to time. An application for determination of Tariff shall be accompanied by such fees as may be specified.
- 7.2. The Distribution Licensee shall submit the information for determination of ARR and Tariff for Multi-Year Tariff period in the formats annexed with these Regulations (Annexure – I). The Licensee is also required to publish in an abridged form, the application for tariff determination for the Multi-Year period in the formats which are specified in Annexure – II. The information furnished by the Licensee in these formats shall form a part of the application. The Licensee shall also have to file additional information as may be directed by the Commission in such formats as and when required for the purpose of finalization of ARR/Tariff.
- 7.3. The Commission shall, at all times, have the authority, either Suo-Motu or on a petition filed by any interested or affected party, to determine the Tariff, including terms and conditions thereof, of Distribution Licensees and shall initiate the process of such determination in accordance with the procedure as may be specified:

Provided that the proceedings for such determination of Tariff, including terms and conditions thereof, shall be in the same manner as set out in the Conduct of Business Regulations, as amended from time to time.

- 7.4. The Commission or the Secretary or any Officer designated for the purpose by the Commission may, upon scrutiny of the application, require the Applicant to furnish such additional information or particulars or documents as may be considered necessary for the purpose of processing the application.
- 7.5. Upon receipt of the complete application accompanied by all requisite information, particulars and documents in compliance with all the requirements, the application shall be deemed to have been accepted and the Commission or the Secretary or the Officer designated for the purpose by the Commission shall intimate to the Applicant that the application is ready for publication, in such abridged form and manner, as may be specified [Refer MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulation, 2004 as amended from time to time].
- 7.6. The Distribution Licensees shall put all the details of their Petitions filed before the Commission on their respective websites not later than 3 working days of its acceptance by the Commission.
- 7.7. The Applicant shall furnish to the Commission all such books and records (or certified true copies thereof), including the Accounting Statements, operational and cost data, as may be required by the Commission for determination of Tariff. The Commission may, if deemed necessary, make available to any person, at any time, such information as has been provided by the Applicant to the Commission including abstracts of such books and records (or certified true copies thereof).

Provided that the Commission may, by order, direct that any information, documents and papers/materials maintained by the Commission, shall be confidential or privileged and shall not be available for inspection or supply of certified copies, and the Commission may also direct that such document, papers or materials shall not be used in any manner except as specifically authorised by the Commission.

8. Methodology for Determination of Tariff and True-up

- 8.1. The Commission shall define Tariff Period for the Distribution Licensee from time to time. The principles for Tariff determination shall be applicable for the duration of the Tariff Period. The principles that guide tariff determination for the next tariff period shall be valid for a period up to 31st March, 2013 from the date of commencement of these Regulations.

- 8.2. The Distribution Licensee shall file the petitions at the beginning of the Tariff Period and every year thereafter. A review shall be undertaken by the Commission to scrutinise and true up the Tariff on the basis of the capital expenditure and additional capital Expenditure incurred in the Year for which the true up is being requested. However, in such true up, any abnormal and uncontrollable variation may also be considered. While determining O&M norms, an element for payment of prior period arrears up to 31.8.2008, on account of revision of pay scales of the employees in accordance with Sixth pay Commission recommendations as implemented by the Distribution Licensees of the State, has been included. This shall also be trued up and for this purpose details of actual arrears payments shall have to be furnished.
- 8.3. If the Tariff already recovered is more than the Tariff determined after true up, the Distribution Licensees shall refund to the consumers the excess amount so recovered in the manner as may be decided by the Commission in the True-up order. Similarly, in case the Tariff already recovered is less than the Tariff determined after true up, the Distribution Licensees shall recover from the consumers, the under recovered amount in the manner as may be decided by the Commission subject to adhering to the timelines specified by the Commission for filing of True-up Application. The decision of the Commission on the mechanism of recovery of balance amount due to under recovery shall be final.
- 8.4. The Tariff and True up filing shall be in accordance with and in the formats prescribed in MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulations, 2004 (as amended from time to time) by 31st October every Year.
- 8.5. The Distribution Licensee's Aggregate Revenue Requirement shall be presented to the Commission through a petition in three distinct parts i.e. first for the energy cost i.e. power purchase cost including transmission and Distribution losses and inter-state and intra-state transmission charges, second for wheeling expenses and third for expenses pertaining to supply of energy to consumers, including customer services.
- 8.6. The expenses pertaining to the creation, maintenance, upkeep, renewal and development including replacement and expansion of wires network shall be considered as wheeling activity. This shall cover sub-stations, conductors, transformers, plants and apparatus used in the Distribution System for wheeling of electricity by the Distribution Licensee.
- 8.7. The costs associated with the supply activity of the Distribution Licensee will include (a) establishment cost for arranging the power to the consumers and (b) providing consumer services, which may include expenses of metering, billing, recovery and associated activities.
- 8.8. A Distribution Licensee having any other business which utilises the assets of the distribution business, shall maintain and submit to the Commission, separate accounts with respect to its licensed business and such other business.

- 8.9. The Commission may, for the entire tariff period, approve the Aggregate Revenue Requirement for the Wheeling and Supply activities of the Distribution Licensee based on the principles contained in these Regulations and authorise the Distribution Licensee to recover the charges from the consumers during the period of authorisation. Based on MYT principles the Distribution Licensee shall be required to file Tariff / True-up petitions in the manner specified at Regulation 8.4.
- 8.10. The ARR once approved for the tariff period shall only require annual adjustments in order to pass through uncontrollable variations in costs and revenues. All controllable variations shall normally be treated only at the end of the tariff period; however, if the magnitude of such variations is substantial then such variations could be reviewed during the tariff period also. However, the Distribution Licensee shall file an application before the Commission every year latest by 31st October for seeking renewal of authorisation to recover charges from the consumers after the period for which he is already authorised by the Commission.
- 8.11. The Commission will treat each Licensee's area as a single territory for the purpose of recovering the expenses allocable to wheeling activity of Distribution Licensee and accordingly separate wheeling charges for each Licensee may be determined.
- 8.12. The Commission envisages making a distinction between interruptible and un-interruptible supply. Un-interruptible supply shall be at EHT voltage and the Licensee may also provide un-interruptible supply at 33kV, if technically feasible and is requisitioned by the consumer. The Commission may authorise the Licensee to recover a supply reliability charge for un-interruptible supply.
- 8.13. The Commission shall determine average per unit cost of energy to be recovered from the consumers duly giving consideration to the Distribution losses allowed to the particular Licensee for the Tariff Period.
- 8.14. The approved ARR shall include components of power purchase cost, wheeling expenses and supply expenses and shall be recoverable from all consumers availing supply from the Distribution Licensee
- 8.15. While determining the Aggregate Revenue Requirement of the Distribution Licensee, the Licensee, apart from details of energy cost, shall also provide accounting details / cost allocation details of activities pertaining to Wheeling (distribution wires) and Supply separately.
- a. The items allocated to energy cost i.e. power purchase cost
- (i) Fixed Cost of power purchase
 - (ii) Variable Cost of power purchase
 - (iii) Inter-State Transmission Losses
 - (iv) Inter-State Transmission Charges
 - (v) Intra-State Transmission Losses
 - (vi) Intra-State Transmission Charges

(vii) Any other charges attributable to power purchase

b. The items allocable to wheeling activity may include:

- (i) Operations and Maintenance expenses of the distribution network relating to wheeling activity;
- (ii) Depreciation on assets identified with wheeling activity;
- (iii) Interest and finance charges on project loans identified with wheeling activity as far as possible or notionally;
- (iv) Interest and finance charges on Working Capital identified with wheeling activity;
- (v) Return on Equity allocable to wheeling activity;
- (vi) Lease / Hire purchase charges; and
- (vii) Cost of hedging or swapping to take care of Foreign Exchange Rate Variation (FERV).

c. The expenses allocable to supply activity may include:

- (i) Operations and Maintenance expenses relating to supply activity;
- (ii) Depreciation on assets identified with supply activity;
- (iii) Interest and finance charges on project loans identified with supply activity as far as possible or notionally;
- (iv) Interest and finance charges on Working Capital identified with supply activity;
- (v) Interest on Consumer Security Deposit;
- (vi) Return on Equity allocable to supply activity;
- (vii) Bad and doubtful debts; and
- (viii) Lease / Hire purchase charges;

8.16. Subject to other provisions of these Regulations, the expenses allowed to be recovered by means of tariff for any financial year, shall be subject to adjustments in any tariff to be fixed for the subsequent period, if the Commission is satisfied, that such adjustments for the excess amount or shortfall in the amount actually realized or expenses incurred are necessary and the same are not on account of any reason attributable to or within the control of the Distribution Licensee.

9. Fuel Surcharge

9.1. As provided in Section 62(4) of the Act, a fuel surcharge formula may be specified by the Commission and tariff may be permitted to be charged under the terms of specified formula. The impact of fuel surcharge whenever permitted in respect of a generating company shall be recoverable from Consumers and the Distribution Licensee may approach the Commission for such Orders as are necessary under Section 62(4) of the Act.

10. Preparation & submission of Annual Accounts, Reports etc

- 10.1. Every Distribution Licensee shall submit annual statement of accounts and such other information as may be specified by the Commission. In addition to the submission of annual accounts, the Distribution Licensee shall be required to comply with the information requirements of various Regulations and License conditions notified by the Commission from time to time.

11. Periodicity of Tariff determination

- 11.1. No Tariff or part of any Tariff may ordinarily be amended, more frequently than once in a Year. The Commission may, after satisfying itself for reasons to be recorded in writing, allow for the revision of Tariff in duration less than a year.

12. Hearings

- 12.1. The procedure of hearing on the Tariff application shall be as specified in MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulations 2004, as amended from time to time.

13. Admission of the petition and orders of the Commission

- 13.1. The petition submitted by the licensee for ARR/ tariff determination including true up petition shall be given a provisional receipt number. Any deficiency in the information submitted in the petition or additional information required shall be communicated to the Licensee. The Licensee shall submit the information desired by the Commission within the specified time limit failing which the petition may be rejected and returned to the Licensee. The petition shall only be construed as accepted after it is submitted by the Licensee with the complete information including the additional information. After such acceptance of the petition, a final petition number would be allotted.
- 13.2. The Commission, after the petition has been accepted, may require the Distribution Licensee to furnish any particulars, documents, public records etc as the Commission may consider appropriate to enable the Commission to review the petitioner's calculations, assumptions and assertions.
- 13.3. After receipt of information or otherwise, the Commission may make appropriate orders in accordance with the provisions of the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulations, 2004 as amended from time to time.

14. Charging of Tariff other than approved

- 14.1. Any Distribution Licensee found to be charging a Tariff different from the one approved by the Commission from the consumers shall be deemed to have not complied with the directions of the Commission and shall be liable to be proceeded against under Section 146 and / or 149 of the Act without prejudice to any other liability becoming due from the Licensee under any other provisions of the Act. In case the amount recovered exceeds the amount allowed by the Commission, the excess amount so recovered shall be refunded to the Consumers who have paid such excess charges, along with simple interest for that period equivalent to the short term prime lending rate of State Bank of India as on April 1, of the relevant Year.

15. Review during and at the end of period of the tariff order

- 15.1. The Distribution Licensee shall submit periodic returns as may be specified, containing operational and cost data to enable the Commission to monitor the implementation of its order.
- 15.2. The Distribution Licensee shall submit to the Commission annual statements of its performance and accounts including latest report of audited accounts.
- 15.3. For each year of the tariff period, sales shall be grossed up by allowed level of losses as indicated in MYT trajectory for estimating power purchase cost subject to justifiable power purchase mix variation (for example, more energy may be purchased from thermal generation in the event of poor rainfall).
- 15.4. The variations during the tariff period in other approved costs shall be considered by the Commission only if the Licensee is able to prove to the satisfaction of the Commission that these variances are on account of factors beyond its reasonable control. Variations on account of controllable reasons shall be considered only if they have a substantial impact on the business of the Licensee.
- 15.5. At least twelve months before the end of the tariff period, the Commission shall initiate a comprehensive review of norms and the long term tariff principles contained in these Regulations.
- 15.6. Such review shall be with the objective of analysing implementation of the long term principles and making modification or improvement in the norms, principles, procedures and methodology.

CHAPTER II

PRINCIPLES FOR DETERMINATION OF TARIFF

16. Petition for determination of Tariff

- 16.1. The Distribution Licensee shall file the petition accompanied by such forms as may be specified for determination of Tariff complying with provisions of Chapter I of these Regulations and MPERC (Details to be furnished and fee payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making application) Regulations 2004, as amended from time to time, based on the principles specified by the Commission in these Regulations. These principles shall be implemented from 1st April, 2010 and shall be applicable for a period up to 31st March, 2013.
- 16.2. The Distribution Licensee shall continue to provisionally bill the Consumers based on Tariff approved by the Commission and applicable as on 31.3.2010 for the period starting from 1.4.2010 till approval of new Tariff by the Commission in accordance with these Regulations.

17. Basis for determination of Tariff

- 17.1. As stated, multiyear tariff principles shall be applicable from 1st April, 2010 for a period of three years and the Distribution Licensees are required to file the proposals for determination of tariff accordingly.
- 17.2. The wheeling and supply expenses shall be determined by the Commission every year. Further, the Commission may allow a change in wheeling and supply expenses on account of unforeseen additional and extraordinary investment needed for the Distribution network on receipt of true-up applications.

18. Capital Cost and Capital structure

- 18.1. Capital cost for a Project shall consists of :
- a. The Expenditure incurred or projected to be incurred on original scope of work, including interest during construction and financing charges excluding initial capital spares, any gain or loss on account of foreign exchange rate variation on the loan up to the Date of Commercial Operation of the Project, as admitted by the Commission after prudent check, which shall form the basis for determination of Tariff.
 - b. Capitalized initial spares subject to the following ceiling norms:
 - i) Lines- 0.75% of Original Project cost

ii) Substations- 2.5% of Original Project cost

iii) Other devices such as capacitors etc.- 3.5 % of Original Project cost

- 18.2. The capital cost admitted by the Commission after prudent check shall form the basis for determination of Tariff. Prudent check may include scrutiny of the reasonableness of the capital expenditure, financing plan, interest during construction, use of efficient technology, cost over-run and time over-run, and such other matters as may be considered appropriate by the Commission for determination of Tariff.

Provided that in case of the Existing Projects, the capital cost admitted by the Commission prior to 1.4.2010 shall form the basis for determination of capital cost.

- 18.3. Restructuring of capital cost in terms of relative share of equity and loan component shall be permitted during the Tariff Period provided it does not affect Tariff adversely. Any benefit from such restructuring shall be passed on to the Consumers as may be specified by the Commission.

19. Debt-equity ratio

- 19.1. For the purpose of determination of tariff, the debt-equity ratio of the total capital employed in completed assets shall be 70:30 subject to Regulation 19.2. The debt-equity amount arrived in accordance with this clause shall be used for calculation of interest on loan, return on equity, depreciation and foreign exchange rate variation
- 19.2. For a Project declared under commercial operation on or after 1.4.2010, if the equity actually deployed is more than 30% of the capital cost, equity in excess of 30% shall be treated as normative loan:

Provided that where equity actually deployed is less than 30% of the capital cost, the actual equity shall be considered for determination of Tariff.

Provided further that the equity invested in foreign currency shall be designated in Indian rupees on the date of each investment.

Explanation: The premium, if any, raised by the Distribution Licensee, while issuing share capital and investment of internal resources created out of its free reserve, for the funding of the Project, shall be reckoned as paid up equity capital for the purpose of computing return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilized for meeting the capital expenditure of the Distribution System.

- 19.3. In case of the Distribution System declared under commercial operation prior to 1.4.2010, debt-equity ratio allowed by the Commission for determination of Tariff for the period ending 31.3.2010 shall be considered.

20. Working capital

- 20.1. Working capital for supply activity of the Licensee shall consist of:
- (i) Power purchase cost of one month and receivables of two months of average billing reduced by any consumer security deposit ,
 - (ii) O&M expenses for one month, and
 - (iii) Inventory (meters, metering equipment, testing equipment are particularly relevant in case of supply activity) for 2 months based on annual requirement for previous year.
- 20.2. Working capital for wheeling activity of the Licensee shall consist of
- (i) O&M expenses for one month, and
 - (iii) Inventory (excluding meters, etc. considered part of supply activity) for 2 months based on annual requirement considered at 1% of the gross fixed assets for previous year.
- 20.3. The norms described above shall be applicable for each year of the tariff period.

21. Business Plan and Capital Investment

- 21.1. The Distribution Licensee shall file a business plan every year in July which shall comprise but not be limited to detailed capital investment plan, financing plan and physical targets in accordance with guidelines issued by the Commission in this regard for meeting the requirement of load growth, reduction in Distribution losses, improvement in quality of supply, reliability, metering etc.
- 21.2. The Capital plan shall show separately, on going Projects that will spill into the Year under review and new Project (along with justification) that may commence but may be completed within or beyond the Tariff Period. The Commission shall consider and approve the Licensee's capital investment plan for which the Licensee shall be required to provide relevant technical and commercial details. The Licensee shall get the Capital Investment Plan invariably approved by the Commission before filing the Tariff application.
- 21.3. The proportion for debt and equity for the approved capital investment shall be as per Regulation 19.

22. Estimation of sales

- 22.1. The estimation of the sale for each year of the Tariff period shall be based on the category wise and slab wise actual / audited data of the sale of electricity, number of consumers, connected / contracted load, etc. of the preceding four years. The year wise projections of the aforementioned parameters for the tariff period shall also be provided along with the tariff petition.
- 22.2. The reasonableness of growth in number of consumers, consumption, demand of electricity and trend of reduction of losses in previous years and anticipated growth in the next years and any other factor, which the Commission may consider relevant, may be examined and subsequently approved for deciding the quantum of electricity to be purchased by the Licensees with such modifications as deemed fit.
- 22.3. For the purpose of such estimation Distribution Licensee shall also indicate:
- a. Category wise open access consumers, traders and other Distribution Licensees using its system. The demand and energy wheeled for them shall be shown separately in respect of consumers;
 - i. within the area of supply and
 - ii. outside the area of supply.
 - b. Sale of electricity, if any, to electricity traders or other Distribution Licensees shall be separately indicated.
- 22.4. The Distribution Licensee shall have to establish consumption of un-metered consumer categories through DTR metering through representative sampling /audit etc. In the absence of such energy audit / representative samples / DTR metering, etc. the Distribution Licensees' claim will not be accepted and the estimation of consumption shall be based on the benchmarks as the Commission may consider appropriate.

23. Distribution Losses

23.1. The Govt. of MP, in accordance with the Section 5.8.10 of National Electricity Policy and Section 5.8(b)(2) of Tariff Policy, had prescribed the loss trajectory vide its order No. 8414/13/2006 of December 28, 2006. The loss trajectory was adopted by the Commission for the purpose of determination of tariff. The said section of National Electricity policy required the State Government to prescribe loss trajectory for 5 years which period would be over by FY2010-11. The GoMP again vide its submission through the letter no. 8674 dated 26th November, 2009 has suggested loss trajectory for the years 2010-11 to 2012-13 including revision in loss targets for FY 2010-11 included in earlier communication of December,06. The Commission has considered the suggestions made by the GoMP and also the recommendations made for reduction of losses in the report of Task Force constituted by Ministry of Power, GoI on "Restructuring of APDRP" as well as the submission made by the objectors. The Commission has also kept in view the rapid deterioration in financial health of the Distribution Companies primarily on account of their inability to contain losses within those prescribed. The Distribution loss level trajectory as considered appropriate by the Commission for the Distribution Licensees is as given in the table below:

(Figures in %)

Sl. No.	Distribution Licensee	FY11	FY12	FY13
1.	East Discom	30 %	27 %	24 %
2.	West Discom	26 %	24%	22 %
3.	Central Discom	33 %	29 %	26 %

23.2. If the Distribution Licensee is able to achieve a faster reduction in losses and thus able to save expenses on power purchase, the gains thus made shall be allowed to be retained by the Licensee to incentivise its their operations.

24. Estimate of power purchase requirement and availability

- 24.1. Each year's estimated sale as per Regulation 22 will be grossed up by the percentage losses as indicated in the Regulation 23.1 to arrive at the figure of power purchase requirement of the Licensee for such year. Transmission losses both for inter-State and intra-State transmission systems will be allowed in addition to prescribed Distribution losses for that year.
- 24.2. The Discom wise availability of the power shall be as per the allocation notified by the GoMP from time to time. The availability from CPPs and any other source shall also be considered while determining the total availability.
- 24.3. In addition, as per the requirement under Section 86(1)(e) of the Act, the Commission has indicated the quantum of power to be purchased by Distribution Licensees from non-conventional / renewable energy sources. Availability of power from such sources shall also be included in the total availability of power.

25. Estimation of power purchase cost

- 25.1. The cost of power purchase from State Generating Stations shall be as per the tariff determined/approved by the Commission from time to time. The cost of purchase from the Central Sector Stations shall be based on the tariff as per CERC's orders as may be applicable from time to time.
- 25.2. In respect of projects executed by the State of Madhya Pradesh along with any other State(s), the Commission shall determine the tariff in consultation with the other concerned Regulatory Commissions where the responsibility is not assigned to CERC.
- 25.3. The cost of power purchased from other Generating Companies, Traders and other Distribution Licensees shall be as per the PPAs and trading arrangements approved by the Commission, subject to the condition that the Distribution Licensees get prior approvals of such arrangements from the Commission in accordance with the appropriate Regulations.
- 25.4. The Cost of power generated by the generating plant of the Distribution Licensee and sold by it to its consumers shall be based on tariff determined by the Commission.
- 25.5. The cost of power to be procured from the Captive Power Plants shall be as decided by the Commission from time to time.

25.6. The cost of power to be purchased by Distribution Licensees from non-conventional / renewable sources of energy shall be as determined by the Commission from time to time. This cost shall be included in the ARR while estimating the cost for procurement of power by the Licensee.

25.7. Any financial loss on account of power purchased by the Licensee in any year to meet additional losses over and above the approved level of losses shall be borne by the Licensee.

26. Charges payable to Transmission Licensees

26.1. The transmission charges for the use of transmission system of Central Transmission Licensees for the power purchased from outside the State shall be considered as per the orders issued by the CERC from time to time.

26.2. The transmission charges for the use of State Transmission System of the State Transmission Licensee shall be as per the orders of the Commission as issued from time to time.

27. Distribution Tariff

27.1. The Tariff for Distribution of electricity shall consist of power purchase cost, wheeling cost and supply cost consisting of the components specified in Regulation 8.15.

28. Return on Equity

28.1. Return on equity shall be computed in rupee terms, on the paid up equity capital determined in accordance with Regulation 19.

28.2. Return on equity shall be computed on pre-tax basis at the rate of **16%**. Any expenses on payment of Income Tax shall be allowed extra on actual basis on the licensed business of Distribution Licensee.

28.3. The premium raised by the Licensee while issuing share capital and investment of internal resources created out of free reserve, if any, shall also be reckoned as paid up capital for the purpose of computing return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilised for meeting capital expenditure and form part of the approved financial package. For the purposes of calculation of computation of return, the portion of free reserves utilized for meeting the capital expenditure shall be considered from the date the asset created is productively deployed in the Distribution business.

29. Interest and finance charges on loan capital

- 29.1. The loans arrived at in the manner indicated in Regulation 19 shall be considered as gross normative loan for calculation of interest on loan.
- 29.2. The normative loan outstanding as on 1.4.2010 shall be worked out by deducting the cumulative repayment as admitted by the Commission up to 31.3.2010 from the gross normative loan.
- 29.3. The repayment for each Year of the Tariff period 2010-11 to 2012-13 shall be deemed to be equal to the depreciation allowed for that Year.
- 29.4. Notwithstanding any moratorium period availed by the Distribution Licensee, the repayment of loan shall be considered from the first Year of commercial operation of the Project and shall be equal to the annual depreciation allowed.
- 29.5. The rate of interest shall be the weighted average rate of interest calculated on the basis of the actual loan portfolio at the beginning of each Year applicable to the Project:
- Provided that if there is no actual loan for a particular Year but normative loan is still outstanding, the last available weighted average rate of interest shall be considered.
- Provided further that if the Distribution System does not have actual loan, then the weighted average rate of interest of the Distribution Licensee as a whole shall be considered.
- 29.6. The interest on loan shall be calculated on the normative average loan of the Year by applying the weighted average rate of interest.
- 29.7. The Distribution Licensee shall make every effort to re-finance the loan as long as it results in net savings on interest and in that event the costs associated with such re-financing shall be borne by the consumers and the net savings shall be shared between consumers and Distribution Licensee in ratio 1:1.
- 29.8. The changes to the terms and conditions of the loans shall be reflected from the date of such re-financing.
- 29.9. Interest charges on security deposits with the licensee shall be considered at the rate specified by the Commission from time to time.

30. Depreciation

30.1. For the purpose of Tariff, depreciation shall be computed in the following manner:

- a. The value base for the purpose of depreciation shall be the capital cost of the assets as admitted by the Commission
- b. The approved/accepted cost shall include foreign currency funding converted to equivalent rupee at the exchange rate prevalent on the date of foreign currency actually availed.
- c. The salvage value of the asset shall be considered as 10% and depreciation shall be allowed up to maximum of 90% of the capital cost of the asset.
- d. Land other than land held under lease shall not be a depreciable asset and its cost shall be excluded from the capital cost while computing depreciable value of the asset.
- e. Depreciation shall be calculated annually based on 'straight line method' and at rates specified in Annexure III to these Regulations for the assets of the Distribution System declared in commercial operation after 31/03/2010.

Provided that, the remaining depreciable value as on 31st March of the Year closing after a period of 12 Years from Date of Commercial Operation shall be spread over the balance useful life of the assets.

Provided further that the Consumer contribution or capital subsidy/ grant etc. for asset creation shall be treated as may be notified by the Commission from time to time.

- f. In case of the existing Projects, the balance depreciable value as on 1.4.2010 shall be worked out by deducting the cumulative depreciation including Advance Against Depreciation as admitted by the Commission up to 31.3.2010 from the gross depreciable value of the assets. The rate of Depreciation shall be continued to be charged at the rate specified in Appendix-III till cumulative depreciation reaches 70 %. Thereafter, the remaining depreciable value shall be spread over the remaining life of the asset such that the maximum depreciation does not exceed 90 %.

- g. Depreciation shall be chargeable from the first Year of commercial operation. In case of commercial operation of the asset for part of the Year, depreciation shall be charged on *pro rata* basis.

31. Lease/ Hire Purchase charges

- 31.1. Lease charges for assets taken on lease by Distribution Licensee shall be considered as per lease agreement provided the charges are considered reasonable by the Commission.

32. Operation & Maintenance expenses

- 32.1. Operation and Maintenance expenses shall be determined for the Tariff Period based on normative O&M expenses specified by the Commission in these Regulations. The O&M expenses comprise of employee cost, repairs & maintenance (R&M) cost and administrative & general (A&G) cost. The norms for O&M expenses have been fixed on the basis of metered sale and Gross Fixed Assets (GFA) of the Distribution Licensees. These norms exclude pension, terminal benefits and incentive to be paid to employees, taxes payable to the Government, MPSEB expenses and fee payable to MPERC. The Distribution Licensee shall claim the taxes payable to the Government and fees to be paid to MPERC separately as per actual. The claim of expenses towards pension and terminal benefits shall be dealt as indicated in these Regulations 32.6 and 32.67.
- 32.2. Normative O&M expenses other than expenses on payment of arrears to employees up to 31.08.08 on account of revision of pay scales of the employees based on the Sixth Pay Commission recommendations, as implemented by the Distribution Licensees at the commencement of the Tariff Period have been escalated at the rate of 6.14% considering a weighted average of Wholesale Price Index and Consumer Price Index in the ratio of 60: 40.
- 32.3. For first Financial Year of the control period, the impact of implementation of 6th Pay Commission recommendations has been considered in employees cost, which has been escalated @ 6.14% in subsequent Years. The Commission has also considered expected expenditure of Rs. 33.37 Crore for East Discom, Rs.31.31 Crore for West Discom and Rs. 29.52 Crore for Central Discom in each financial year towards payment of arrears up to 31.8.2008 for the period from 2010-11 to 2012-13 as one third each year for the Distribution Licensees.

- 32.4. In the case of repair & maintenance for determining expenses to be allowed for the control period, trend of repair & maintenance on percentage of opening GFA as per audited figures of 2006-07, 2007-08 & 2008-09 have been taken. For administration & general expenses, audited figures for the year 2008-09 have been taken as base and escalated Year-wise at inflation rate of 6.14% to arrive at the amounts allowed for the control period.
- 32.5. The amount of arrears on account of 6th Pay Commission for the period up to 31.08.08 actually paid by the Distribution Licensees shall be compared with amount towards this included in O&M charges at the time of true-up and variation, if any, shall be trued up.
- 32.6. Employees transfer to Companies from MPSEB is yet to take place. Actuarial analysis for assessment of present level of unfunded terminal liabilities and segregation of this liability for pensioners, past service rendered by employees on rolls and current provision for serving employees is yet to be completed. The scheme for funding this unfunded liability and operationalising Terminal Benefit Trust Fund has been pronounced by the State Government.
- 32.7. As per the Commission's view, the funds needed for pension contribution of existing employees i.e. current liability for each Year alone should be allowed in the employee cost of the M.P. Transmission Company Ltd., M.P. Generating Company Ltd., and three Distribution Companies. The Commission, in the intervening period, has been allowing funds needed for actual pension payment and other terminal benefits like gratuity. With the rapid increase in pension bills, its impact on tariff is progressively going up. This arrangement of allowing actual pension payment has become unsustainable and will have to be discontinued in near future. In view of the above, the Commission in the MYT Regulations for Transco had directed that an actuarial analysis for determining pension liability of pensioners as also for service already rendered by existing employees on one hand and current provision needed for each fiscal year commencing from FY 2010-11 for serving employees on other hand, be got conducted for each Year and findings be reported to the Commission. The M.P. Transmission Company Limited had been charged with carrying out this activity by Sept, 2009. It has now been informed that this activity is likely to be completed by February, 2010. The Commission, based on outcome of actuarial analysis, will take a comprehensive view and will firm up a strategy to meet this unfunded liability. The Commission, while finalising the above, shall also take into consideration the various arrangements made in other States for meeting this liability as also the views of all stakeholders.

- 32.8. Increase in O&M charges on account of war, insurgency or changes in laws, or like eventualities where the Commission is of the opinion that an increase in O&M charges is justified, may be considered by the Commission for a specified period.
- 32.9. Any saving achieved by a Licensee in O&M expenses in any Year shall be allowed to be retained by it. The Licensee shall bear the loss if it exceeds the targeted O&M expenses for that Year.
- 32.10. The norms for O&M expenses shall be as under:
- R&M Expenses shall be allowed on the opening GFA of the financial year @ 2% for East Discom, @ 2% for West Discom and @ 2.3% for Central Discom.
 - Employee expenses and A&G expenses have been worked out for the financial year 2010-11 after taking into account the past actual expenses as per audited balance sheets, expenses on account of revision of pay and arrears as per 6th pay Commission, etc. as per table given below:

Discom	Expenses allowed (Rs. in Crore) for 2010-11		
	East	West	Central
Employee expenses excluding arrears	415.06	389.37	367.15
Arrears	33.37	31.31	29.52
A&G expenses	73.37	64.39	69.57

For subsequent financial years of the control period employee expenses (excluding arrears) and A&G expenses will be escalated @ 6.14% every year for taking care of normal inflation. Expenses against payment of arrears for subsequent financial years of the control period shall be allowed on the same level as allowed for 2010-11 indicated in the above table.

- 32.11. Incentive/ disincentive for increase/ reduction in metered sale shall be provided. Discom wise incentives/ disincentives based on the present level of metered sale shall be as follows:
- In case of MP Poorv Kshetra Vidyut Vitaran Co. Ltd., for every 1% increase in metered sales, expressed as percentage of total sale, from 80 % (present level of metered sale), an incentive of Rs.3.27 Crore shall be provided. Similarly a disincentive for every 1% increase in un-metered sale from 20% shall also be applicable at the rate of Rs.3.27 Crore.
 - In case of MP Madhya Kshetra Vidyut Vitaran Co. Ltd., for every 1% increase in metered sales, expressed as percentage of total sale, from 81% (present level of metered sale), an incentive of Rs.2.88 Crore shall be provided. Similarly a disincentive for every 1% increase in un-metered sale from 19% shall also be applicable at the rate of Rs.2.88 Crore.

3. In case of MP Paschim Kshetra Vidyut Vitāran Co. Ltd., for every 1% increase in metered sales, expressed as percentage of total sale, from 70% (present level of metered sale), an incentive of Rs.3.48 Crore shall be provided. Similarly a disincentive for every 1% increase in un-metered sale from 30% shall also be applicable at the rate of Rs.3.48 Crore.
- 32.12. The amount of incentive so earned by the Distribution Licensee shall be utilized for implementation of meterisation schemes which may include expenses on account of procurement & installation of meters on unmetered connections and other related activities. The Licensee shall keep a separate account of the incentive earned and its actual utilisation and shall submit the details to the Commission along with subsequent ARR/ true up petition.
- 32.13. For computing metered sale for the purpose of incentive/ disincentive, actual sale done through DTR meters to unmetered agricultural connections shall be considered as metered sale provided that this is substantiated by the Licensee.
- 32.14. For the purpose of arriving at metered sale percentage, fraction more than 0.5 shall be rounded off to next higher integer. Similarly, fraction less than or equal to 0.5 shall be rounded off to next lower integer.

33. Bad and doubtful debts

- 33.1. Bad and Doubtful Debts shall be allowed to the extent of the Distribution Licensee has actually written off bad debts subject to a maximum limit of 1% of the yearly revenue.

34. Interest charges on working capital

- 34.1. Working capital shall be computed as provided in these Regulations and Rate of interest on working capital shall be equal to the State Bank of India Advance Rate as on April 1 of the relevant Year. The interest on working capital shall be payable on normative basis notwithstanding that the Licensee has not taken working capital loan from any outside agency or has borrowed in excess of the working capital loan computed on normative basis.

35. Foreign Exchange Rate Variation (FERV)

- 35.1. The Distribution Licensee may hedge foreign exchange exposure in respect of the interest on foreign currency loan and repayment of foreign loan acquired for the Distribution System, in part or full in the discretion of the Distribution Licensee.
- 35.2. Every Distribution Licensee shall recover the cost of hedging of Foreign Exchange Rate Variation corresponding to the normative foreign debt, in the relevant Year on year-to-year basis as expense in the period in which it arises and extra rupee liability corresponding to such Foreign Exchange Rate Variation shall not be allowed against the hedged foreign debt.
- 35.3. To the extent the Distribution Licensee is not able to hedge the foreign exchange exposure, the variation in rupee liability towards interest payment and loan repayment corresponding to the normative foreign currency loan in the relevant Year shall be permissible provided it is not attributable to the Distribution Licensee or its suppliers or contractors.
- 35.4. The Distribution Licensee shall recover the cost of hedging and adjust the impact of Foreign Exchange Rate Variation on year-to-year basis as income or expense in the period in which it arises.

36. Tax on Income

- 36.1. Actual payment of Income Tax on Income streams of the Distribution Licensee shall be admissible as expenses.

Provided that the deferred tax liability, excluding Fringe Benefit Tax, for the period up to 31st March, 2010 whenever it materializes, shall be recoverable from the Consumers through tariff.

37. Tariff income

- 37.1. Income from all charges determined by the Commission for Distribution and supply of electricity shall be considered as Tariff income. Tariff income shall include fixed charges, energy charges, minimum charges and other charges as may be specified by the Commission for different consumer categories.

38. Other income

- 38.1. A schedule for other income as provided in the schedule of Miscellaneous Charges and General Charges under MPERC (Details to be furnished by Licensees for determination of Tariff and manner of making an application) Regulation 2004 as amended from time to time shall be classified under 'Other Income'.
- 38.2. Revenue from other business shall be treated as income to the extent authorized by the Commission under Section 41 of the Act.

39. Late payment surcharge

- 39.1. Surcharge as may be prescribed will be payable if the bills are not paid up to due date. The part of a month will be reckoned as full month for the purpose of calculation of delayed payment surcharge. The delayed payment surcharge will not be levied for the period after supply to the consumer is permanently disconnected.
- 39.2. The delayed payment surcharge shall not be considered as income for purpose of determination of gap between Annual Revenue Requirement and tariff & other income.

40. Determination of tariffs for supply to consumers

- 40.1. The Commission shall determine the charges recoverable from different consumer categories based on the following principles:
- (a) The average cost of energy supplied to consumers and estimated Distribution losses shall be recovered as energy charge;
 - (b) The expenses efficiently incurred on wheeling and supply activities shall be recoverable from the consumers on the basis of factors mentioned in Section-62(3) of the Act;
 - (c) To the extent possible, the fixed charges and energy charges shall be uniform within a particular voltage class. The differentiation in charges within a particular voltage class, if necessary, shall be done based on the factors listed in Section 62(3) of the Act;
 - (d) Tariff minimum: The Commission does not favour tariff minimum to be recovered from EHT/HT/LT consumers. However, the fixed charges linked to contract demand shall be recoverable from the consumers; and in case it is found that recovery of actual fixed expenses in full through fixed cost may distort the tariff leading to higher burden on consumers, the Commission may continue levy of minimum charges till the time fixed charges are aligned with recovery of full fixed costs.
 - (e) Load factor incentive: Load factor based concessions in tariff may be allowed to consumers based on the scheme approved by the Commission in its Tariff Orders issued from time to time.

- (f) Prompt payment incentive: An incentive for prompt payment could be given to the consumers as may be decided by the Commission. The consumers in arrears shall not be entitled for this incentive.
- (g) Power Factor incentive/ surcharge: Power factor incentive/ surcharge in tariff may be allowed/levied to consumers based on the scheme approved by the Commission in its Tariff Orders issued from time to time.
- (h) Temporary connection charges: Temporary connection charges will be levied as may be decided by the Commission.
- (i) Supply reliability charge: The Commission may consider to prescribe supply reliability charges for those categories of consumers who are provided with uninterruptible supply.
- (j) Additional charge on account of procurement of costly power: The Commission may consider to prescribe additional charges on account of procurement of costly power.
- (k) Incentives for energy conservation and demand side management: The Commission may prescribe incentives for energy conservation measures and demand side management.
- (l) Welding surcharge: The Commission may prescribe Welding surcharge for the installation having load of welding machines.
- (m) ToD incentive/ surcharge: The Commission may prescribe Time of day incentives/ surcharge for use in the specified duration of the day/ season.
- (n) Reactive energy charge: The Commission may prescribe Reactive energy charge for the installations drawing reactive energy.
- (o) Any other incentive / surcharge: The Commission may prescribe any other surcharge / incentive.

41. Inter-category transfers or cross-subsidy

- 41.1. The overall process of determining tariff shall ensure that prudent costs are passed on to consumers. However, aspect of meeting the social objective of providing affordable power to all groups of users without an unbearable tariff shock needs to be considered. Therefore there is a need for cross subsidization while determining tariff for individual category keeping in view the provisions of Tariff policy. The cross-subsidy may be shown in the tariff determined for consumer categories and shall be worked out in such manner so as to meet the objectives of the Tariff policy.

42. Tariff categories and intimation of tariff rates to consumers

- 42.1. The Commission, while determining the tariff for supply of electricity under Section 62 shall specify details of charges to be recovered by the Distribution Licensee from different consumer categories. For the tariff period, the consumer categories shall broadly comprise of the following, at specified voltage levels:
- Heavy Industrial Use, including Railway Traction, coal mines, seasonal, etc.
 - Non industrial use
 - Domestic Use
 - Non Domestic Use
 - Public Lighting / Water Supply
 - Agriculture, Irrigation and agro based industry
 - Light and Medium scale Industrial Motive Power
 - Any other categories as may be considered appropriate by the Commission
- 42.2. The Commission may, while determining tariffs for any year of the tariff period specify suitable sub-categories / consumption slabs / load slabs within the broad categories mentioned above, and may separately prescribe tariff rates for each such sub-category / consumption slabs / load slabs.
- 42.3. The Distribution Licensee shall send a tariff card to each consumer showing the details of various charges approved by the Commission after each tariff determination exercise.

CHAPTER III**MISCELLANEOUS****43. CDM Benefits**

43.1. The proceeds of carbon credit from approved Clean Development Mechanism (CDM) project shall be shared in the following manner, namely-

- (a) 100% of the gross proceeds on account of CDM shall be retained by the project developer in the first Year after the Date of Commercial Operation of the Distribution System.
- (b) In the second Year, the share of the Consumers shall be 10% which shall be progressively increased by 10% every Year till it reaches 50%, where after the proceeds shall be shared in equal proportion, by the Distribution Licensee and the Consumers.

44. Deviation from norms.

44.1. The Distribution Tariff to be recovered by the Distribution Licensees from the consumers may also be determined by the Commission in deviation of the norms specified in these Regulations .

45. Power to remove difficulties

45.1. If any difficulty arises in giving effect to any of the provisions of these Regulations, the Commission may, by general or special order, do or undertake or direct the Licensees to do or undertake things, which in the opinion of the Commission is necessary or expedient for the purpose of removing the difficulties.

46. Power to Amend

46.1. The Commission may, at any time add, vary, alter, modify or amend any provisions of these Regulations.

47. Repeal and Savings

- 47.1. The Regulations namely "Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for determination of Tariff for Distribution and Retail Supply of Electricity and Principles for Fixation of Charges), Regulations, 2006 (RG-27 (I) of 2006)" published vide Notification No.2617/MPERC/2006 in the Gazette dated 26/10/2006 and read with all amendments thereto, as applicable to the subject matter of these Regulations are hereby superseded.
- 47.2. True up of ARR and other matters related to tariff for the period given for the above mentioned Regulations shall be dealt as per the provisions of the said Regulations.
- 47.3. Nothing in these Regulations shall be deemed to limit or otherwise affect the inherent power of the Commission to make such orders as may be necessary for ends of justice to meet or to prevent abuses of the process of the Commission.
- 47.4. Nothing in these Regulations shall bar the Commission from adopting, in conformity with the provisions of the Act, a procedure, which is at variance with any of the provisions of this Regulation, if the Commission, in view of the special circumstances of a matter or class of matters and for reasons to be recorded in writing, deems it necessary or expedient for dealing with such a matter or class of matters.
- 47.5. Nothing in these Regulations shall, expressly or impliedly, bar the Commission dealing with any matter or exercising any power under the Act for which no Regulations have been framed, and the Commission may deal with such matters, powers and functions in a manner it thinks fit.

By order of the Commission,
P. K. CHATURVEDI, Commission Secy.

ANNEXURE - I

NAME OF DISTRIBUTION LICENSEE: _____

INDEX OF ARR & TARIFF FILING FORMATS FOR DISTRIBUTION AND RETAIL SUPPLY LICENSEES

Financial Formats			
1	Sheet	S1	Profit & Loss Account
2	Sheet	S2	Balance Sheet
3	Sheet	S3	Share Capital and Reserves & Surplus
4	Sheet	S4	Current Assets and Liabilities
5	Sheet	S5	Financial Investments
Expenses formats			
6	Sheet	A1	Aggregate Revenue Requirement
7	Sheet	F1	Power Purchase cost
8	Sheet	F1a	Month-wise power procurement details
9	Sheet	F1b	Energy Balance : Energy Input and Cost of Pool Power
10	Sheet	F1c	Intra State Transmission (MPTRANSCO) Charges
11	Sheet	F1d	UI details
12	Sheet	F1e	Inter-State Transmission Charges
13	Sheet	F2	Gross Fixed Assets
14	Sheet	F2a	Depreciation and provision for depreciation
15	Sheet	F2a(i)	Fixed Assets - Historical Information
16	Sheet	F2b	Investment Plan - Master
17	Sheet	F2b(i)	Commissioning / Capitalisation Plan - Master
18	Sheet	F2b(ii)	Year-wise Capital Expenditure
19	Sheet	F2b(iii)	Financing of capitalised works
20	Sheet	F2c	Capital Works in Progress - Summary Statement
21	Sheet	F2d	Details of Expenses Capitalised
22	Sheet	F2e	Statements of assets not in use
23	Sheet	F2f	Contribution Grants & subsidies towards Capital assets
24	Sheet	F3	Interest & Finance charges
25	Sheet	F3a	Loan master for all loans outstanding as on 1.4.2006
26	Sheet	F3b	Calculation of weighted average rate of interest on actual loans
27	Sheet	F4	Working Capital Requirements
28	Sheet	F5	R&M Expenses
29	Sheet	F6	Employees' Cost & Provisions
30	Sheet	F7	Administration & General Expenses
31	Sheet	F 5-7_N	Normative level of O&M expenses
32	Sheet	F8	Return on Equity
33	Sheet	F9	Statement of Sundry Debtors & provision for bad & doubtful debtors
34	Sheet	F10	Extraordinary Items
35	Sheet	F11	Net Prior Period Expenses/Income
36	Sheet	F12	Other expenses
37	Sheet	F13	Income Tax Provisions
38	Sheet	F14	Other income
39	Sheet	F14a	Income from Miscellaneous Charges from consumers
40	Sheet	F14b	Expenses and Income from Business other than Licensed business
41	Sheet	F15	Consumer Security Deposit
42	Sheet	F16	Lease Rental
43	Sheet	P1	T&D Losses in LT and HT System
44	Sheet	P1a	Losses in HT system
45	Sheet	P1b	Losses in 33 KV system
46	Sheet	P1c	Losses in 11 KV and LT system
47	Sheet	P1d	Circle-wise energy input and output
48	Sheet	P2	Details of physical characteristics of the network
Revenue formats			
49	Sheet	R1	Projection of Sales, Customers & Connected load for metered consumers
50	Sheet	R1(i)	Monthly projection of sales in MU for the MYT Period
51	Sheet	R2	DTR metered Sales
52	Sheet	R3	Projection of Temporary sales
53	Sheet	R4	Summary of Actual / estimated Revenue from sale of power
54	Sheet	R4a	Revenue from Current Tariff & Charges
55	Sheet	R5	Summary of revenues and gaps/surpluses across major categories
56	Sheet	R6	Income from Wheeling Charges

Instructions for the Utility:

Electronic copy in the form of CD/ Floppy Disc shall also be furnished

- 1) These formats are indicative in nature and the utility may align the line items to its chart of accounts
- 2)

PY Previous Year FY 2008-09

CY Current Year FY 2009-10

MYT Period The Tariff Period from FY 2010-11 to FY 2012-13

Name of Distribution Licensee

Balance Sheet

Form No: S2

Particulars	Ref. Form No.	All figures in Rs Crores							
		FY07	FY08	PY FY09	CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13 FY12	FY13		
I. SOURCES OF FUNDS									
A) Shareholders' Funds									
a) Share Capital	S8								
b) Reserves and Surplus									
B) Special Appropriation towards Project Cost									
C) Loan Funds	F3a, F3b								
a) Secured Loans									
b) Unsecured Loans									
D) Other sources of Funds									
a) Capital contributions from consumers	F2f								
b) Consumers' Security Deposits	F15								
c) Capital subsidies / grants	F2f								
d) Any other source of funds*									
TOTAL SOURCES OF FUNDS									
II. APPLICATION OF FUNDS									
A) Fixed Assets									
a) Gross Block (Net of assets not in use)	F2								
b) less: Accumulated Depreciation	F2a								
c) Net Block									
d) Capital Work in Progress	F2c								
B) Investments	S5								
C) Current Assets, Loans and Advances									
i) Current Assets	S4								
ii) Loans & Advances									
D) less: Current Liabilities and Provisions	S4								
i) Current Liabilities									
ii) Provisions									
E) Net Current Assets									
F) Miscellaneous Expenditure to the extent not written off**									
TOTAL APPLICATION OF FUNDS									

* Explanation to be provided in the filings

** Details to be provided

Name of Distribution Licensee

Share Capital and Reserves & Surplus

Form No: S3

All figures in Rs Crores

Sl.No.	Description of capital	Account Code	Balance at the beginning of the year	Appropriation during the year	Withdrawals during the year (Purpose to be indicated in the remark column)	Balance at the end of the year	Remarks
			1	2	3	4	5
A	SHARE CAPITAL Equity Capital						
B	RESERVES General Reserve Capital Reserve Other reserves						
	Sub-total of Reserves						
C	SURPLUS Surplus						
	Sub-total of Surplus						
D	Net Worth (A+B+C)						

*Note:- Information to be provided for FY07-FY13

Name of Distribution Licensee		Form No. A1							
Aggregate Revenue Requirement for Distribution and Retail Sale									
All figures in Rs Crores									
Particulars	Ref. Form No.	FY07	FY08	PY		MYT 2010-11 to 2012-13			
				FY09	FY10	FY11	FY12	FY13	
A Expenditure									
Power Purchase expenses including Inter-State and Intra-State Transmission charges and wheeling charges payable to any other Distribution Licensee									
II Aggregate Revenue Requirement of Wheeling Activity									
III Aggregate Revenue Requirement of Retail Sale Activity									
Total Aggregate Revenue Requirement for Distribution and Retail Sale (I+II+III)									

Particulars		All figures in Rs Crores							
Particulars	Ref. Form No.	FY07	FY08	PY		MYT 2010-11 to 2012-13			
				FY09	FY10	FY11	FY12	FY13	
Power Purchase or Energy Available (MU)	F1								
Sale of Power (MU)	B2, B3, B4								
Loss %									
E Expenditure									
Cost of power purchase including T&D losses	F1								
Inter-State Transmission charges	F1e								
Intra-state Transmission (MP Transco) charges	F1c								
Wheeling charges payable to other distribution licensee	F1c								
SLDC fees and charges									
Any other expenses*									
Total expenditure on power purchase									

Particulars		All figures in Rs Crores							
Particulars	Ref. Form No.	FY07	FY08	PY		MYT 2010-11 to 2012-13			
				FY09	FY10	FY11	FY12	FY13	
A Expenditure									
R&M Expense	F5								
Employee Expenses	F6								
AA&G Expense	F7								
Depreciation	F2a								
Interest & Finance Charges on project loans	F3								
Interest and Finance Charges on working capital loans	F3								
Lease Rental	F16								
Any other expenses*	F12								
Return on Equity	F8								
B Less:									
Other Income (inclusive of income from wheeling charges)	F14								
Annual Revenue Requirement (A-B)									

Particulars		All figures in Rs Crores							
Particulars	Ref. Form No.	FY07	FY08	PY		MYT 2010-11 to 2012-13			
				FY09	FY10	FY11	FY12	FY13	
A Expenditure									
R&M Expense	F5								
Employee Expenses	F6								
AA&G Expense	F7								
Depreciation	F2a								
Interest & Finance Charges on project loans	F3								
Interest and Finance Charges on working capital loans	F3								
Interest and Finance Charges on Consumer Security Deposit	F3								
Bad and Doubtful debts	F9								
Any other expenses*	F12								
Return on Equity	F8								
B Less:									
Other Income	F14								
Income from other business allocated to Licensed business	F14b								
Annual Revenue Requirement (A-B)									

* Please provide the necessary details

Form No: F1

Name of Distribution Licensee

Sl No. Source	Plant Capacity (MW) %	MP's Share in MW	MP's Share in MW %	MT Purchased / Resorted (ex. Charges Rs. per unit)	Fixed Charges		Variable charges		Other Charges			Net energy delivered to MP (kWh per unit)
					Total Fixed Charges (Rs. per unit)	Total Fixed Charges Rel. (Rs. per unit)	Total Variable Charges (Rs. per unit)	Total Variable Charges Rel. (Rs. per unit)	Income Tax	Ass. Other (DD, Loss etc.)	Total of Other Charges in Rs. Cr.	
1	NUV											
2	State Bank											
3	MPA, Vidisha											
4	NUV, Indore											
5	NUV, Jabalpur											
6	NUV, Gwalior											
7	NUV, Bhopal											
8	NUV, Jabalpur											
9	NUV, Jabalpur											
10	NUV, Jabalpur											
11	NUV, Jabalpur											
12	NUV, Jabalpur											
13	NUV, Jabalpur											
14	NUV, Jabalpur											
15	NUV, Jabalpur											
16	NUV, Jabalpur											
17	NUV, Jabalpur											
18	NUV, Jabalpur											
19	NUV, Jabalpur											
20	NUV, Jabalpur											
21	NUV, Jabalpur											
22	NUV, Jabalpur											
23	NUV, Jabalpur											
24	NUV, Jabalpur											
25	NUV, Jabalpur											
26	NUV, Jabalpur											
27	NUV, Jabalpur											
28	NUV, Jabalpur											
29	NUV, Jabalpur											
30	NUV, Jabalpur											
31	NUV, Jabalpur											
32	NUV, Jabalpur											
33	NUV, Jabalpur											
34	NUV, Jabalpur											
35	NUV, Jabalpur											
36	NUV, Jabalpur											
37	NUV, Jabalpur											
38	NUV, Jabalpur											
39	NUV, Jabalpur											
40	NUV, Jabalpur											
41	NUV, Jabalpur											
42	NUV, Jabalpur											
43	NUV, Jabalpur											
44	NUV, Jabalpur											
45	NUV, Jabalpur											
46	NUV, Jabalpur											
47	NUV, Jabalpur											
48	NUV, Jabalpur											
49	NUV, Jabalpur											
50	NUV, Jabalpur											
51	NUV, Jabalpur											
52	NUV, Jabalpur											
53	NUV, Jabalpur											
54	NUV, Jabalpur											
55	NUV, Jabalpur											
56	NUV, Jabalpur											
57	NUV, Jabalpur											
58	NUV, Jabalpur											
59	NUV, Jabalpur											
60	NUV, Jabalpur											
61	NUV, Jabalpur											
62	NUV, Jabalpur											
63	NUV, Jabalpur											
64	NUV, Jabalpur											
65	NUV, Jabalpur											
66	NUV, Jabalpur											
67	NUV, Jabalpur											
68	NUV, Jabalpur											
69	NUV, Jabalpur											
70	NUV, Jabalpur											
71	NUV, Jabalpur											
72	NUV, Jabalpur											
73	NUV, Jabalpur											
74	NUV, Jabalpur											
75	NUV, Jabalpur											
76	NUV, Jabalpur											
77	NUV, Jabalpur											
78	NUV, Jabalpur											
79	NUV, Jabalpur											
80	NUV, Jabalpur											
81	NUV, Jabalpur											
82	NUV, Jabalpur											
83	NUV, Jabalpur											
84	NUV, Jabalpur											
85	NUV, Jabalpur											
86	NUV, Jabalpur											
87	NUV, Jabalpur											
88	NUV, Jabalpur											
89	NUV, Jabalpur											
90	NUV, Jabalpur											
91	NUV, Jabalpur											
92	NUV, Jabalpur											
93	NUV, Jabalpur											
94	NUV, Jabalpur											
95	NUV, Jabalpur											
96	NUV, Jabalpur											
97	NUV, Jabalpur											
98	NUV, Jabalpur											
99	NUV, Jabalpur											
100	NUV, Jabalpur											

This information is to be provided for FY 2006-07 to FY 2008-09 (Actual) FY2009-10 (estimated) and FY2010-11 to FY2012-13 (Projected)

This form must be accompanied by details of relevant CERC Orders and bills raised by the generating company on MP Tradeor/Discoms

Please add the new generating stations at appropriate places in the label above

Month-wise Power Procurement details		Name of Distribution Licensee												
Power purchase figures in MU		Months in the Financial Year:												
Sl No	Source / Station	April	May	June	July	August	September	October	November	December	January	February	March	Total
I NTPC														
1	NTPC-Korba													
2	NTPC-Vindhyachal I													
3	NTPC-Vindhyachal II													
4	NTPC-Kanauj													
5	NTPC-Gandhinagar													
6	KAPP													
7	TAPS													
8	Farakka + Teicher + Kandulgaon													
	NTPC-Total													
II Inter-Regional Power Purchase														
1	Eastern Region													
2	Southern Region													
3	Northern Region													
	IR-Total													
III Bilateral Power Purchase														
1	RSEB (Chambal-Saunara)													
2	UPPL (Rihand, Matuha, Rajghat)													
3	MSEB (Pench)													
4	GridCo (Hirakud)													
	Bilateral-Total-III													
IV Other Sources														
1	NHPC - Indira Sagar													
2	Sardar Sarovar													
3	Others 1 (Wind & CTP)													
4	Others 2 (Short-Term purchase)													
5	Others 3 (UB)													
	Others-Total													
	Grand Total													
I MP Genco - Thermal														
1	ATPS-Chachani-PH1													
2	ATPS-Chachani-PH2													
3	STPS-Sarani-PH1													
4	STPS-Sarani-PH2													
5	STPS-Sarani-PH3													
6	SGTPS-Birpur-PH1													
7	SGTPS-Birpur-PH2													
	Thermal-Total													
II MP Genco - Hydel														
1	CHPS-Gandhi Sagar													
2	CHPS-IP Sagar													
3	CHPS-Jawahar Sagar													
4	Pench-THPS													
5	Bansagar Tees HPS-Tees													
6	Bansagar Tees HPS-Siphata													
7	Bansagar Tees HPS-Devlined													
8	Bansagar Tees HPS-Bansagar IV													
9	Barsingpur HPS													
10	Bargi HPS													
11	Rajghat HPS													
12	Matuhla HPS													
13	Maubi Khara HPS													
14	Mini-Micro HPS													
	Hydel Total													
B MP Genco GENERATION TOTAL														
C Total Power requirement (A+B)														
D Total Inter-State transmission losses														
E Total energy input to MP system (C-D)														

Basis for month-wise split must be provided

This information is to be provided for FY 2006-07 to FY 2008-09 (Actual) FY2009-10 (estimated) and FY2010-11 to FY2012-13 (Projected)

Please add the new generating stations at appropriate place in the tabel above

Name of Distribution Licensee

Energy Balance

Form F1b

Particulars	Ref. form no.	Calculation	FY07		FY08		FY09		FY10		FY11		FY12		FY13	
			%	MU	%	MU	%	MU	%	MU	%	MU	%	MU	%	MU
1 Energy Sales																
a) LT Sales	R1, R2, R3	A1														
b) HT Sales at 11kV		A2														
c) HT Sales at 33kV		A3														
c) EHT Sales		A4														
Total Energy Sales		A														
2 Distribution Losses	P1															
a) Distribution losses at 33kV level		B1														
b) Distribution Losses in HT i.e. at 11kV + 33kV combined		B2														
c) Distribution losses in HT 11kV and LT system combined		B3														
Total Distribution Losses		B														
3 Energy requirement at T-D boundary																
a) 11kV and LT energy requirement combined		C1 = (A1+A2)/(1-B)														
c) HT 33kV energy requirement		C2 = A3/(1-B1)														
Total energy requirement at T-D boundary		C = C1 + C2														
4 Intra-State Transmission Losses		D														
5 Energy requirement of EHT consumers		E = A4/(1-D)														
6 Energy Requirement of Distribution system consumers after grossing up for Intra-State Transmission losses		F = C/(1-D)														
7 Energy Requirement of Distribution Licensee		E + F														
8 Inter-State Transmission Losses in MU		F														
9 Total Energy requirement		G = E+F														
10 Total Energy available																
From MP Genco	F1	H1														
From Other Sources	F1	H2														
Total Energy Available		H														
11 Surplus / (Deficit)		H - G														

Cells shaded with this colour are to be filled for particular item

Form No. F/6

Sl. No.	Lines/links/ region	FY07 (Actual)		FY08 (Actual)		FY09 (Actual)		FY10 (Estimated)		FY11 (Projected)		FY12 (Projected)		FY13 (Projected)			
		Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage	Annual Tariff (Rs. Crs.)	Share Charges payable (Rs. Crs.) Percentage
A	ER																
B	WR																
C	OTHERS																
D	TOTAL																

For justification of the claims, the relevant CERC Order and the bills raised by CTU must be enclosed

Form P-2
Fixed Assets
Wheeling Activity

Sl.No	Particulars	Account Code*	FY10		FY11		FY12		FY13	
			Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year
1	Land & Land rights									
2	Building and Civil Works									
	Others 1									
	Others 2									
	Sub-Total									
3	Hydroelectric Works									
4	Other Civil Works									
5	Power Transformers and Banks									
6	Distribution Transformers and Breaks									
7	Other substation apparatus									
8	Switchgear, Control gear & Protection devices									
9	Others									
	Sub-Total									
	Total									
10	Line Cable Networks etc.									
11	Overhead lines upto 11KV									
12	Overhead lines upto 33KV									
13	1.7 Bar, 33KV, 66KV etc.									
14	Others									
	Sub-Total									
	Total									
15	Communication equipment									
16	Office Furniture & Fixtures									
17	Office Equipments									
18	Assets of Partnership projects etc. (included in above heads)									
19	Assets taken over & pending final valuation									
20	Low value items									
21	Total (1 to 20)									

Sl.No	Particulars	Account Code*	FY14		FY15		FY16		FY17		FY18		FY19		FY20	
			Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year	Addition During Year	At End Of Year
1	Land & Land Rights															
2	Building and Civil Works															
	Others 1															
	Others 2															
	Others 3															
	Sub-Total															
3	Other Civil Works															
4	Communication equipment															
5	Meters, including metering equipment															
6	Vehicles															
7	Furniture & fixtures															
8	Office Equipments															
9	Assets taken over															
	Total (1 to 9)															

Note: * Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered. For Assets not in use, the detail should be provided as per Form P-2.

State of Disposition, Location, Whseing Activity, Form 24

Sl.No	Particulars	Account Code*	Useful life (years)	Depreciation rate %	FY17		FY18		FY19		FY20		FY21		FY22		FY23	
					Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals
1	Land & Land rights																	
2	Building and Civil Works																	
	Others 1																	
	Others 2																	
	Others 3																	
	Sub-Total																	
3	Hydraulic Works																	
4	Other Civil Works																	
5	Pipes & Machinery																	
	Power Transformers and Banks																	
	Distribution transformers and Banks																	
	Other station apparatus																	
	Switchgear, Control gear & Protection																	
	Materials																	
	Others																	
	Sub-Total																	
	Total																	
6	Line Code Networks etc.																	
	Overhead lines upto 11KV																	
	Underground cables upto 11KV																	
	I.T lines service connections etc.																	
	Others																	
	Sub-Total																	
	Total																	
7	Communication equipment																	
8	Vehicles																	
9	Boats & Barges																	
10	Plant & Machinery																	
11	Stores of Pre-wired property etc. (included in above heads)																	
12	Assets taken over & pending final solution																	
13	Any other items																	
14	Total (1 to 12)																	
15	Depreciation charged																	
16	Net Depreciation (14-15)																	

Note: * Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered. "Withdrawals" must also include depreciation on assets not in use.

Sl.No	Particulars	Account Code*	Useful life (years)	Depreciation rate %	FY07		FY08		FY09		FY10		FY11		FY12		FY13	
					Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals
1	Land & Land rights																	
2	Building and Civil Works																	
	Others 1																	
	Others 2																	
	Others 3																	
	Sub-Total																	
3	Other Civil Works																	
4	Communication equipment																	
5	Meter, including metering equipment																	
6	Vehicles																	
7	Furniture & Fixtures																	
8	Office Equipments																	
9	Any other items																	
10	Total (1 to 9)																	
11	Depreciation charged																	
	Net Depreciation (10-11)																	

Note: * Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered. "Withdrawals" must also include depreciation on assets not in use.

Fixed Assets - Historical Information of asset location
 Name of Distribution Licensee
 Form F2(a)

Sl.No	Particulars	Account Code*	Useful life (years)	Depreciation rate %	1981-1985		1986-1990		1991-95		1996-2000		2001-2006				
					Opening balance of GFA as at start of FY 81	Additions to GFA	Assets retired	Closing Balance of GFA at end of FY90	Additions to GFA	Assets retired	Closing Balance of GFA at end of FY95	Additions to GFA	Assets retired	Closing Balance of GFA at end of FY00	Additions to GFA	Assets retired	Closing Balance of GFA at end of FY05
1	Land & Land rights																
2	Building and Civil Works																
	Others 1																
	Others 2																
	Others 3																
	Sub-Total																
3	Hydraulic Works																
4	Other Civil Works																
5	Plant & Machinery																
	Power Transformers and kiosks																
	Distribution transformers and kiosks																
	Other substation apparatus																
	Switchgears, Control gear & Protection																
	Batteries																
	Others																
	Sub-Total																
	Total																
6	Line Cable Networks etc.																
	Overhead line upto 11KV																
	Underground cables upto 11KV																
	LT lines, service connections, etc.																
	Moving equipment																
	Others																
	Sub-Total																
7	Communication equipment																
8	Meters																
9	Vehicles																
10	Furniture & fixtures																
11	Office Equipments																
12	Assets of Partnership projects etc. (included in above heads)																
14	Assets taken over & pending final valuation																
15	Any other items																
16	Total (1 to 15 excluding 12)																

* Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered

Name of Distribution Licensee Investment Plan - Master Form F2b
 Note:- Information to be provided for FY07-FY13 for all schemes either spilling into the period FY 07-13 or starting during FY 07-13
 For win/losing activity

Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Whether the scheme is part of approved Business Plan** (YES/NO)	Project Start Date (DD-MM-YY)	Project Completion date (DD-MM-YY)	Total capital expenditure approved by MPERC (Rs. Crs.)	SOURCE OF FINANCING FOR SCHEME						Consumer Contribution component		
						Equity component		Debt Component			Capital Subsidies / grants component			
						Internal Accrual (from free reserves and surplus)	Equity infused	Loan-1	Loan-2	Loan-3	Loan-1		Loan-2	Loan-3
On-going schemes														
A	Prior to FY 07	NA												
B	Starting from FY 07	NA												
Schemes commencing from FY08														

Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Whether the scheme is part of approved Business Plan** (YES/NO)	Project Start Date (DD-MM-YY)	Project Completion date (DD-MM-YY)	Total capital expenditure approved by MPERC (Rs. Crs.)	SOURCE OF FINANCING FOR CURRENT YEARS CAPEX						Consumer Contribution component		
						Equity component		Debt Component			Capital Subsidies / grants component			
						Internal Accrual (from free reserves and surplus)	Equity infused	Loan-1	Loan-2	Loan-3	Loan-1		Loan-2	Loan-3
On-going schemes														
A	Prior to FY 07	NA												
B	Starting from FY 07	NA												
Schemes commencing from FY08														

Note:- Only as per the approved Business Plan Support with appropriate paper work i.e. Detailed Project Reports and other documents, as necessary Code for assessing nature of work

- 1.1 - New works, capacity building
- 1.2 - Augmentation works, capacity building
- 1.3 - Additional works, capacity building
- 2.1 - New works, System Strengthening
- 2.2 - Augmentation works, System Strengthening
- 2.3 - Additional works, System Strengthening
- 3.1 - New works, Voltage Improvement
- 3.2 - Augmentation works, Voltage Improvement
- 3.3 - Additional works, Voltage Improvement
- 4.1 - New works, Loss Reduction
- 4.2 - Augmentation works, Loss Reduction
- 4.3 - Additional works, Loss Reduction
- 5.1 - New works, Consumer service
- 5.2 - Augmentation works, Consumer service
- 5.3 - Additional works, Consumer service
- 6.1 - New works, Reliability of Supply
- 6.2 - Augmentation works, Reliability of Supply
- 6.3 - Additional works, Reliability of Supply
- 7 - New works, Replacement of Equipments

Name of Distribution Licensee

Commissioning / Capitalisation Plan - Master

Form F2b(i)

Note: Information to be provided for FY07-FY13 for all schemes either spilling into the period FY 07-13 or starting during FY 07-13

For wheeling activity

Project Details			Capitalisation schedule									
Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Whether the scheme is part of approved Business Plan** (YES/NO)	As on 1.6.05	As on 1.3.06	FY 07	FY 08	FY 09	FY 10	FY 11	FY 12	FY 13	Beyond FY 13
On-going schemes												
A	Prior to FY 07	NA										
		NA										
B	Starting from FY 07*											
Schemes commencing from FY08												

For Retail Sale activity

Project Details			Capitalisation schedule									
Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Whether the scheme is part of approved Business Plan** (YES/NO)	As on 1.6.05	As on 1.3.06	FY 07	FY 08	FY 09	FY 10	FY 11	FY 12	FY 13	Beyond FY 13
On-going schemes												
A	Prior to FY 07	NA										
		NA										
B	Starting from FY 07*											
Schemes commencing from FY08												

Notes:

All schemes should necessarily be in the same serial order

* Only as per the approved Business Plan

** Support with appropriate paper work i.e. Detailed Project Reports and other documents, as necessary

Codes for selecting Nature of work

- 1.1 - New works, capacity building
- 1.2 - Augmentation works, capacity building
- 1.3 - Additional works, capacity building
- 2.1 - New works, System Strengthening
- 2.2 - Augmentation works, System Strengthening
- 2.3 - Additional works, System Strengthening
- 3.1 - New works, Voltage Improvement
- 3.2 - Augmentation works, Voltage Improvement
- 3.3 - Additional works, Voltage Improvement
- 4.1 - New works, Loss Reduction
- 4.2 - Augmentation works, Loss Reduction
- 4.3 - Additional works, Loss Reduction
- 5.1 - New works, Consumer service
- 5.2 - Augmentation works, Consumer service
- 5.3 - Additional works, Consumer service
- 6.1 - New works, Reliability of Supply
- 6.2 - Augmentation works, Reliability of Supply
- 6.3 - Additional works, Reliability of Supply
- 7 - New works, Replacement of Equipments

Name of Distribution Licensee

Year-wise Capital Expenditure

Note:- Information to be provided for FY07-FY13 for all schemes either splitting into the period FY 07-13 or starting during FY 07-13

Form F2b(ii)

For wheeeling activity

Details of capital expenditure - scheme-wise					SOURCE OF FINANCING FOR CAPEX DURING THE YEAR								Capitalisation		CWIP			
Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Cumulative expenditure till beginning of year	Capex during the year	Total capex till end of year	Equity component of capex in year:		Debt Component of capex in year:						Capital Subsidies / grants component	Consumer Contribution component	Cumulative capitalisation till beginning of year	Capitalisation during the year	Balance CWIP at end of year	
					Internal Accrual (from free reserves and surplus)	Equity infused	Loan amount (Rs. Crs.)			Loan source								
							Loan-1	Loan-2	Loan-3	Loan-1	Loan-2	Loan-3						
On-going schemes																		
A	Prior to FY 07																	
B	Starting from FY 07*																	
Schemes commencing from FY08																		

For Retail Sale activity

Project Details					SOURCE OF FINANCING FOR CURRENT YEARS CAPEX								Capitalisation		CWIP			
Name of scheme	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Cumulative expenditure till beginning of year	Capex during the year	Total capex till end of year	Equity component		Debt Component						Capital Subsidies / grants component	Consumer Contribution component	Cumulative capitalisation till beginning of year	Capitalisation during the year	Balance CWIP at end of year	
					Internal Accrual (from free reserves and surplus)	Equity infused	Loan amount (Rs. Crs.)			Loan source								
							Loan-1	Loan-2	Loan-3	Loan-1	Loan-2	Loan-3						
On-going schemes																		
A	Prior to FY 07																	
B	Starting from FY 07*																	
Schemes commencing from FY08																		

Notes:

Codes for selecting Nature of work

*Only as per the approved Business Plan

The schemes should be same and in the same serial order as in Form F2b

- 1.1 - New works, capacity building
- 1.2 - Augmentation works, capacity building
- 1.3 - Additional works, capacity building
- 2.1 - New works, System Strengthening
- 2.2 - Augmentation works, System Strengthening
- 2.3 - Additional works, System Strengthening
- 3.1 - New works, Voltage Improvement
- 3.2 - Augmentation works, Voltage Improvement
- 3.3 - Additional works, Voltage Improvement
- 4.1 - New works, Loss Reduction
- 4.2 - Augmentation works, Loss Reduction
- 4.3 - Additional works, Loss Reduction
- 5.1 - New works, Consumer service
- 5.2 - Augmentation works, Consumer service
- 5.3 - Additional works, Consumer service
- 6.1 - New works, Reliability of Supply
- 6.2 - Augmentation works, Reliability of Supply
- 6.3 - Additional works, Reliability of Supply
- 7 - New works, Replacement of Equipments

Name of Distribution Licensee		Form F25(II)					
Financing of capitalised works		All figures in Rs. Crs.					
Particulars	Old Years		PY	CY	MYT 2010-11 to 2012-13		
	FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12	FY13
Wheeling Activity							
Amount Capitalised in Work/Equipment							
Financing Details:-							
Loan-1							
Loan-2							
Loan-3 and so on							
Total Loan Amount							
Equity							
Internal Resources							
Consumer Contribution							
Capital Subsidies / Grants							
Others							
Total							
Rates of Interest for Loans: %							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Moratorium Period for the loans:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Moratorium effective from:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment Period of the loans:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment effective from:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment Instalment Amount:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							

Notes:

Loan - 1, Loan - 2 etc. should be the names of loaning / funding agency

Name of Distribution Licensee		Form F25(II)					
Financing of capitalised works		All figures in Rs. Crs.					
Particulars	Old Years		PY	CY	MYT 2010-11 to 2012-13		
	FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12	FY13
Retail sale activity							
Amount Capitalised in Work/Equipment							
Financing Details:-							
Loan-1							
Loan-2							
Loan-3 and so on							
Total Loan Amount							
Equity							
Internal Resources							
Consumer Contribution							
Capital Subsidies / Grants							
Others							
Total							
Rates of Interest for Loans: %							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Moratorium Period for the loans:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Moratorium effective from:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment Period of the loans:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment effective from:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							
Repayment Instalment Amount:							
Loan -1							
Loan -2							
Loan -3 and so on							

Notes:

Loan - 1, Loan - 2 etc. should be the names of loaning / funding agency

Name of Distribution Licensee

Details of Expenses Capitalised

Form No: F2d

All figures in Rs Crores

Wheeling activity

Sl.No.	Particulars	Ref. Form No.	Old Years			MYT 2010-11 to 2012-13		
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12
1	Interest & Finance charges Capitalised	F3						
2	Other expenses capitalised:							
	a. Employee expenses	F5						
	b. R&M Expenses	F6						
	c. A&G Expenses	F7						
	d. Others, if any	F12						
	Total of 2							
3	Capitalisation of depreciation, if any	F2a						
	Grand Total (1+2+3)							

Retail Sale activity

All figures in Rs Crores

Sl.No.	Particulars	Ref. Form No.	Old Years			MYT 2010-11 to 2012-13		
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12
1	Interest & Finance charges Capitalised	F3						
2	Other expenses capitalised:							
	a. Employee expenses	F5						
	b. R&M Expenses	F6						
	c. A&G Expenses	F7						
	d. Others, if any	F12						
	Total of 2							
3	Capitalisation of depreciation, if any	F2a						
	Grand Total (1+2+3)							

Summary Statement of Interest & Finance Charges
 Name of Distribution Licensee
 Form No: F3

Particulars In Rs Crores	Form Ref.	FY 2010-11 (to 2012-13)	
		FY 2010 FY10	FY 2011 FY11
A			
1 Interest charges on State Govt. Loans, Bonds And Advances			
2 Interest charges on loans from the State Government			
3 Interest charges on Bonds			
4 Interest charges on Foreign Currency Loans / Credits			
5 Interest charges on debentures			
Total of 1			
B			
Interest on Long Term Loans / Credits from the FIs/banks/organisations approved by the State Government			
1 Secured			
2			
3			
4			
5 Un-secured			
6			
7			
8			
9			
10			
Total of B			
C			
Total of A : 1 + B			
D			
Cost of raising finance & Bank Charges on project loans			
Grand Total Of Interest & Finance Charges: A + B			
E			
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account			
F			
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans C-D			
G			
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans			
H			
Interest on Consumer Security Deposit			
I			
Interest at weighted average rate of loan portfolio on excess additional equity, if any**			
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (E+F+G+H)			

Allocation of Interest and Finance Charges between wheeling and retail sale activity

Wheeling activity	
Grand Total Of Interest & Finance Charges	
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account	
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans	
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans	
Interest at weighted average rate of loan portfolio on excess additional equity, if any**	
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (A+B+C)	
Retail Sale activity	
Grand Total Of Interest & Finance Charges	
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account	
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans	
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans	
Interest on Consumer Security Deposit	
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (I+H+G+I)	

** To be worked out as per form FS using weighted average rate from form F3b

Name of Distribution Licensee: _____

Loan master for all loans outstanding as on 1.4.2007

Form No: F3a

(All figures in Rs. Crs.)

Particulars	Loan 1	Loan 2	Loan 3	Loan 4	Loan 5	Loan 6
Source of Loan ¹						
Currency ²						
Type of Loan (Project Specific / Working Capital)						
Amount of Loan sanctioned						
Amount of loan outstanding as on 1-6-2005						
Drawals in 2005-06						
Amount repayable upto 31.3.2006 ³						
Balance amount of loan as on 1.4.2006						
Interest type (Fixed / floating)						
If Fixed interest, rate of Interest %						
Base Rate, if Floating Interest ⁴						
Margin, if Floating Interest ⁵						
Are there any Caps/Floor? ⁶						
If above is yes, specify caps.floor						
Moratorium Period ⁷						
Moratorium effective from						
Repayment Period ⁸						
Repayment effective from						
Repayment Frequency ⁹						
Amount actually repaid						
Base Exchange Rate ¹⁰						

Notes:

Please add columns to include more loans, if required

1. Source of Loan means the agency from whom the loan had been taken such as PFC, REC, ADB etc.
2. Currency refers to furrency of laon such as Indian Rsupees, US \$, Pound Sterling etc.
3. Amount repayable is based on the schedule of repayment.
4. Base rate means the base such as PLR, LIBOR etc. over which a margin is to be added.
5. Margin means the points over and above the floating rate.
6. At times caps/floor are put at which the floting rates are frozen. If such a condition exists, specify the limits.
7. Moratorium period refers to the period during which loan servicing liability is not required.
8. Repayment period means the number of years in which the loan is required to be repaid such as 10 years, 12 years etc.
9. Repayment frequency refers to the interval at which the debt servicing is to be done such as quarterly, half yearly, annual etc.
10. Base exchange rate means the exchange rate prevailing as on 31.3.2007.

Calculation of weighted average rate of interest on actual loans
 Name of Distribution Licensee: _____ Form No: F3b

Particulars	Type of Loan (Please mention "PS" or "WC")	Old Years				CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13 FY11	FY12	FY13
		FY07	FY08	FY09	FY10				
Loan - 1									
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.)									
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)									
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)									
Closing Balance of loan (Rs. Crs.)									
Average loan (Rs. Crs.)									
Rate of interest on loan %									
Interest on loan (Rs. Crs.)									
Loan - 2									
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.)									
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)									
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)									
Closing Balance of loan (Rs. Crs.)									
Average loan (Rs. Crs.)									
Rate of interest on loan %									
Interest on loan (Rs. Crs.)									
Loan - 3 and so on									
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.)									
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)									
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)									
Closing Balance of loan (Rs. Crs.)									
Average loan (Rs. Crs.)									
Rate of interest on loan %									
Interest on loan (Rs. Crs.)									
Total Loan									
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.)									
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)									
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)									
Closing Balance of loan (Rs. Crs.)									
Average loan (Rs. Crs.)									
Rate of interest on loan %									
Interest on loan (Rs. Crs.)									
Weighted average Rate of Interest on Loans %									

Notes:

- "PS" refers to Project Specific Loan. "WC" refers to Working Capital Loan
- Calculation should only be done for principal not overdue. Over-due principal, penal interest, etc. shall not be considered
- In place of Loan 1, Loan 2, etc. please mention the name of funding agency
- In respect of Foreign Currency loans, the calculations in Indian Rupees is to be furnished. However, the calculations in original currency is also to be furnished separately in the same format.

Name of Distribution Licensee _____ Form No: F4

Working Capital Requirements All figures in Rs Crores

For wheeling activity									
Sl. No.	Particulars	Ref. Form No.	Old Years		PY	CY	MYT 2010-11 to 2012-13		
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12	FY13
A)	1/6th of annual requirement of inventory for previous year								
B)	O&M expenses								
	R&M expenses	F5							
	A&G expenses	F7							
	Employee expenses	F6							
B) i)	Total of O&M expenses								
B) ii)	1/12th of total								
C)	Receivables								
C) i)	Annual Revenue from wheeling charges**	B6							
C) ii)	Receivables equivalent to 2 months average billing of wheeling charges								
D)	Total Working capital (A), B) i), C) ii)								
E)	Rate of Interest *								
F)	Interest on Working capital								

For Retail Sale activity									
Sl. No.	Particulars	Ref. Form No.	Old Years		PY	CY	MYT 2010-11 to 2012-13		
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12	FY13
A)	1/6th of annual requirement of inventory for previous year								
B)	Receivables								
B) i)	Annual Revenue from Tariff and charges**	B4							
B) ii)	Receivables equivalent to 2 months average billing								
C)	Power Purchase expenses	F1							
C) i)	1/12th of power purchase expenses								
D)	Consumer Security Deposit	F15							
E)	Total Working capital (A+B ii) - C i) - D)								
F)	Rate of Interest *								
G)	Interest on Working capital								

Note:

- * The Interest rate for this purpose shall be the rate as specified in the Commission's Regulations under section 61
 ** Revenue at Current Tariffs

Employee Cost and Provisions		Name of Distribution Licensee				Form No: F6				
	Particulars	Account Code	Old Years		PY	CY	MYT 2010-11 to 2012-13			
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12	FY13	
A	Employee Strength									
	Working Strength At The Beginning Of The Year									
	Employee Category									
1	O&M duties									
2	Project execution									
3	Metering and Billing									
4	Consumer services (call centers, etc.)									
	Total									
	Sanctioned Strength At The Beginning Of The Year									
	Employee Category									
1	O&M duties									
2	Project execution									
3	Metering and Billing									
4	Consumer services (call centers, etc.)									
	Total									
B	Employee's Cost (Other Than Covered In 'C' & 'D')									
1	Salaries									
2	Additional Pay									
3	D.A.									
4	Other Allowances & Relief									
5	Add. Pay & C.Off Encashment									
6	Sub-Total: (1 to 5)									
7	Medical Expenses Reimbursement									
8	Travelling Allowance/Conveyance Allowance									
9	Leave Travel Assistance									
10	Housing/Overtime									
11	Incentives/Awards Including That In Partnership Project (Specify Items)									
12	Earned Leave Encashment									
13	Tuition Fee Re-Imbursement									
14	D.L.I. Board's Contribution									
15	E.D.L.I. Administration Charges									
16	E.S.I. Board's Contribution									
17	E.S.I. Administration Charges									
18	Payment Under Workman's Compensation And Gratuity									
19	Subsidised Electricity To Employees									
20	Any Other Item									
21	Interim Relief / Wage Revision (10%)									
22	Sub-Total (7 to 21)									
23	Staff Welfare Expenses									
C	Apprentices And Other Training Expenses									
D	Payment/Contribution To PF Staff Pension And Gratuity									
1	Terminal Benefits									
a)	Provident Fund Contribution									
b)	Provision for PF Fund									
c)	Pension Payments									
d)	Gratuity Payment									
2	Any Other Items									
	Total D									
	Grand Total (B.6 + B.22 + B.23 + C + D)									
E	Bonus/Exgratia To Employees									
F	Grand Total									
G	Employee expenses capitalised									
	Net Employee expenses (F)-(G)									
	Relevant Indices Of Wages Increase (As At The Beginning & End Of The Year)									
	WPI									
	CPI									

Allocation of Interest and Finance Charges between wheeling and retail sale activity

Wheeling activity

A	Total Employee expenses allocated to wheeling activity									
B	Employee expenses capitalised									
	Net Employee expenses (A-B)									

Retail Sale activity

A	Total Employee expenses allocated to Retail sale activity									
B	Employee expenses capitalised									
	Net Employee expenses (A-B)									

* Allocation shall be done based on the duties performed by the employees as mentioned in the form above or on appropriate norms

Name of Distribution Licensee: _____

Normative O&M expenses

Form No: F 5-7_N

Ref.	Particulars	Form Ref.	MYT Period		
			FY11	FY12	FY13
I	Metered consumers (nos.)	R1			
II	O&M expenses Rs. Lakhs per '000 metered consumers				
A	Sub-total O&M expenses (I*II/1000) (Rs. Lakhs)				
I	Metered sales (MU)	R1			
II	O&M expenses Rs. Lakhs per MU metered sales				
B	Sub-total O&M expenses (I*II) (Rs. Lakhs)				
I	Ckt-kms of 33kV lines	P2			
II	Ckt-kms of 11kV lines	P2			
III	Total Ckt-kms of HT lines (I+II)				
IV	O&M expenses Rs. Lakhs per 100 ckt-km of HT lines				
C	Sub-total O&M expenses (III*IV/100) (Rs. Lakhs)				
I	Cumulative transformation capacity of 33/11kV transformers in MVA	P2			
II	O&M expenses Rs. Lakhs per MVA				
D	Sub-total O&M expenses (I*II) (Rs. Lakhs)				
	Total O&M expenses in Rs. Lakhs (A+B+C+D)				
	Total O&M expenses in Rs. Crs.				
	O&M expenses allocated to wheeling activity (Rs. Crs.)*				
	O&M expenses allocated to retail sale activity (Rs. Crs.)*				

Note:

* Please provide the basis for this segregation

Form No: F9

All figures in Rs Crores

S.No.	Particulars	Old Years		CY FY10	FY FY09	MYT 2010-11 to 2012-13		
		FY07	FY08			FY11	FY12	FY13
A	Gross Fixed Assets at the beginning of year (net of consumer contributions)							
A1	Opening balance of GFA identified as awarded through equity							
A2	Opening balance of GFA identified as funded through debt							
B	Proposed capitalisation of assets as per the investment plan (net of consumer contribution)							
B1	Proportion of capitalised assets funded out of equity, internal reserves							
B2	Balance Proportion of capitalised assets funded out of project loans (B - B1)							
C1	Normative additional equity (30% of B)							
C2	Normative additional debt (70% of B)							
D1	Excess / shortfall of additional equity over normative (D1-C1)							
D2	Excess / shortfall of additional debt over normative (D2-C2)							
E	Equity eligible for Return (A)+(C1/2) OR (A1)+(B1/2), whichever is lower							
	Return on Equity (14% on E)							
	Interest at weighted average rate of loan portfolio on additional equity, if D1 > 0*							

Note: Please provide the necessary details and calculations
 * Please provide the weighted average rate of interest used for this computation

Name of Distribution Licensee
Net Prior Period Expenses / Income

Form F 11

Sl.No.	Particulars	Account Code	Old Years		PY FY09	CY FY10
			FY07	FY08		
A	Income relating to previous years:					
1	Interest income for prior periods					
2	Income Tax prior period					
3	Excess Provision for Depreciation					
4	Excess Provision for Interest and Fin. Charges					
5	Receipts from consumers					
6	Other Excess Provision					
7	Other Income					
	Sub-Total A					
B	Expenditure relating to previous years					
1	Power Purchase					
2	Operating Expenses					
4	Employee Cost					
5	Depreciation					
6	Interest and Finance Charges					
7	Admn. Expenses					
8	Withdrawal of Revenue Demand					
9	Material Related					
10	Lease/hire purchase charges in assets					
11	Others					
	Sub-Total B					
	Net prior period Credit/(Charges) : A-B					

Note: Accounting code to be provided otherwise expenditure may be disallowed

Name of Distribution Licensee

Other expenses / debits / write-offs

Form No: F12
All figures in Rs Crores

Sl.No	Particulars	Form No.	Account Code	Ref. Form No.	Old Years		CY		MYT 2010-11 to 2012-13	
					FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12
1	Material Cost Variance									
2	Miscellaneous Losses And Write Offs									
3	Bad Debt Written Off/Provided For	F9								
4	Cost Of Trading & Manufacturing Activities									
5	Net Prior Period Credit/Charges	F11								
6	Sub-Total									
7	Less Chargeable To Capital Expense									
	Net Chargeable To Revenue									

Name of Distribution Licensee

Income Tax Provisions

Form No: F13

All figures in Rs Crores

Sl.	Particulars In Rs Crores	Account Code	Old Years		CY		MYT 2010-11 to 2012-13	
			FY07	FY08	FY09	FY10	FY11	FY12
1	Provision Made/Proposed For The Year							
2	As Per Return Filed For The Years							
3	As Assessed For The Years							
4	Credit/Debit Of Assessment Year(S) (Give Details)							
	Total							

Name of Distribution Licensee		Form No: F14a		All figures in Rs Crores				
Income from Miscellaneous Charges from consumers								
S.No.	Particulars	Account Code	Old Years		CY	PY	MYT 2010-11 to 2012-13	
			FY07	FY08			FY10	FY11
1	Hiring of plants and equipments							
2	Testing charges for consumer's equipments							
3	Contest fee for billing meters							
4	Charges from arranging supply							
5	Service connection charges							
6	Charges for requisition forms/various booklets etc.							
7	Recovery of cost of burnt meters/metering equipments							
8	Shifting of connection from one premises to another							
9	Supervision charges							
10	Compensation charges for theft of energy/maipractices							
11	Power block charges							
12	Fee for verification of old dhes/records							
13	Fee for special meter reading							
14	Charges for maintenance of street lights							
15	Fees payable for representing the case and making appeals before Grievance Redressal Forum							
16	Other Miscellaneous and General Charges (specify)							
17	Grand Total							
	Total for wheeling Activity*							
	Total for Retail Sale activity*							

* It is expected that the Licensee shall be in a position to segregate the total miscellaneous charges between those pertaining to wheeling and Retail Sale activity

Name of Distribution Licensee
Expenses and Income from Business other than Licensed business (to be filled if other business utilises the assets of Licensed business)
 All figures in Rs Crores

Form No: F14b

S.No.	Particulars <include description of business>	Account Code			Old Years			CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13		
					FY07	FY08	FY09		FY11	FY12	FY13
1	Expenses of other business										
2	Total income from other business										
3	Income allocated to Licensed business*										
4	Total profit / (loss) from other business										
5	Total profit / (loss) allocated to Licensed business*										

* Must be supported with rationale and methodology of how allocation is done

Name of Distribution Licensee
Consumer Security Deposit

Form No: F15

In Rs. crs. Category	Account Code	Actual FY05	Old Years			CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13		
			FY07	FY08	FY09		FY11	FY12	FY13
LT CONSUMERS									
1	Domestic (LV1)								
2	Non Domestic (LV2)								
3	Public water works (LV3)								
4	Street Lights (LV3)								
5	Industrial (LV4)								
6	Irrigation Pumps for Agriculture and agriculture related use in rural areas (LV5)								
	TOTAL (LT)								
HT CONSUMERS									
1	Railway Traction (HV1)								
2	Coal Mines (HV2)								
3	Industrial and Non Industrial (HV3)								
4	Seasonal (HV4)								
5	HT Irrigation and Public Water Works (HV5)								
6	Bulk Residential users (HV6)								
7	Bulk Supply to Exemptees (HV7)								
	TOTAL (HT)								
	TOTAL LT + HT								

T&D Losses in FY and MY System		Name of Distribution Licensee					Form No: PL			
		All Figures in MU								
Particulars	Old Years		MYT 2010-II to 2012-13		Remarks					
	FY07	FY08	FY11	FY12		FY13				
	CY	PY	CY	PY						
	FY10	FY09	FY10	FY09						
A										
Losses in EHT System (400 KV, 220 KV, 132 KV & 66 KV)										
1 Energy received into the system of MP Transco										
2 Energy sold at this voltage level										
3 Energy transmitted to the next (lower) voltage level										
4 Energy Lost										
5 Total Loss in the system (4/1)*100%										
B										
System Losses At 33 KV										
1 Energy received into the system										
2 Energy injection at this level										
3 Energy sold at this voltage level										
4 Energy transmitted to the next (lower) voltage level										
5 Energy Lost										
6 Total Loss in the system (4/1)*100%										
C										
Losses At 11 KV										
1 Energy received into the system										
2 Energy injection at this level										
3 Energy sold at this voltage level										
4 Energy transmitted to the next (lower) voltage level										
5 Energy Lost										
6 Total Loss in the system (4/1)*100%										
D										
LT System Losses										
1 Energy received into the system										
2 Energy sold at this voltage level										
3 Energy Lost										
4 Total Loss in the system (3/1)*100%										
E										
Distribution system losses										
1 Energy In (B1 + A2)										
2 Energy Out (A2+ B2 + C2 + D2)										
3 Total Distribution Losses ((1-2)/1)*100%										
F										
Overall Losses										
1 Energy In (A1)										
2 Energy Out (A2+B2+C2+D2)										
3 Total T&D Loss ((1-2)/1)*100%										

Note: * Target losses as per the Business Plan of the Licensee
The basis for making the assumptions, if any, must be provided

Name of Distribution Licensee

Form No: P16

Sl.No.	Particulars	Units	Old Years			CY	MYT 2010-11 to 2012-13			
			FY07	FY08	FY09		FY10	FY11	FY12	FY13
1	Energy In	MU								
	System Energy Delivered into 33 kV Distribution System from EHT SSS									
	Energy delivered at 33kV bus by Generators connected at this level									
3	Energy Out	MU								
	Energy Sold By HT Direct Sales at 33 kV									
	Energy Diverted into 11 kV And LT System From 33/11 kV SSS	MU								
3	Distribution Loss	MU								
	Energy In - Energy Output	%								

Note The basis for making the assumptions, if any, must be provided

Name of Distribution Licensee

Form No: P16

Sl.No.	Particulars	Units	Old Years			CY	MYT 2010-11 to 2012-13			
			FY07	FY08	FY09		FY10	FY11	FY12	FY13
1	Energy In	MU								
	Total Energy Delivered By Generator									
	Net Tie Lines	MU								
	Sub Total 1	MU								
2	Energy Out	MU								
	Total Energy Received in Distribution System									
	Direct Sales to HT Consumers from Grid S/s	MU								
	Sub Total 2	MU								
3	Transmission Loss	MU								
	Sub Total 1 - Sub Total 2	%								

Note The basis for making the assumptions, if any, must be provided

Name of Distribution Licensee

Losses in 11 kV and LT system

Form No: P1c

	Particulars	Units	Old Years			CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13	
			FY07	FY08	FY09		FY11	FY12
1	Energy In							
	Energy Delivered into 11 kV From 33/11 kV S/s	MU						
	Energy Delivered into 11 kV From EHT S/s	MU						
	Energy delivered at 11kV bus by generators connected at this level							
	Sub Total 1	MU						
2	Energy Out							
	Energy Sold By HT Direct Sales at 11 kV	MU						
	Energy sold to LT consumers	MU						
	Sub Total 2	MU						
3	Distribution Loss							
	Sub Total 1 - Sub Total 2	MU						
		%						

Note The basis for making the assumptions, if any, must be provided

Name of Distribution Licensee: _____

Circle-wise energy input and output

Form No: P1d

Name of Circle: _____

Sl. No.	Particulars	Units	Old Years			CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13	
			FY07	FY08	FY09		FY11	FY12
	Energy input (from all sources, including embedded generators)	MU						
1	Energy sold to EHT consumers	MU						
2	Energy sold to HT consumers	MU						
3	Energy sold to LT consumers	MU						
4	Total energy sold (2+3+4)	MU						
5	Losses (1-5)	MU						
6	Losses % (6/1)*100	%						
7								

This form is to be filled for all the circles in the Distribution company

Name of Distribution Licensee

Monthly Projection of Sales

Form No: R1(i)

Month	MU	MU	MU
	FY 11	FY 12	FY 13
April			
May			
June			
July			
August			
September			
October			
November			
December			
January			
February			
March			

Table with multiple columns and rows, likely a detailed financial statement or ledger. The content is too small to transcribe accurately but appears to be a standard accounting table.

Table with multiple columns and rows, likely a detailed financial statement or ledger. The content is too small to transcribe accurately but appears to be a standard accounting table.

Table with multiple columns and rows, likely a detailed financial statement or ledger. The content is too small to transcribe accurately but appears to be a standard accounting table.

Name of Distribution Licensee _____ Form R4

Summary of Actual / estimated Revenue from sale of power

Particulars	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
				First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13
LOW TENSION						
LV 1: DOMESTIC						
LV 2: NON-DOMESTIC/COMMERCIAL						
LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS						
LV 4: LT INDUSTRY						
LV 5: IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE						
HIGH TENSION						
HV 1: RAILWAY TRACTION						
HV 2: COAL MINES						
HV-3: INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL						
HV-4: SEASONAL						
HV-5: HT IRRIGATION AND WATER WORKS						
HV 6: BULK RESIDENTIAL USERS						
HV 7: BULK SUPPLY TO EXEMPTEDS						
GRAND TOTAL HT + LT						

Revenue from Current Tariff Charges Name of Distribution Licensee
Form 14a

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals)	Current Year (Estimates)	MYT Period (Projected at Current Tariffs)				
					FY 09	FY 10	FY 11	FY 12	FY 13
LOW TENSION									
LV 1: DOMESTIC									
Metered									
Basic Rate									
0 to 30 Units/ Lighthouse	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
31 to 50 units	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
51 to 100 units	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 100 units	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total General	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Temporary	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
OYTDTR metered	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Total - LV 1 Domestic	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals)	Current Year (Estimates)	MYT Period (Projected at Current Tariffs)				
					FY 09	FY 10	FY 11	FY 12	FY 13
LV 2: NON-DOMESTIC/COMMERCIAL									
0 to 50 Units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 50 units	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total General	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Temporary	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Total LV 2 Non-Domestic / Commercial	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

		Form R-4a Contd.						
Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)			
					First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13	
LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS								
PUBLIC WATER WORKS								
Municipal Corporation/ Cantonment Board	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Municipality / Nagar Panchayat	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Gram Panchayat	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total General	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Temporary	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total Public Water Works	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
STREET LIGHTS (incl. Traffic Signals)								
Municipal Corporation/ Cantonment Board	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Municipality / Nagar Panchayat	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Gram Panchayat	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total General	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Temporary	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total Street Lights	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Total - LV 3 FWW and Street Lights	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						

Form R-4a Contd.

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
					First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13
HIGH TENSION							
HV 1: RAILWAY TRACTION							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
HV 2: COAL MINES							
220 KV							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
152 KV							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
33 KV							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
11 KV							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
TOTAL HV 2 COAL MINES							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					

Form R-4a Contd.

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
					First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13
HV-3: INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL							
HV 3.1: Industrial Use							
11KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
33KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
132KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
Sub-Total HV 3.1: Industrial Use							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
HV 3.2: Non-Industrial use							
11KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
33KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
132KV supply							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
Sub-Total HV 3.2: Non-Industrial Use							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
					Form R as Contd.		
					First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13
HIGH TENSION							
HV 1: RAILWAY TRACTION							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
HV 2: COAL MINES							
120 KV							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
132 KV							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
138 KV							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
11 KV							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
TOTAL HV 2 COAL MINES							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals) FY 09	Current Year (Estimates) FY 10	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
					Form R as Contd.		
					First Year FY 11	Second Year FY 12	Third Year FY 13
HV 3: INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL							
HV 3.1: Industrial Use							
11KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
33KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
132KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
Sub-Total HV 3.1: Industrial Use							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
HV 3.2: Non-Industrial use							
11KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
33KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
132KV supply							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
Sub-Total HV 3.2: Non-Industrial Use							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					
TOTAL HV 3 INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL							
	Consumers	No.					
	Connected Load	KW					
	Stake	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Cr.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Cr.					
	Total Revenue	Rs. Cr.					

Particulars	Particulars	Unit of measurement	Previous Year (Rs. Lakhs)	Current Year (Rs. Lakhs)	MTI Period Proposed at Current Year		
					1st Year	2nd Year	3rd Year
1.00 DRAINAGE	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
2.00 ROADWAYS	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
3.00 UTILITIES AND WATER SUPPLY	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					

Particulars	Particulars	Unit of measurement	Previous Year (Rs. Lakhs)	Current Year (Rs. Lakhs)	MTI Period Proposed at Current Year		
					1st Year	2nd Year	3rd Year
4.00 PUBLIC WORKS	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
5.00 OTHER WORKS	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					

Particulars	Particulars	Unit of measurement	Previous Year (Rs. Lakhs)	Current Year (Rs. Lakhs)	MTI Period Proposed at Current Year		
					1st Year	2nd Year	3rd Year
6.00 TOTAL	Construction	Sq.					
	Contracted Land	Sq.					
	Construction Work Charge	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					
	Contract Fee	Sq. Sq.					

ANNEXURE- II

Abridged formats to form part of the summary application for tariff determination for MYT Period to be published by the Licensee

NAME OF DISTRIBUTION LICENSEE: _____

INDEX

Summary Formats			
1	Sheet	A1	Aggregate Revenue Requirement, revenues and gap/surplus
2	Sheet	R1	Revenue across major categories
3	Sheet	T1	Existing and Proposed Tariffs

Name of Distribution Licensee:

Aggregate Revenue Requirement

Particulars	Old Years		CY FY10	MYT 2010-11 to 2012-13	
	FY07	FY08		FY11	FY12
Expenditure					
A Power Purchase:					
Estimated sale in MU					
Estimated requirement for loss compensation in MU					
I Estimated cost of power procurement in Rs. Crs. for sale					
II Estimated cost of power procurement in Rs. Crs. for loss compensation					
Total Aggregate Revenue Requirement for power purchase (I+II)					
B Transmission and SLDC Charges:					
Inter-State Transmission charges					
Intra-state Transmission (MP Transco) charges					
SLDC fees and charges					
C Expenditure on Distribution and Retail Supply					
R&M Expense					
Employee Expenses					
A&G Expense					
Depreciation					
Interest & Finance Charges on project loans					
Interest and Finance Charges on working capital loans					
Interest on Consumer Security Deposit					
Return on Equity					
Lease Rental					
Bad and Doubtful debts					
Any other expenses*					
D Less:					
Other Income (inclusive of income from wheeling charges)					
Income from Business other than Licensed business					
Aggregate Revenue Requirement (A+B+C-D)					
Revenues from tariffs and charges					
Revenue from sale of power					
Revenue from miscellaneous charges					
Total Revenue (Rs. Crs.)					
(Gap) / Surplus in Rs. Crs.					

Name of distribution licensee:

Summary of Projected Revenue from tariffs (Rs. Crs.)

Particulars	Old Years		PY FY09	CY FY10	MYE 2010-11 to 2012-13	
	FY07	FY08			FY11	FY12
LOW TENSION						
LV 1: DOMESTIC						
LV 2: NON-DOMESTIC/COMMERCIAL						
LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS						
LV 4: LT INDUSTRY						
LV 5: IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE						
LT TOTAL						
HIGH TENSION						
HV 1: RAILWAY TRACTION						
HV 2: COAL MINES						
HV-3: INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL						
HV-4: SEASONAL						
HV-5: HT IRRIGATION AND WATER WORKS						
HV 6: BULK RESIDENTIAL USERS						
HV 7: BULK SUPPLY TO EXEMPTED						
HT TOTAL						
GRAND TOTAL HT + LT						

Type of installation	EXISTING TARIFFS		PROPOSED TARIFFS					
	FY 10		FY 11		FY 12		FY 13	
	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)
DOMESTIC								
Basic Rate								
0 to 30 Units/ Lifeline								
31 to 50 units								
51 to 100 units								
Above 100 units								
Temporary								
Un-interrupted supply								
0 to 30 Units/ Lifeline								
31 to 50 units								
51 to 100 units								
Above 100 units								
Temporary								
TR metered								
Basic Rate								
Premium rate								
NON-DOMESTIC/COMMERCIAL								
Basic Rate								
0 to 50 Units								
Above 50 units								
Temporary								
PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS								
WATER WORKS								
Municipal Corporation/ Cantonment Board								
Municipality / Nagar Panchayat								
Gram Panchayat								
Temporary								
LIGHTS (incl. Traffic Signals)								
Municipal Corporation/ Cantonment Board								
Municipality / Nagar Panchayat								
Gram Panchayat								
Temporary								
INDUSTRY								
Upto 10 HP								
10 to 25 HP								
25 to 100 HP								
Above 100 HP								
Temporary								
IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE								
Permanent Connections								
first 300 units								
Above 300 units								
Temporary Connections								
TR metered								
Permanent Connections								
first 300 units								
Above 300 units								
Temporary Connections								
AGRICULTURE RELATED USE IN RURAL AREAS								

the Licensee proposes any change in the slabs or sub-categories / categories, the same may be described.

Name of Distribution Licensee:

IFT Schedule

Type of installation	EXISTING TARIFFS		PROPOSED TARIFFS					
	FY 10		FY 11		FY 12		FY 13	
	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)	Energy Charge (Rs/KWh)	Demand / Fixed Charge (Rs/KVA or consumer)
INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL								
RAILWAY TRACTION								
COAL MINES								
220 kV								
132 kV								
33 kV								
11 kV								
Temporary								
INDUSTRIAL AND NON-INDUSTRIAL								
<i>11V.3.1: Industrial Use</i>								
11kV supply								
33kV supply								
132kV supply								
<i>11V.3.2: Non-industrial use</i>								
11kV supply								
33kV supply								
132kV supply								
SEASONAL								
33kV supply								
11kV supply								
IRRIGATION AND WATER WORKS								
<i>Public water works</i>								
132 kV								
33 kV								
11 kV								
<i>Group Irrigation and other agriculture users</i>								
33kV supply								
11kV supply								
RURAL RESIDENTIAL USERS								
NON-RESIDENTIAL								
132 kV								
33 kV								
11 kV								
RESIDENTIAL								
132 kV								
33 kV								
11 kV								
RURAL SUPPLY TO EXEMPTEDS								
RECs having mixed use								
Mixed domestic and agricultural use								

the Licensee proposes any change in the slabs or sub-categories / categories, the same may be described.

ANNEXURE - III**Depreciation Schedule**

S. No.	Asset Particulars	Depreciation Rate (Salvage Value = 10%)
		SLM
A	Land under full ownership	0.00%
B	Land under lease	
a	For investment in land	3.34%
b	For cost of clearing the site	3.34%
c	Assets purchased new	
a	Building & Civil Engineering works of	
(i)	Offices and showrooms	3.34%
(ii)	Temporary erections such as wooden structures	100.00%
(iii)	Roads other than Kutcha roads	3.34%
(iv)	Others	3.34%
b	Transformers, Kiosk, sub-station equipment & other fixed apparatus (including plant)	
(i)	Transformers including foundations having rating of 100 KVA and over	5.28%
(ii)	Others	5.28%
(c)	Switchgear including cable connections	5.28%
(d)	Lighting Arrestors	
(i)	Station type	5.28%
(ii)	Pole type	5.28%
e	Synchronous condensor	5.28%
f	Batteries	5.28%
(i)	Underground cable including joint boxes	5.28%
(ii)	Cable & System	5.28%

(g)	Overhead Lines on fabricated steel operating at terminal voltages of upto and higher than 66 KV	5.28%
(h)	Meters	
(i)	Self propelled vehicles.	9.50%
(j)	Air Conditioning Plants	
(i)	Static	5.28%
(ii)	Portable	9.50%
K(i)	Office furniture and furnishing	6.33%
K(ii)	Office equipment	6.33%
K(iii)	Internal wiring including fittings and apparatus	6.33%
K(iv)	Street Light fittings	5.28%
(L)	Apparatus let on hire	
(i)	Other than motors	9.50%
(ii)	Motors	6.33%
(m)	Communication equipment	
(i)	Radio and high frequency carrier system	6.33%
(ii)	Telephone lines and telephones	6.33%
(n)	LT equipments	15.00%
(o)	Any other assts not covered above	5.28%